Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 180
लखनऊ, मंगलवार, 22 अप्रैल 2025
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865
पायनियर
लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित
www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

अगले हजार साल की रूपरेखा तय करने वाली नीतियां बना रही सरकार : मोदी

पोप फ्रांसिस के निधन पर पूरी दुनिया में शोक की लहर

पीटीआई। ल्योन

सोमवार को वेटिकन द्वारा पोप फ्रांसिस के 88 वर्ष की आयु में निधन की घोषणा के बाद दुनिया भर के राष्ट्रपतियों से लेकर सभी तरह के लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन, जो कि मुख्य रूप से रोमन कैथोलिक देश है, ने चर्च पर पोप के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक्स पर लिखा कि ब्यूनस आयर्स से रोम तक, पोप फ्रांसिस चाहते थे कि चर्च सबसे गरीब लोगों के लिए खुशी और उम्मीद लाए। इसके लिए मनुष्यों को आपस में और प्रकृति के साथ एकजुट करना चाहिए। यह आशा हमेशा उनके साथ रहे।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जिन्होंने ईस्टर संडे को भारत की यात्रा से पहले पोप से मुलाकात की, ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि उनका दिल उन लाखों ईसाइयों के लिए दुखी है जो उनसे प्यार करते थे, और कहा. मैं कल उन्हें देखकर खुश था, हालांकि वह स्पष्ट रूप से बहुत बीमार थे। इतालवी प्रीमियर जियोर्जिया मेलोनी, जो फ्रांसिस के हाल ही में अस्पताल में भर्ती होने के दौरान उनसे मिलने वाले कुछ आधिकारिक आगंतुकों में से एक थीं, ने पोप की व्यक्तिगत सांत्वना और उनके लिए दी गई सलाह का हवाला देते हुए कहा, मुझे उनकी दोस्ती, उनकी सलाह और उनकी शिक्षाओं का आनंद लेने

प्रधानमंत्री मोदी ने पोप के निधन पर दुख व्यक्त किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि दुनिया भर में लाखों लोग उन्हें हमेशा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद रखेंगे। पहले लैटिन अमेरिकी पादरी पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। उन्होंने अपनी विनम्र शैली और गरीबों के प्रति चिंता से दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया था। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, परम पावन पोप फ्रांसिस के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। पोप फ्रांसिस को दुनिया भर के लाखों लोगों द्वारा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा, छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया था। (शेष पृष्ठ 9)

का सौभाग्य मिला, जिसने मुझे कभी निराश नहीं किया, यहां तक कि परीक्षण और पीड़ा के समय में भी नहीं। उन्होंने कहा कि फ्रांसिस की मृत्यु का हमें बहुत दुख है, क्योंकि हम एक महान व्यक्ति और एक महान चरवाहे को अलविदा कह रहे हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने पोप को न केवल ईसाइयों के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक प्रेरणा के रूप में याद किया। उन्होंने ट्वीट किया, उन्होंने कैथोलिक चर्च से कहीं आगे जाकर लाखों लोगों को अपनी विनम्रता और कम भाग्यशाली लोगों के प्रति इतने शुद्ध प्रेम से प्रेरित किया। मेरी संवेदनाएँ उन सभी के साथ हैं जो इस गहरे नुकसान को महसूस करते हैं। उन्हें इस विचार से सांत्वना मिले कि पोप फ्रांसिस की विरासत हमें एक अधिक न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और दयालु दुनिया की ओर ले जाती रहेगी। (शेष पृष्ठ 9)

मोदी-वेंस ने द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की

● अमेरिकी उपराष्ट्रपति पहुंचे भारत यात्रा पर

पीटीआई। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस नेसोमवार को व्यापक वार्ता के दौरान द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में हुई प्रगति का स्वागत किया। वार्ता के बाद मोदी ने वेंस, भारतीय मूल की अमेरिका की द्वितीय महिला उषा और उनके अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया। भारतीय विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी और उपराष्ट्रपति वेंस ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की और उसका सकारात्मक मूल्यांकन किया। इसमें कहा गया, उन्होंने दोनों देशों के लोगों के कल्याण पर केंद्रित पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए वार्ता में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का स्वागत किया। वक्तव्य में कहा गया, इसी प्रकार, उन्होंने ऊर्जा, रक्षा, सामरिक प्रौद्योगिकियों और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जारी प्रयासों पर भी ध्यान दिया। दोनों नेताओं ने पारस्परिक हित के विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया तथा आगे बढ़ने के लिए बातचीत और कूटनीति का आह्वान किया। वक्तव्य में कहा गया, प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति, द्वितीय महिला और उनके बच्चों को भारत में सुखद और उपयोगी प्रवास के लिए शुभकामनाएं दीं। इसमें कहा गया कि मोदी ने वेंस को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह इस वर्ष के अंत में उनकी भारत यात्रा की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

केंद्र ने राहुल की नागरिकता पर ब्रिटेन को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्र ने ब्रिटेन सरकार को पत्र लिखकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ब्रिटिश नागरिकता होने के दावों के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है, इलाहाबाद उच्च न्यायालय को सोमवार को यह जानकारी दी गई। इस पत्र के बाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने केंद्र सरकार को 5 मई तक का समय दिया, ताकि वह लोकसभा में विपक्ष के नेता के खिलाफ दायर उस अभिवेदन का नतीजा पेश कर सके, जिसमें ब्रिटिश नागरिकता होने के दावों के चलते उनके 2024 के लोकसभा चुनाव को रद्द करने की मांग की गई है।

न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति राजीव सिंह की पीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। 25 नवंबर को जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने याचिकाकर्ता के अभिवेदन पर अपने फैसले के बारे में केंद्र सरकार से जानकारी मांगी थी। उप सॉलिसिटर जनरल एसबी पांडे ने सोमवार को अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन पर कार्रवाई करते हुए संबंधित मंत्रालय ने ब्रिटेन सरकार को पत्र लिखकर गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है और इसलिए सरकार को याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन पर अंतिम निर्णय लेने के लिए और समय चाहिए। केंद्र सरकार ने पहले भी इस संबंध में और समय मांगा था।

जनहित याचिका में याचिकाकर्ता भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर ने दावा किया है कि उनके पास ब्रिटिश सरकार के कुछ दस्तावेज और ईमेल हैं, जो साबित करते हैं कि राहुल गांधी ब्रिटिश नागरिक हैं और इस वजह से वह भारत में चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं और लोकसभा सदस्य का पद नहीं संभाल सकते। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि उन्होंने राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता के संबंध में दो बार सक्षम प्राधिकारी को शिकायत भेजी, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। 26 मार्च को भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि राहुल गांधी की याचिका पर जांच विचाराधीन है। अप्रैल 2019 में गृह मंत्रालय ने सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत पर राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें ब्रिटिश कंपनी के रिकॉर्ड दिखाए गए थे, जिसमें राहुल ने खुद को ब्रिटिश नागरिक बताया था। राहुल ने 2002 में लंदन में बैकऑप्स नाम से कंपनी शुरू की थी और 2009 तक कंपनी रजिस्ट्री में उन्होंने खुद को ब्रिटिश नागरिक और लंदन निवासी बताया था।

दिल्ली में पूर्व शिक्षक ने कोर्ट में महिला जज को धमकाया

राजेश कुमार। नई दिल्ली

इस महीने की शुरुआत में द्वारका की एक अदालत में हड़कंप मच गया, जब 63 वर्षीय सेवानिवृत्त सरकारी स्कूल शिक्षक और उनके वकील ने हाल ही में दिल्ली की एक अदालत में महिला जज को धमकाया और गाली-गलौज की। छह साल पुराने चेक बाउंस मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद आरोपी ने जज पर कोई वस्तु फेंकने की भी कोशिश की। इसके बाद उसने अपने वकील को निर्देश दिया कि वह अपने पक्ष में फैसला सुनाने के लिए हर संभव कोशिश करे। यह गुस्सा न्यायिक मजिस्ट्रेट (एनआई एक्ट) शिवांगी मंगला के सामने हुआ, जिन्होंने 2 अप्रैल को चेक के अनादर से निपटने वाले कानून - नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत आरोपी को दोषी ठहराया था। दोषी ठहराए जाने के बाद, न्यायाधीश ने आरोपी को दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 437ए के तहत जमानत बांड भरने का निर्देश दिया।

'तू है क्या चीज.....कि तू बाहर मिल देखता है कैसे जिंदा घर जाती है.....'आरोपी ने न्यायाधीश से कहा जैसा कि अदालत के 2 अप्रैल के आदेश में उल्लेख किया गया है। न्यायाधीश ने अपने आदेश में लिखा,

● चेक बाउंस मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद आरोपी ने जज पर कोई वस्तु फेंकने की भी कोशिश की।

आरोपी के पक्ष में फैसला न आने पर आरोपी ने खुले न्यायालय में न्यायाधीश पर गुस्सा जाहिर किया कि कैसे सजा का फैसला सुनाया जा सकता है। आरोपी ने न्यायाधीश की मां के खिलाफ टिप्पणी करते हुए अनौपचारिक हिंदी भाषा में खुले न्यायालय में न्यायाधीश को परेशान करना शुरू कर दिया। आरोपी ने कुछ वस्तु भी पकड़ी हुई थी और उसने न्यायाधीश पर उसे फेंकने की कोशिश की, क्योंकि उसने उसके पक्ष में फैसला नहीं सुनाया। फिर उसने अपने वकील को आदेश दिया कि वह उसके पक्ष में फैसला सुनाने के लिए कुछ भी करे। इसके बाद फिर से उन दोनों ने नौकरी से इस्तीफा देने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया और फिर से उन दोनों ने आरोपी को बरी करने के लिए प्रताड़ित किया, अन्यथा वे मेरे खिलाफ शिकायत दर्ज करेंगे और जबरन मेरा इस्तीफा दिलवाएंगे। हालांकि, सजा के बाद, आरोपी और उसके वकील ने कथित तौर पर महिला न्यायाधीश को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया और उस पर अपने पद से इस्तीफा देने का दबाव बनाया, न्यायाधीश मंगला ने अपने आदेश में दर्ज किया। उन्होंने फिर से उसे परेशान किया और मांग की कि वह आरोपी को बरी करे। उन्होंने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करने और जबरन उसका इस्तीफा दिलवाने की धमकी भी दी। न्यायाधीश ने कहा कि धमकी और उत्पीड़न के लिए आरोपी के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष उचित कार्रवाई शुरू की जाएगी। फिर भी नीचे हस्ताक्षरकर्ता सभी बाधाओं के खिलाफ खड़े हैं और हमेशा न्याय के पक्ष में आवश्यक कार्य करते हैं। नीचे हस्ताक्षरकर्ता इस तरह की धमकी और उत्पीड़न के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग, दिल्ली के समक्ष आरोपी के खिलाफ उचित कदम उठाएंगे।

न्यायाधीश ने दोषी के वकील को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया, जिसमें स्पष्टीकरण मांगा गया कि उसके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए उसके खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। आरोपी के वकील को आज उनके द्वारा दिखाए गए आचरण के लिए प्रासंगिक स्पष्टीकरण देते हुए लिखित रूप में कारण बताने के लिए (शेष पृष्ठ 9)

सांसद दुबे की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा: हमें संस्था की मर्यादा, बनाए रखनी चाहिए

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने प्रधान न्यायाधीश के खिलाफ एक सांसद के टिप्पणी करने से अवगत कराए जाने के बाद सोमवार को शीर्ष अदालत की मर्यादा और प्रतिष्ठा बनाए रखने की अपील की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब याचिकाकर्ता एवं अधिवक्ता विशाल तिवारी ने वक्फ कानून में संशोधन के बाद पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हिंसा के दौरान नफरत भरे भाषणों को लेकर दायर अपनी जनहित याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। तिवारी, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयानों का जिक्र कर रहे थे, जिन्होंने कहा था कि यदि उच्चतम न्यायालय को ही कानून बनाना है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए।

पीठ ने तिवारी से कहा, हमें आरोपों में भी संस्था की मर्यादा और प्रतिष्ठा बनाए रखनी चाहिए। अनुच्छेद 32 (के तहत रिट) याचिका में, दिए गए कथन भी सम्मानजनक होने चाहिए। न्यायालय ने तिवारी को अपनी याचिका में संशोधन करने की अनुमति देते हुए उनसे शीर्ष अदालत में कुछ ठोस लाने को कहा। भाजपा ने दुबे द्वारा शीर्ष अदालत की आलोचना से 19 अप्रैल को दूरी बना ली और पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने इन टिप्पणियों को उनका निजी विचार बताया। तिवारी ने अपनी याचिका में कहा कि था पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले और उत्तर 24 परगना में वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में हिंसा भड़क गई और उसमें कई लोगों की मौत हो गई तथा संपत्ति को नुकसान पहुंचा। याचिका में कहा गया है, कुछ लोगों के लिए यह राजनीति का अच्छा अवसर हो सकता है और कुछ पार्टियां राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल करती हैं। शांति बनाए रखने के बजाय राजनीतिक नेता भड़काऊ भाषण देते हैं जिससे स्थिति और खराब होती है। याचिका में, शीर्ष अदालत के 21 अक्टूबर 2022 के आदेश का हवाला दिया गया है, जिसमें उसके प्राधिकारों को नफरत फैलाने वाले भाषण देने वालों के खिलाफ कार्वाई शुरू करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा, नफरत फैलाने वाले भाषण देने वाले मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों और संवैधानिक पदों पर आसीन (शेष पृष्ठ 9)

मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी उग्रवादी समेत आठ नक्सली ढेर

पीएनएस/पीटीआई। रांची/नई दिल्ली

झारखंड के बोकारो जिले में सोमवार को पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा कमांडो के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए, जिनमें से एक नक्सली उग्रवादियों की शीर्ष केंद्रीय समिति का सदस्य था और उस पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़ जिले में लालपनिया इलाके के लुगु हिल्स में सुबह करीब साढ़े पांच बजे शुरू हुई। उन्होंने बताया कि 209 कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन (कोबरा) और राज्य पुलिस के अभियान में आठ नक्सली मारे गए और एक एके राइफल, तीन इंसास राइफल, एक सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर), आठ देसी बंदूक एवं एक पिस्तौल बरामद की गई।

प्रयाग मांझी उर्फ विवेक, विशेष क्षेत्र समिति सदस्य अरविंद यादव और जोनल समिति सदस्य साहेबराम मांझी।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में उग्रवादी संगठन की केंद्रीय समिति का सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक, विशेष क्षेत्रीय समिति का सदस्य अरविंद यादव उर्फ अविनाश, जोनल समिति का सदस्य साहेबराम मांझी उर्फ राहुल मांझी, महेश मांझी उर्फ मोटा, तालु, रंजू मांझी, गंगाराम और महेश शामिल हैं। उन्होंने बताया कि विवेक पर एक करोड़ रुपए, अरविंद यादव पर 25 लाख रुपए और साहेबराम मांझी पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा के विभिन्न मामलों में उनके खिलाफ मामले दर्ज थे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय समिति माओवादी संगठन की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है।

अधिकारियों ने बताया कि इस मुठभेड़ में किसी सुरक्षाकर्मी के घायल होने की खबर नहीं है। झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने कहा, इस मुठभेड़ के साथ ही उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र में माओवादी दस्तों का सफाया हो गया है। उन्होंने कहा, पूरे राज्य से माओवादियों का लगभग सफाया हो चुका है। वे केवल चाईबासा क्षेत्र में बचे हैं। हम सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर और झारखंड सशस्त्र पुलिस सहित अपने सभी बलों को सारंडा क्षेत्र में स्थानांतरित कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य अगले 15 से 20 दिन में या निश्चित रूप से बरसात के मौसम से पहले क्षेत्र के सभी माओवादी दस्तों को खत्म करना है। डीजीपी ने कहा, हम चाईबासा के माओवादियों से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने की अपील करते हैं। (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली को लू से बचाने की पूरी तैयारी, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जारी की कार्ययोजना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में बढ़ती गर्मी को लेकर सरकार अभी से हरकत में आ गई है। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है और मौसम विभाग ने पहले ही चेतावनी दी है कि इस बार की गर्मी पिछली साल से ज्यादा तीव्र और खतरनाक हो सकती है। इस स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार ने एनडीएमए के सहयोग से डीडीएमए ने दिल्ली हीट एक्शन प्लान तैयार किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली हीट एक्शन प्लान जारी किया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बताया कि यह योजना दिल्ली वालों को भीषण गर्मी और लू की खतरनाक स्थिति से बचाने के लिए एक

● मुख्यमंत्री का दावा झुग्गी-बस्तियों से लेकर अस्पतालों तक, बचाव के पुख्ता इंतजाम

वैज्ञानिक और जन-उन्मुख योजना के रूप में तैयार किया गया है। दिल्ली को हीटवेव-रेजिलिएंट बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार के द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस अवसर पर 'कूल रूफ टेक्नोलॉजी' और 'डिजिटल कोल्ड वॉटर डिस्पेंसर' जैसी दो अहम पर्यावरणीय पहलों की भी शुरुआत की गई। इस प्लान के तहत पूरे शहर में तीन हजार वाटर कूलर लगाए जाएंगे। सरकार द्वारा फुटपाथों पर कूलिंग शेड्स बनाए जाएंगे, ताकि राह चलते लोगों को

● फुटपाथों पर कूलिंग शेड्स बनाए जाएंगे

● समय रहते हीटवेव अलर्ट जारी किए जाएंगे

धूप से थोड़ी राहत मिल सके। सरकारी भवनों और निजी इमारतों पर कूल रूफ और ग्रीन रूफ टेक्नोलॉजी को अपनाया जाएगा।

दिल्ली के 5500 से अधिक स्कूलों के 14 लाख बच्चों को आपदा प्रबंधन और हीटवेव से बचाव के लिए जागरूक किया जाएगा। सरकार ने झुग्गी-बस्तियों से लेकर बड़े अस्पतालों तक हीटवेव से निपटने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। साथ ही अस्पतालों में हीटवेव वार्ड बनाए जा रहे हैं और सार्वजनिक स्थलों जैसे बस स्टॉप व रेलवे स्टेशनों पर पीने के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। सीएम ने इस योजना को केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि दिल्ली वालों की भागीदारी से चलने वाला एक जनआंदोलन बताया, और सभी नागरिकों से इस प्रयास में सक्रिय सहयोग करने का अनुरोध किया है।

हीट एक्शन प्लान के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत पूरे शहर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों, निर्माण स्थलों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सावधानियां बरती जाएंगी। सरकार सुनिश्चित कर रही है कि सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं, शीतल पेयजल की उपलब्धता, शेड्स और ठहराव स्थलों की व्यवस्था की जाए। सरकार की कोशिश है कि हीटवेव के दौरान कोई भी नागरिक गर्मी की मार से बीमार न हो। सभी सम्बंधित विभागों मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हीट अलर्ट्स समय पर लोगों तक पहुंचे, और बचाव के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। सरकार दिल्ली को हीटवेव-रेजिलिएंट सिटी बनाने की दिशा में एक ठोस कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते कुछ वर्षों से दिल्ली में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि जनजीवन के लिए एक गंभीर चेतावनी है। जब गर्मी इतनी विकराल होती है, तो हमारी तैयारी भी उतनी ही ठोस होनी चाहिए। (शेष पृष्ठ 9)

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025

कुछ मिशनरी और वामपंथी कर रहे थे जनजातीय समाज का ब्रेनवॉशः योगी

● कहा, थारू, मुसहर, कोल गोंड, समेत सभी जनजातियों को उपलब्ध कराई हर सुविधा

गोरक्ष-अवध प्रांत के कार्यकर्ताओं को सीएम ने किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जन जातियों को 2017 से पहले मतदान के अधिकार नहीं थे। राशन कार्ड और कनेक्टिविटी की सुविधा नहीं थी। भाजपा की सरकार आने के बाद से थारू, मुसहर, कोल, गोंड, समेत सभी जनजातियों को हर सुविधा उपलब्ध कराई गई। यही नहीं, इससे पहले कुछ मिशनरी और वामपंथी जनजातीय समाज का ब्रेनवॉश भी किया करते थे।

ये बातें लखनऊ के सिटी मांटेसरी स्कूल गोमतीनगर विस्तार ऑडिटोरियम में सोमवार को श्री गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 5.0 के कार्यकर्ता सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने कहा कि वनटांगिया के 55 गावों में कोई अधिकार नहीं थे। यह स्थिति देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रही थी। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के साथ सीएम योगी ने भगवान धन्वंतरी, भारत माता, गुरु गोरखनाथ और स्वामी विवेकानंद के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में यात्राओं की एक लंबी श्रृंखला रही है। आदि शंकराचार्य ने भी शंकर दिग्विजय यात्रा के माध्यम से भारत को सांस्कृतिक रूप से जोड़ा था। ऐसी धार्मिक यात्राएं केवल आस्था नहीं, बल्कि समाज को एकसूत्र में बांधने का माध्यम होती हैं। उन्होंने कहा, उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक भारत आदिकाल से एक सांस्कृतिक इकाई रहा है और धार्मिक यात्राओं पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा सका। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में भी ऐसी ही एकता को पुनः स्थापित करने का कार्य पांच साल पहले प्रारंभ हुआ। योगी ने कहा, आपको आश्चर्य होगा कि 1947 में देश को आजादी मिली, लेकिन 2017 से पहले तक इन गांवों के लोगों को न वोटिंग का अधिकार था, न राशन कार्ड। न बिजली, न सड़क और न स्वास्थ्य की कोई सुविधा। वन विभाग और पुलिसकर्मी इनका शोषण करते थे। उन्होंने आगे बताया कि जब 2017 में बीजेपी की सरकार आई, तब जाकर इन गांवों को राजस्व ग्राम की मान्यता मिली और धीरे-धीरे सभी योजनाएं लागू की गईं। योगी ने ऐतिहासिक तथ्य साझा करते हुए बताया कि थारू जनजाति के लोग अंग्रेजों द्वारा तराई के जंगलों में बसाए गए। उन्हें कहा गया था कि जंगल में रहो, कोई वेतन नहीं मिलेगा। वे झोपड़ियों में रहे, शोषण सहा। जब आजादी मिली तब भी सरकारों ने आंखें मूंदी रखीं। सीएम ने बताया कि इन लोगों ने मतदान करना शुरू किया। 2022 और 2024 के चुनाव में भी हजारों लोग पहली बार वोटर बने। अब हर गांव में सड़क है, हर घर में बिजली है, सभी को मकान मिले हैं। आंगनबाड़ी केंद्र खुले हैं, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र बन रहे हैं। राशन, आयुष्मान योजना, पेंशन समेत हर सुविधा इन तक पहुंच चुकी है। योगी ने कहा, हमें आभार प्रकट करना चाहिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का, नानाजी देशमुख और अपने पूज्य गुरुदेव महंत अवैद्यनाथ का। उन्होंने बच्चों के लिए छात्रावास और स्कूल की व्यवस्था कराई। उन्होंने कहा, नेपाल में माओवादी और मधेशियों के बीच भीषण संघर्ष हुआ तो मैंने हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारी से हालात की जानकारी ली थी।

करुणा, विनम्रता और उदात्त सेवा भावना के लिए सदैव याद रहेंगे पोप फ्रांसिसः योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक जताया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताते हुए लिखा कि पोप फ्रांसिस को करुणा, विनम्रता और उदात्त सेवा भावना के लिए सदैव याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि कैथोलिक ईसाई समुदाय के सर्वोच्च धर्मगुरु आदरणीय पोप फ्रांसिस का निधन अत्यंत दुःखद एवं आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं वैश्विक कैथोलिक समुदाय के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने लिखा कि पोप फ्रांसिस को करुणा, विनम्रता और उदात्त सेवा भावना के लिए सदैव याद किया जाएगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं उनके शोकाकुल अनुयायियों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

यूपी पुलिस में जातिगत पोस्टिंग के दावों को डीजीपी ने गलत करार दिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग ऐसी गलत टिप्पणियों से बचेः प्रशांत कुमार

डीजीपी प्रशांत कुमार ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा पुलिस में जातिगत पोस्टिंग के दावों को पूरी तरह गलत और अफवाह करार दिया है। डीजीपी ने जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों से ऐसी भ्रामक टिप्पणियों से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही ऐसी सूचनाएं निराधार हैं और इनका खंडन करने के लिए संबंधित जिलों की पुलिस पहले ही आंकड़े जारी कर चुकी है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में ऐसी कोई गलत सूचना फैलाई जाती है, तो हम उसकी सच्चाई सामने लाएंगे। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को ऐसी टिप्पणियां करने से बचना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिसकर्मियों की तैनाती प्रदेश के सभी जनपदों में निर्धारित मानकों के अनुरूप की गई है। अखिलेश यादव के दावों के जवाब में आगरा पुलिस कमिश्नरेट ने आंकड़े जारी कर बताया कि उनके यहां 39 प्रतिशत ओबीसी और 18 प्रतिशत एससी वर्ग के पुलिसकर्मी तैनात हैं, जबकि ओबीसी के लिए मानक केवल 27 प्रतिशत है। मैनपुरी पुलिस ने भी खुलासा किया कि उनके जिले में 31 प्रतिशत ओबीसी और 19 प्रतिशत एससी वर्ग के पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। वहीं, चित्रकूट पुलिस ने बताया कि उनके 12 थानों में से तीन पर ओबीसी, दो पर एससी/एसटी और सात पर अन्य वर्ग के थानाध्यक्ष तैनात हैं। ऐसे ही प्रयागराज पुलिस ने भी अखिलेश यादव के पोस्ट पर जवाब देते हुए उसे असत्य बताया है। प्रयागराज पुलिस की ओर से बताया गया कि थाना प्रभारी की नियुक्ति के लिए कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा, सामाजिक सद्भाव व जन शिकायतों के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर योग्य कर्मचारियों का चयन किया जाता है। प्रयागराज में तैनात लगभग 40 प्रतिशत थाना प्रभारी ओबीसी और एससी/एसटी वर्ग से हैं। इन पदों पर नियुक्ति एक निष्पक्ष प्रक्रिया के द्वारा की जाती है। डीजीपी ने कहा कि यूपी पुलिस का कर्तव्य है कि गलत सूचनाओं का खंडन कर सच्चाई जनता के सामने लाई जाए। उन्होंने सभी से अपील की कि भ्रामक जानकारी फैलाने से बचें और पुलिस व्यवस्था पर अनावश्यक सवाल न उठाएं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब अखिलेश यादव ने पुलिस पोस्टिंग में जातिगत भेदभाव का आरोप लगाया था, जिसके जवाब में यूपी पुलिस ने तथ्यों के साथ उनकी गलतबयानी को उजागर किया।

सपा, बसपा व कांग्रेस सिर्फ चुनाव के समय होते हैं सक्रियः धर्मपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● भाजपा अनवरत कार्य करने वाला राजनैतिक दलः प्रदेश महामंत्री संगठन

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने सोमवार को सीतापुर जिला कार्यालय में अलग-अलग बैठकों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों, पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं जिला पदाधिकारियों, लहरपुर विधानसभा के मंडल अध्यक्षों व शक्तिकेन्द्र संयोजकों के साथ ही अनुसूचित मोर्चा के पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के बीच आगामी विधानसभा चुनाव की विजय रणनीति पर चर्चा की। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा अनवरत कार्य करने वाला राजनैतिक दल है। जहां एक ओर सपा, बसपा व कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों के कार्यकर्ता, पदाधिकारी व नेता सिर्फ चुनाव के समय सक्रिय होते है। वहीं भाजपा सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यों तथा जनसरोकार से जुड़े कार्यों के साथ अहर्निश जनता के बीच रहकर कार्य करती है। भाजपा विचार आधारित दल है। जबकि सभी विपक्षी दल परिवार आधारित व जाति आधारित दल है। यही कारण भाजपा को अन्य दलों से अलग करते हैं और यही कारण भाजपा को विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल बनाते है। धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अथक परिश्रम का पर्याय है। यही कारण है कि भाजपा जनसरोकार व जन-जागरण के अभियानों को कार्यकर्ताओं के परिश्रम से लोकव्यापी बनाने में सफल होती है। उन्होंने कहा कि वक्फ सुधार जन-जागरण अभियान के माध्यम से हमें वक्फ कानून के नाम पर देश में कांग्रेस द्वारा दी गई लूट की छूट का पर्दाफाश करना है।

26 औद्योगिक इकाइयों को मिलेगी 60 करोड़ की मदद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाते हुए राज्य के हथकरघा, पावरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योग को मजबूती देने का ऐलान किया है। सरकार ने उन औद्योगिक इकाइयों को वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया है, जो उत्तर प्रदेश हैंडलूम, पावरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल और गारमेंटिंग नीति-2017 की नीति लागू होने से पहले आंशिक निवेश कर चुकी थीं, लेकिन नीति के दायरे में आने से छूट गई थीं। योगी सरकार का यह फैसला राज्य के पारंपरिक वस्त्र उद्योग को नई ऊर्जा देने वाला है। योगी सरकार केवल नीतियां बनाकर नहीं छोड़ती, बल्कि समय-समय पर समीक्षा कर उन उद्यमियों की भी सुध लेती है जो तकनीकी या प्रशासनिक कारणों से योजनाओं का लाभ नहीं ले पाए। प्रदेश सरकार के इस फैसले से करीब 26 औद्योगिक इकाइयों को सीधे तौर पर फायदा होगा। इन इकाइयों के लिए सरकार लगभग 60 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान करेगी, जिससे वे अपने उत्पादन को और बढ़ा सकेंगी। इसके लिए सरकार ने बकायदा शासनदेश जारी कर उन्हें योजना के दायरे में ले आने का निर्णय किया है।

हर व्यक्ति की समस्या का सम्भव निदान होगाः केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अलीगढ़ जाने से पहले अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति को हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय।

उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि परेशान हो, समस्याओं का समाधान भी होगा, सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाएं भी मिलेंगी। जनता दर्शन में 2 दर्जन से अधिक ज़िलों से आये लोगों ने अपनी समस्याएं रखी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए।

अब मनरेगा श्रमिकों के खातों में सीधे भेजी जाएगी धनराशि

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि मनरेगा मजदूरों के लिए केंद्र सरकार द्वारा 2300 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि प्रदान की गई है। यह धनराशि बकाया भुगतानों को पूरा करने और समय पर मजदूरी सुनिश्चित करने में मदद करेगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मनरेगा श्रमिकों की बकाया धनराशि उनके खातों में तत्काल भेजने की कार्यवाही की जाय। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार से मनरेगा श्रमिकों के भुगतान हेतु करीब 2343.80 करोड़ की राशि जारी की जा चुकी है। इससे बकायेदारी भी दूर होगी। केंद्र सरकार से यूपी मनरेगा के लिये श्रमांश मद हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली किस्त के रूप में कुल 2343.80 करोड़ रुपए केंद्र से जारी किये गये हैं।

डीजीपी की पत्नी ने पुलिस मुख्यालय में किया शिशु वाटिका व नारी विश्राम गृह का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● महिला पुलिसकर्मी सशक्त होगी तो हमारी पुलिस व्यवस्था और भी अधिक प्रभावी बनेगीः डिंपल वर्मा

डीजीपी प्रशांत कुमार पत्नी और अध्यक्ष वामा सारथी, उप्र पुलिस फैमिली वेलवेयर एसोसिएशन डिम्पल वर्मा (रिटायर आईएएस) ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय के चतुर्थ टॉवर, भूतल स्थित कैफेटेरिया प्रांगण में शिशु वाटिका एवं नारी विश्राम गृह का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महिला सुरक्षा के प्रति प्राथमिकता के दृष्टिगत विगत वर्षों में उत्तर प्रदेश पुलिस में महिला पुलिस कर्मियों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। महिला कर्मियों को कार्यस्थल पर अनुकूल वातावरण एवं मूलभूत सुविधायें प्रदान करने के उद्देश्य से डीजीपी के निर्देशन में पुलिस मुख्यालय में शिशु वाटिका एवं नारी विश्राम गृह का निर्माण कराया गया है। उक्त परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश के समस्त पुलिस कमिश्नरेट/ जनपदों की पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालयों एवं थानों में भी शिशु वाटिका एवं नारी विश्राम गृह बनाए जाने के निर्देश डीजीपी द्वारा दिए गए हैं। इस अवसर पर डिम्पल वर्मा द्वारा कहा गया कि, महिला पुलिस कर्मियों को दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। उन्हें नौकरी के साथ-साथ पारिवारिक दायित्वों का भी निर्वहन करना पड़ता है। ऐसे में जिन महिला कर्मियों के छोटे बच्चे हैं तथा घर में उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है उनकी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस मुख्यालय में शिशु वाटिका एवं नारी विश्राम गृह का शुभारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए अलग विश्राम कक्ष और बच्चों के लिए क्रेच जैसी सुविधाएं कार्यस्थल पर न केवल सुविधा देती हैं, बल्कि उन्हें मानसिक संतुलन और आत्मबल भी प्रदान करती हैं। खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां 'मिशन शक्ति' जैसे अभियान महिला सशक्तिकरण को नई दिशा दे रहे हैं, ऐसे प्रयास और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। वामा सारथी, इस दिशा में आगे भी कार्य करती रहेगी। हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि इसी तरह की सुविधाएं प्रदेश के सभी जनपदों की पुलिस लाइनों और थानों में उपलब्ध कराई जाएं।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूच्य हो कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में त्रुटिवश मेरा नाम रिंकू सिंह पुत्र फकीरे सिंह दर्ज हो गया है जो गलत है जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम शारदा बक्स सिंह पुत्र फकीरे सिंह दर्ज है जो सही है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है। अतः अब से मेरा सही नाम ही पढ़ा व समझा जाए। शारदा बक्स सिंह पुत्र फकीरे सिंह निवासी-धरैंचा बाजार ,जिला-सीतापुर

सूचना

सर्व विदित हो कि मेरा शुद्ध एवं सही नाम MOHAMMAD LATEEF है, परन्तु त्रुटि वश आधार कार्ड में MOHD- LAFEET हो गया है अतः आज से मुझे मेरे शुद्ध नाम MOHAMMAD LATEEF के नाम से पढ़ा लिखा एवं समझा जाए। MOHAMMAD LATEEF S/o- MOHAMMAD AJHAR निवासी बी -358 मायावती कालोनी दीनदयाल पुरम इन्दिरा नगर लखनऊ उत्तर प्रदेश - 226016.

सूचना

प्रबंध समिति के चुनाव सम्बन्धी सूचना
सकलडीहा डिग्री कॉलेज समिति
सकलडीहा जनपद-चंदौली

प्रबंध समिति के चुनाव का विस्तृत कार्यक्रम
सकलडीहा डिग्री कालेज समिति के सभी सम्मानित सदस्यों को सूचित किया जाता है कि प्रबंध समिति के चुनाव हेतु निम्नलिखित चरणबद्ध कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। कृपया अवगत होते हुए अपनी सहभागिता एवं योगदान प्रदान करें। अध्यक्ष-एक पद, उपाध्यक्ष-चार पद, प्रबन्ध-एक पद, सेक्रेटरी (मंत्री)-एक पद, सदस्य कार्यकारिणी-पांच सदस्य । स्थान सकलडीहा पी०जी० कालेज परिसर ।

1. नामांकन दिनांक-27.04.2025, 10 बजे से 12 बजे तक ।
2. नामांकन पत्रों की जांच घोषणा व नाम वापसी-12 बजे से 1 बजे तक
3. आवश्यक होने पर चुनाव व मतगणना 1 बजे से परिणाम घोषित होने तक ।

राकेश वर्मा प्रबन्धक
सकलडीहा पी.जी. कालेज,
सकलडीहा चंदौली

भाजपा मूलतः परम्परागत प्रभुत्ववादियों की पार्टीः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि दलितों पर अत्याचार के मामले में भाजपा सरकार के समय में यूपी नंबर एक बन गया है। सवाल ये है कि दलितों पर हमलों और दलितों के ख़िलाफ़ सबसे ज़्यादा अपराधों में, वो भी ख़ासतौर से दलित महिलाओं के उत्पीड़न और दुर्व्यवहार की वारदातों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, ओड़िशा, महाराष्ट्र जैसे वो ही राज्य क्यों है, जो भाजपा शासित हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश के दलितों के साथ अन्याय, अत्याचार चरम पर है। भाजपा सरकार आरक्षण और आजादी तो छीन ही रही है अब तो सत्ता संरक्षित प्रभुत्ववादी, दबंग और गुण्डे जान ले, रहे हैं। प्रयागराज में गेहूं काटने से इंकार करने पर हुई दलित युवक की हत्या अंदर से हिला देने वाली घटना है। यादव ने कहा कि भाजपा मूलतः परम्परागत प्रभुत्ववादियों की पार्टी है और वर्चस्ववादी भाजपाइयों की बुनियादी सोच सामंतवादी है, जिसमें ग़रीब, वंचित, दलित, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आधी आबादी (महिलाओं) और आदिवासियों के लिए सिर्फ़ अपमान और ज़लालत के अलावा और कुछ नहीं है। मन, मानस और आचरण में भाजपाई आज़ादी से पहले की ही सोच में जी रहे हैं। इसीलिए भाजपाई संविधान के भी विरोधी हैं क्योंकि भाजपा में संगठन और सरकार के प्रमुख पदों पर हमेशा ही केवल कुछ ख़ास लोग ही विराजमान रहते हैं और बाक़ी दौड़-भाग, डंडा-झंडा, बैनर-दरी के काम औरों को दे दिये जाते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के अंदर पदनाम भले किसी दलित, पिछड़े को मिल जाए पर 'पदमान' कभी नहीं मिलता।

संवैधानिक संस्था ईडी का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेसः सीपी राय

लखनऊ। पिछले दिनों अहमदाबाद में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का अधिवेशन संपन्न हुआ जिसमें अहमदाबाद प्रस्ताव 'न्याय पथ' के नाम से मंजूर हुआ था। साथ ही यह भी तय हुआ था कि वर्ष 2025 संगठन सृजन का वर्ष होगा।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन, पूर्व मंत्री डॉ. सीपी राय ने बताया कि पिछले दिनों बिना आधार के नेशनल हेराल्ड मामले में जिसमें पूर्व में क्लीन चिट मिल चुकी थी निरंकुश तरीके से कांग्रेस कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ राजनैतिक मनमाने ढंग से चार्जशीट दाखिल कर दी गई है और जिस मामले में भाजपा की हरियाणा सरकार ने हाई कोर्ट में क्लीन चिट दे चुकी थी उसी मामले में रार्बट वाड्रा को भी समन कर प्रताड़ित किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी ने फैसला किया है कि भाजपा सरकार की निरंकुश तानाशाही के खिलाफ जनमानस में जाकर व्यापक चर्चा की जाए।

निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएः बृजेश सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोक निर्माण राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने सोमवार को राज्य सेतु निगम के मुख्यालय स्थित सभागार में सेतु निगम निगम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान मंत्री ने अब तक स्वीकृत कार्यों की अद्यतन स्थिति जानकारी ली और कार्यों के गुणवत्ता सुनिश्चित कराने हेतु विभिन्न स्तर पर चेकिंग के निर्देश दिए।

लोक निर्माण राज्य मंत्री ने इस अवसर पर चालू कार्यों की समीक्षा की और कार्यों पर अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष व्यय की जानकारी ली और निर्देश दिया कि कतिपय परियोजनाएं लम्बे समय से गतिमान हैं उन कार्यों की प्रगति और अधिक बढ़ायी जाय, जिससे चालू कार्यों को शीघ्रतिशीघ्र पूर्ण किया जा सके और आम जनमानस को उसका तत्काल लाभ मिल सके। निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के संबंध में निर्देश दिया कि निर्माणाधीन परियोजनाओं की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं, इसके लिये प्रत्येक स्तर पर नियमित अनुश्रवण कराया जाये। बृजेश सिंह ने निर्देश दिया कि जो कार्य ईपीसी पर कराये जा रहे हैं उनके अनुबंध में दिए गए माइलस्टोन के अनुसार प्रगति सुनिश्चित कराएँ, यदि माइलस्टोन के अनुसार प्रगति नहीं हो रही है तो सम्बंधित काट्रैक्टर के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करें, इसके साथ ही संबंधित अधिकारी की लापरवाही पाए जाने पर उसकी भी जवाबदेही तय की जाय। निर्माणाधीन कार्यों की उच्च अधिकारी नियमित समीक्षा करें। निर्माण कार्यों में लापरवाही एवं शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अयोध्या के 6 प्रमुख प्रवेश द्वारों के निकट होगा पर्यटक सुविधा केंद्रों का निर्माण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रभु श्रीराम की राजधानी और सनातन सप्त पुरियों में विख्यात अयोध्या धाम में पर्यटक सुविधाओं में इजाफा होने जा रहा है। सीएम योगी के विजन अनुसार, अयोध्या के 6 प्रमुख प्रवेश द्वारों को उत्तम पर्यटक सेवाएं उपलब्ध कराने का माध्यम बनाने की तैयारी है। प्रक्रिया के अंतर्गत श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, हनुमान, गरुण और जटायु द्वारों का गेट कॉम्पलेक्स के रूप में निर्माण व विकास होगा। इन सभी 6 प्रवेश द्वारा के समीप पर्यटक सुविधा केन्द्रों का निर्माण होगा। इसके अतिरिक्त, बजट होटल, यात्री निवास पर्यटक केन्द्र व पर्यटन कार्यालय का विकास होगा। वहीं, आर्ट एंड क्राफ्ट गैलरी, फूड कोर्ट, कैफेटेरिया, रेस्तरां, एंफिथिएटर, मल्टीलेवल पार्किंग, हरित क्षेत्र, ईवी चार्जिंग स्टेशन जैसी कई सुविधाओं का यहां निर्माण व विकास किया जाएगा जो पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने का माध्यम बनेंगे। इस विषय में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने खाका तैयार कर लिया है जिसके आधार पर सभी निर्धारित निर्माण व विका कार्यों की पूर्ति में तेजी लायी जाएगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा तैयार किए गए खाके के अनुसार, अयोध्या में जिन 6 टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी) यानी पर्यटक सुविधा केन्द्रों का निर्माण होना है उनमें जटायु द्वार पर बनने वाला केन्द्र सबसे बड़ा होगा। अयोध्या में अम्बेडकर नगर रोड पर बनने वाले जटायु द्वार के समीप जिस पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण होना है उसका प्रसार 5.76 हेक्टेयर में होगा। वहीं, लखनऊ रोड पर बनने वाले श्रीराम द्वार पर पर्यटक सुविधा केन्द्र परिसर का प्रसार 4.91 हेक्टेयर में होगा। जबकि, गोण्डा रोड पर बनने वाले लक्ष्मण द्वार पर पर्यटक सुविधा केन्द्र का प्रसार 4.5 हेक्टेयर, सुल्तानपुर रोड पर बनने वाले भरत द्वार पर पर्यटक सुविधा केन्द्र का प्रसार 2.04 हेक्टेयर, गोरखपुर रोड पर बनने वाले हनुमान द्वार पर पर्यटक सुविधा केन्द्र का प्रसार 3.59 हेक्टेयर तथा रायबरेली रोड पर बनने वाले गरुण द्वार पर पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण व विकास 4.98 हेक्टेयर प्रसार क्षेत्र में किया जाएगा।

इंडियन बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) इलाहाबाद
Indian Bank (A Govt. of India Undertaking) ALLAHABAD

कब्जा नोटिस (अचल सम्पत्ति हेतु)
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम-8(1) के अंतर्गत

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **इंडियन बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002, (धारा 54, 2002) की धारा 13 (12) प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (प्रवर्तन) की सपठित नियम 3, 8 व 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऋणी को मांग सूचना पत्र से यहाँ विस्तृत रूप से नीचे दी गयी राशि 60 दिनों के भीतर लौटाने के लिए निर्गमित किया।

ऋण-ग्रहिता / जमानतकर्ता के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋण-ग्रहिता / जमानतकर्ता और सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचना दी जाती है की अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 व 9 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में निम्नलिखित सम्पत्तियों का आधिपत्य ग्रहण कर लिया गया है। ऋण-ग्रहिता / जमानतकर्ता को विशिष्ट रूप से और सर्व-साधारण को सामान्य रूप से एतद्वारा संपत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त संपत्ति का किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय **इंडियन बैंक** के अधीन रहेगा।

उधारकर्ता / जमानतकर्ता का ध्यान प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

यह सूचना इस अधिग्रहण के आयोजन के सम्बन्ध में कर्जदारों, जमानतकर्ताओं और बंधककर्ताओं को बकाया जमा करने के लिए कहा जा रहा है।
विवरण निम्नुसार हैं:-

क्र. सं.	ऋणी / प्रोपराइटर / जमानतकर्ता / बंधककर्ता का नाम एवं पता	अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि कब्जा की तिथि बकाया धनराशि
शाखाः जानकीपुरम शाखा (L559/5993)			
1.	**1. श्री शहाबुद्दीन पुत्र मोहम्मद सिद्दीकी (ऋणी एवं बंधककर्ता),** 264/14, बिल्लोचपुरा, वार्ड कुंडरी रकाबगंज, सुन्नी इंटर कॉलेज के पास, लखनऊ **2. श्रीमती उज्मा पत्नी शहाबुद्दीन (सह-ऋणी),** 264/14, बिल्लोचपुरा, वार्ड कुंडरी रकाबगंज, सुन्नी इंटर कॉलेज के पास, लखनऊ **3. श्री इल्हाम हुसैन उर्फ इकाहाम हुसैन पुत्र अमिताज हुसैन उर्फ मिर्जा इम्तियाज हुसैन (जमानतकर्ता),** निवासी 446/126, मुसाहिब गंज, लखनऊ **4. श्री अलीमुद्दीन पुत्र कमालुद्दीन (जमानतकर्ता),** निवासी 11, बिल्लौचपुरा, लखनऊ 264 बिल्लौचपुरा लखनऊ	संपत्ति के सभी भाग व खण्ड को मिलाकर भूमि एवं भवन स्थित मकान 264/14, बिल्लोचपुरा वार्ड कुंदरी, रकाबगंज, सुन्नी इंटर कॉलेज के पास, लखनऊ, **मालिकः** श्री शहाबुद्दीन पुत्र श्री मोहम्मद सिद्दीकी (जमानतकर्ता एवं बंधककर्ता) विक्रय विलेख पंजीकृत बही संख्या 1, खण्ड संख्या 4654 पृष्ठ संख्या 295/326, क्रमांक 4360, दिनांक 12.07.2004 को उप रजिस्ट्रार-IV, लखनऊ में पंजीकृत **चौहद्दीः पूर्वः** पार्टी मकान एवं आंशिक रूप से 10 फीट चौड़ी सड़क, **पश्चिमः** जिया-उल का मकान एवं फिर लगभग 75 मीटर दूर सुन्नी इंटर कॉलेज, **उत्तरः** प्रवेश द्वार पर मुख्य बिल्लोचपुरा बाजार की पक्की सड़क, **दक्षिणः** इदरीस का मकान	**31.01.2025** **19.04.2025** **रु. 5,54,594.71** एवं उसपर ब्याज

दिनांकः 22.04.2025 स्थानः लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025

राज्यपाल ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों का कक्षा 9 में कराया दाखिला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से राजभवन परिसर में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय, राजभवन के उन बच्चों, जिन्होंने कक्षा 8 उत्तीर्ण की है, का दाखिला कक्षा 9 में कराया गया है। इन सभी 12 बच्चों को राज्यपाल ने स्वयं स्कूल बैग और स्टेशनरी सामग्री प्रदान की। ये बच्चे ऐसे परिवारों से आते हैं, जिनके अभिभावक आर्थिक कठिनाइयों के कारण आगे की पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ थे। राज्यपाल ने व्यक्तिगत रुचि लेकर इन बच्चों के भविष्य को संवारने का कार्य किया और उन्हें पास के स्कूलों में कक्षा 9 में दाखिला दिलाया। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने उद्बोधन में सभी बच्चों को कक्षा 9 में प्रवेश पाने पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता बच्चों की मेहनत और उनके अध्यापकों के सही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। उन्होंने अध्यापकों की सराहना करते हुए कहा कि समाज निर्माण में अध्यापकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने बच्चों को आश्वस्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी उन्हें अनेक नई-नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिन्हें आत्मविश्वास, हिम्मत और कौशल से पार करना होगा। कठिनाइयाँ जीवन का हिस्सा हैं, और कोई भी सफलता अचानक नहीं मिलती, उसके पीछे गहन परिश्रम, समर्पण और धैर्य होता है। उन्होंने बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जीवन में कभी भी हार नहीं माननी चाहिए। परिस्थितियाँ चाहे जितनी भी विपरीत हों, यदि मन में सीखने की ललक और आगे बढ़ने का जज्बा हो, तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं।

मुसलमानों को वक्फ कानून से डरने की जरूरत नहीं: डा. इंद्रेश कुमार

- लखनऊ में हजारों मुसलमानों ने वक़्फ़ संशोधन कानून का समर्थन किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच उत्तर प्रदेश (मध्य क्षेत्र) की कार्यकर्ता बैठक का आयोजन सोमवार को प्रदेश की राजधानी लखनऊ के प्रेस क्लब में क्षेत्रीय संयोजक डा. शौकत भाई साहब और क्षेत्रीय संगठन संयोजक आलोक चतुर्वेदी के नेतृत्व में किया गया। जिसमें मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक डा. इन्द्रेश कुमार मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत मोहम्मद अबरार की कुरआन पाक की तिलावत से हुआ। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक सैयद रजा हुसैन रिज़वी ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया में कोई ऐसा मंच नही है जिसमें हर मसलक के लोग हैं मगर यह किसी की इबादत का तरीका नही बदलता है। बल्कि यह नेक बनो शिक्षित बनो और अपने ईमान में मुकम्मल बनने की दावत देता है । मोहम्मद अफजाल राष्ट्रीय संयोजक ने अपने सम्बोधन में कहा कि अल्लाह हमें सीधे रस्ते पे चलने की दावत देता है मगर हम सीधे रस्ते पे नही चलते हैं और परेशानी में मुब्तला हो जाते हैं। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक डॉ इंद्रेश कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत वासुदेव कुटुम्बकुम वाला देश है। हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं । हमारा दृष्टिकोण हमेशा से यह रहा है कि धर्म, जाति और सम्प्रदाय से उपर उठकर केवल इंसानियत की सेवा करें, हमें यह समझने की जरुरत है कि हम सभी इन्सान हैं, और इंसानियत सबसे बड़ी प्राथमिकता है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने यह सिद्ध कर दिया है कि हम किसी भी सामाजिक या धार्मिक बंधन से उपर उठकर, केवल मानवता की सेवा में विश्वास रखते हैं।

भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों से ठगी करने का आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर पद की आयोजित परीक्षा में अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले अभियुक्त विपिन कुमार यादव को चिनहट थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। यादव मूल रूप से ग्राम रामपुर भोडी, पोस्ट निभापुर, थाना मुंगराबादशाहपुर, जनपद जौनपुर का निवासी है और वर्तमान में डी 1-509 गोमती इन्क्लेव, अवध बिहार योजना, लखनऊ में रह रहा है। उसके कब्जे से एक लाख रुपए और फर्जी आधार कार्ड बरामद हुआ। एसटीएफ के अनुसार विपिन कुमार यादव वर्ष 2022 में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर नियुक्त हुआ था और वर्तमान समय में केकेसी कालेज, लखनऊ में नियुक्त है।

विगत काफी समय से प्रदेश में हो रही प्रतियोगी परीक्षाओं में सेंध लगाकर परीक्षाओं की सुचिता भंग करने का प्रयास शिक्षा माफिया द्वारा किए जाने की सूचना प्राप्त हो रही थी। जिसके सम्बन्ध में अलग-अलग परीक्षाओं के लिए पूर्व से अभिसूचना तंत्र को सक्रिय किया गया था।

पूछताछ पर अभियुक्त विपिन कुमार यादव ने बताया कि दो-तीन दिन पहले हुई असिस्टेंट प्रोफेसर की परीक्षा में लोगों को पास कराकर चयनित कराने के नाम पर लोगों से पैसे एवं उनका एडमिट कार्ड लिया है। उसने अनिल यादव के नाम से एक फर्जी आधार कार्ड बना रखा है और लोगों को यही नाम बताकर शिक्षा आयोग में सेवारत होने की बात बताता है, जिससे लोगों को आसानी से उसके बात पर विश्वास हो जाता हैं। उसके अन्य सहयोगियों के सम्बन्ध में छानबीन की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना चिनहट जनपद, लखनऊ में 112 (2), 318 (4), 319 (2), 336 (3), 338, 340 (2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

कर्मचारी संघ ने महापौर से मुलाकात कर जाना हालचाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महापौर का कुशलक्षेम जानने नगर निगम कर्मचारी संघ द्वारा हालचाल जानने उनके आवास पर मुलाकात की गयी। संघ द्वारा महापौर को जल्दी स्वास्थ्य लाभ मिले इसकी शुभकामनाएं दी गयी। साथ ही महापौर को आश्वस्त किया कि वे उनके साथ शहर के विकास और नागरिकों तथा कर्मचारियों की सेवा के लिए काम करेंगे। सोमवार को नगर निगम कर्मचारी संघ ने महापौर सुषमा खर्कवाल का हालचाल जानने और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करने के लिए उनसे मुलाकात की। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष व सदस्यों ने महापौर के नेतृत्व और उनके द्वारा शहर के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में शहर का विकास तेजी से हो रहा है। उन्होंने महापौर को आश्वस्त किया कि वे उनके साथ शहर के विकास और नागरिकों तथा कर्मचारियों की सेवा के लिए काम करेंगे। महापौर ने कर्मचारी संघ के आनंद वर्मा व राम अंचल महामंत्री के साथ साथ सदस्यों का आभार व्यक्त किया और उन्हें शहर के विकास के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

ठाकुरगंज में विरोध के बीच अवैध अपार्टमेंट पर गरजा बुलडोजर

- गोसाईंगंज में 5 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की गयी, चिनहट में एक अवैध व्यावसायिक निर्माण सील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए द्वारा ठाकुरगंज में कार्रवाई करते हुए पांच मंजिला अवैध अपार्टमेंट पर बुलडोजर चलाया गया। एलडीए की कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों द्वारा बिल्डर का पक्ष लेते हुए विरोध करने का प्रयास किया गया। लेकिन एलडीए की टीम द्वारा कार्रवाई जारी रखते हुए बिल्डिंग का काफी हिस्सा ध्वस्त कर दिया गया। उधर गोसाईंगंज में एक अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की गयीए जबकि चिनहट में एक अवैध व्यावसायिक निर्माण सील किया गया।

सोमवार को एलडीए ने ठाकुरगंज में बहुंमंजिला पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अवैध निर्माण व प्लाटिंग के खिलाफ सघन अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि बिल्डर सज्जाद व अन्य द्वारा मिर्जा अली खान मोहल्ले में लगभग 2000 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर अवैध रूप से पांच मंजिला अपार्टमेंट का निर्माण करवाया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे इस निर्माण कार्य के विरूद्ध विहित न्यायालय ने वाद दर्ज करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये थे।

सहायक अभियंता संजय शुक्ला, प्रवर्तन टीम ने प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करायी। इस बीच कुछ लोगों ने विरोध करते हुए कार्रवाई रोकने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस बल की उपस्थिति के चलते उन लोगों को पीछे हटना पड़ा। जोनल अधिकारी ने बताया कि अपार्टमेंट घनी आबादी के बीच बनाया जा रहा थाए जिसके अगल.बगल कई मकान बने हैं। इसके चलते पूरी संवेदनशीलता बरतते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करायी गयी। आसपास खुली दुकानों को बंद करवाकर जेसीबी के माध्यम से अवैध स्ट्रक्चर तोड़ा गया। कार्रवाई के दौरान बिल्डिंग के छज्जोंए दीवारों व स्लैब आदि को ध्वस्त कर दिया गया।

गोसाईंगंज में अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

प्रर्वतन जोन-2 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने बताया कि पंकज सिंह व राम रतन द्वारा गोसाईंगंज के चांद सराय में लगभग 5 बीघा क्षेत्रफल में प्लाटिंग का कार्य करते हुए अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही उक्त अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। प्रवर्तन टीम ने पुलिस बल के सहयोग से अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करायी। जिसमें डेवलपर द्वारा स्थल पर विकसित की गयी सड़क, नाली, बाउन्ड्रीवॉल, साइट ऑफिस आदि को ध्वस्त कर दिया।

चिनहट में अवैध व्यावसायिक निर्माण सील

प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि डॉ मनीष पटेल व अन्य द्वारा चिनहट के जुग्गौर में मां वैष्णों देवी एजुकेशनल लॉ कॉलेज के बगल में लगभग 500 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर अवैध रूप से व्यावसायिक कॉम्पलेक्स का निर्माण करवाया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे उक्त निर्माण कार्य को प्रवर्तन टीम द्वारा सील कर दिया गया।

सीएमओ ने सीएचसी बीकेटी सहित माल का किया निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन. बी. सिंह ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बक्शी का तालाब (बीकेटी) और माल का भ्रमण किया और वहां पर ओपीडी, लेबर रूम और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सीएचसी बीकेटी और माल दोनों में क्षेत्र के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों(सीएचओ) और एएनएम के साथ बैठक कर उनके कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सीएचओ और एएनएम को निर्देश दिए कि नए वित्तीय वर्ष में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जो भी लक्ष्य उन्हें दिए गए हैं उनको निर्धारित समय पर पूरा का करें। इसके साथ ही ई-कवच पोर्टल पर प्रतिदिन अपने कार्यों का विवरण भरें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दोनों सीएचसी के अधीक्षकों को हर सप्ताह हर सीएचओ और एएनएम के कार्यों की समीक्षा करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इससे हर आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर तैनात सीएचओ और एएनएम को कार्य करने में क्या समस्याएं आ रही हैं इसका समय से पता चल पाएगा तभी समय से उनका निस्तारण हो पाएगा ।

अयोध्या मेडिकल कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य की याचिका खारिज

विधि संवाददाता। लखनऊ

अयोध्या के राजर्षि दशरथ स्वायत्तशाषी मेडिकल कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य डा. ज्ञानेंद्र कुमार के खिलाफ जारी कार्य विरत आदेश व उप प्रधानाचार्य डा. सत्यजीत वर्मा को कार्यवाहक प्रधानाचार्य का कार्यभार देने संबंधी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने खारिज कर दी है।

जस्टिस राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने यह आदेश डा. ज्ञानेंद्र कुमार की ओर से दाखिल याचिका को खारिज करते हुए दिया है। डा. ज्ञानेंद्र ने प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा के 16 जनवरी 2025 के आदेश को चुनौती दी थी। जिसके तहत उन्हें कार्य से विरत किया गया था और उनके स्थान पर उप प्रधानाचार्य डा. सत्यजीत को चार्ज दिया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि प्रमुख सचिव को उक्त आदेश पारित करने का कोई अधिकार नहीं था।

वहीं याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि अयोध्या मेडिकल कॉलेज का चेयरमैन संबधित मंत्री होता है। वर्तमान में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक चेयरमैन हैं। उनके आदेश पर प्रमुख सचिव जो मेडिकल कॉलेज के वाइस चेयरमैन हैं, ने बीते 16 जनवरी को उक्त आदेश जारी किया। क्योंकि नियमों के तहत चेयरमैन का आदेश वाइस चेयरमैन अपने हस्ताक्षर से जारी करता है। एकल पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि इस मामले में राज्य सरकार की ओर से समुचित कागजात पेश नहीं किए गए बल्कि डा. सत्यजीत की ओर से पेश किया गया।

एसडीएम की पैरवी के बाद भी ट्राइसाइकिल के लिए तीन माह तक भटकता रहा दिव्यांग

संवाददाता। मोहनलालगंज

एसडीएम की पैरवी के बाद भी मोहनलालगंज में चलने फिरने में लाचार दिव्यांग को ट्राइसाइकिल के लिए तीन माह तक भटकना पड़ा। एडीओ के प्रयासों से बमुश्किल ट्राइसाइकिल नसीब हुई तो उसे घर तक लाने के लिए दिव्यांग को मासिक पेंशन खर्च करनी पड़ गई। जिसे लेकर परेशान रहे दिव्यांग ने सरकार से ब्लॉक स्तर पर सहायक उपकरण वितरण कराने की मांग की है।

मोहनलालगंज समेत राजधानी के अधिकांश ब्लॉक में पिछले वित्तीय वर्ष में जिला प्रशासन की ओर से दिव्यांगों को सहायक उपकरण नही वितरण किए गए। बल्कि अगस्त माह से ब्लॉक पर दिव्यांगो के लिए ट्राइसाइकिल समेत किसी तरह के सहायक उपकरण भेजे ही नही गए। मोहनलालगंज के दहियर गांव निवासी दिव्यांग मोहित कनौजिया की ट्राइसाइकिल काफी जर्जर हो गई। उसने ब्लॉक से लेकर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस तक ट्राइसाइकिल के लिए अधिकारियों से गुहार लगाई। लेकिन उसे कोई मदद नही मिल सकी। 17 जनवरी की रात तत्कालीन एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा दहियर गांव में कंबल वितरण करने पहुंचे। जहां दिव्यांग मोहित को कंबल वितरित करने के दौरान उसकी समस्या सुनकर एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने उसे ट्राइसाइकिल दिलाने का भरोसा दिया। एसडीएम ने एडीओ समाज कल्याण रिद्धिम द्विवेदी को दिव्यांग मोहित को ट्राइसाइकिल दिलाने के निर्देश दिए। एडीओ के तमाम प्रयासों के बावजूद चलने फिरने में लाचार मोहित को तीन माह तक ट्राइसाइकिल नही नसीब हो सकी। एडीओ की लगातार पैरवी के बाद दिव्यांग मोहित को ट्राइसाइकिल की पर्ची मिल सकी। मोहित ने बताया मोहान रोड से ट्राइसाइकिल मंगवाना उसके लिए भी काफी मुश्किल था। उसने होली पर मिली पेंशन की किश्त से एक हजार रुपए खर्च कर किराए पर पिकअप लोडर का इंतजाम किया तब जाकर 30 किलोमीटर दूर मोहान रोड जाकर वह ट्राइसाइकिल घर ला सका। दिव्यांग मोहित ने अपने जैसे अन्य लोगों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन और सरकार से ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर सहायक उपकरण के लिए रजिस्ट्रेशन और उपकरण वितरण शिविर आयोजित करने की पुरजोर मांग की है।

पिकअप लोडर की टक्कर से खेत जा रहे बुजुर्ग किसान की मौत

मोहनलालगंज। सिसेंडी इलाके में खेत जा रहे बुजुर्ग किसान को पिकअप लोडर ने टक्कर मार दी। हादसे में जख्मी बुजुर्ग को सीएचसी में मृत घोषित कर दिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। मोहनलालगंज के राधा कृष्ण खेड़ा निवासी बुजुर्ग मैकूलाल सोमवार की सुबह घर से खेत जा रहे थे तभी पिकअप लोडर ने मैकूलाल को टक्कर मार दी। हादसे में जख्मी मैकूलाल को परिजन सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक पिकअप लोडर को कब्जे में लेकर ड्राइवर को हिरासत में लिया गया है।

रेलवे ट्रैक पर शव मिलने से सनसनी: मोहनलालगंज के गौरा कॉलोनी में रेलवे ट्रैक पर सोमवार को अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम की तमाम कोशिशों के बावजूद शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने ट्रेन एक्सीडेंट में मौत की आशंका जताई। एसीपी रजनीश वर्मा के मुताबिक शव के शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

लेटलतीफी को लेकर प्रिंसिपल और टीचर में छिड़ी जंग, स्कूल में ताला लगाकर हंगामा

मोहनलालगंज। प्राइमरी स्कूल सिर्स में लेटलतीफी को लेकर प्रिंसिपल और टीचर में चल रही अनबन सोमवार को सड़क पर आ गई। शिकायत के बावजूद टीचर पर कार्रवाई नही होने का आरोप लगाकर प्रिंसिपल ने स्कूल में ताला लगा दिया। जिससे बच्चे काफी देर तक बाहर ही बैठे रहे। हालांकि ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद स्कूल का ताला खोल दिया गया। मामले में बीएसए ने प्रिंसिपल और टीचर दोनों को सस्पेंड कर दिया है। मोहनलालगंज के प्राइमरी स्कूल सिर्स में टीचर संध्या देवी और प्रिंसिपल रीना देवी में पिछले कुछ समय से लेटलतीफी को लेकर अनबन चल रही थी। प्रिंसिपल रीना देवी ने टीचर संध्या के अक्सर लेट आने की खण्ड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार से शिकायत भी की थी। प्रिंसिपल का आरोप है कि शिकायत से नाराज टीचर ने स्कूल आकर उपस्थिति रजिस्टर के पन्ने फाड़ दिए। सोमवार को प्रिंसिपल रीना देवी ने स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया। जिससे बच्चे काफी देर तक बाहर ही बैठे रहे। प्रिंसिपल ने मामले में वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। स्कूल में तालाबंदी की खबर फैलते ही हड़कंप मच गया। हालांकि कुछ जागरूक ग्रामीणों के समझाने पर स्कूल का गेट खोल दिया गया। लेकिन मौके पर पहुंचे खण्ड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार ने दोनों पक्षों को कड़ी फटकार लगाकर मामले की रिपोर्ट बीएसए को भेजी। बीएसए ने मामले में प्रिंसिपल रीना देवी और टीचर संध्या देवी को सस्पेंड कर जांच के आदेश दिए हैं। खण्ड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार ने बताया प्रिंसिपल ने टीचर के स्कूल लेट आने की शिकायत की थी जिसकी रिपोर्ट बीएसए को भेज दी गई थी। मामले में टीचर को शोकॉज नोटिस भी जारी किया गया है। गुस्से में आकर टीचर ने टीचर अटेंडेंस रजिस्टर के पेज फाड़ दिए।

कॅरियर में फॉसले का फर्क, एंटरटेनमेंट व कम्यूनिकेशन से लखनऊ की यारी

सतीश सिंह। लखनऊ

- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लोगों के बीच कम होता जा रहा है नियमित संवाद

कोरोना के समय से तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का दायरा बढ़ा है। नित्य नए आ रहे एआई से सम्बंधित गैजेट्स या अप्लीकेशन हर हाथ तक पहुंच तो गए हैं लेकिन कॅरियर या पढ़ाई में इसके फासले का फर्क अभी भी साफ दिख रहा है। एआई को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से किये गए शोध में इस बात का खुलासा हुआ है। शोध में पता चला कि एआई का जितना इस्तेमाल पुरुष या महिला वर्ग एंटरटेनमेंट व कम्यूनिकेशन के लिए कर रहा है, उतना पढ़ाई या कॅरियर के प्रति नही। वहीं एआई के चलते लोगों के बीच नियमित संवाद में कमी भी आ रही है।

कोविड से लेकर अब तक एआई का इस्तेमॉल लगातार बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2025 में सम्पन्न हुए महाकुंभ में तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए सरकार की तरफ से चैटबॉट आधारित एप लांच किया गया था। ऐसे में लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की तरफ से लखनऊवासियों के बीच एआई के इस्तेमॉल को लेकर किये गये शोध में सरकारी, गैरसरकारी शिक्षण संस्थाओं, वर्क फ्राम होम करने वाले, सरकारी विभागों व कारपोरेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों को शामिल किया गया। यहां तक कि शोध में गृहणी के तौर पर काम करने वाली महिलाओं को भी जगह देने के साथ ही मध्यम व मध्यम निम्न आय वर्ग में 15 से 30 वर्ष की आयु के लोगों को शामिल किया गया। जिनकी आय एक से 15 लाख रुपए वार्षिक थी। समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो डीआर साहू के निर्देशन में शोध छात्रा एशना वर्मा की तरफ से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और रोज़मर्रा ज़िंदगी की प्रवृत्तियाँ: लखनऊ शहर के युवाओं पर एक समाजशास्त्रीय अध्ययन नाम से किये गए शोध के दौरान देखा गया कि 21.3 फीसद युवा ही एआई एजुकेशन ले रहे हैं। चाहे वह वोकेशनल के रूप में हो या सेलेबस का हिस्सा हो। साइंस की अपेक्षा आर्ट्स स्टूडेंट में एआई के प्रति कम जागरूकता देखने को मिली। हालांकि इसके प्रति लोगों में उत्सुकता तो देखने को तो मिली पर पढ़ाई और कॅरियर बनाने में इसका इस्तेमाल कैसे किया जाय, इसके प्रति लोगों में जिज्ञासा का अभाव रहा। शोध के दौरान देखा गया कि सरकारी या गैरसरकारी में शामिल केवल कारपोरेट सेक्टर में वहीं एआई का इस्तेमाल हो रहा है, जहां किसी न किसी रूप में बाध्यता है।

यह संस्थान बने शोध का हिस्सा

शोध के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय, केजीएम, एकेटीयू, राजकीय ब्वॉयज और गर्ल्स कालेज, एमिटी यूनिवर्सिटी, बीबीडी, एसआरएम, बीएनसीईटी व एचसीएल सहित अन्य स्टार्टअप कंपनियों में काम करने वाले वर्किंग प्रोफेशनल्स को शामिल किया गया है।

शोध में शामिल होने वालों का प्रतिशत

संस्था	छात्रों की संख्या/कर्मचारी	प्रतिशत
यूनिवर्सिटी	137	33
स्कूल	109	28.3
वर्क फ्राम होम	90	23.4

किसी भी श्रेणी में न आने वाले 8.1 प्रतिशत थे।

गैजेट्स का इस्तेमाल करने वालों का प्रतिशत

एजुकेशन	17.4 प्रतिशत
एंटरटेनमेंट	14.9 प्रतिशत
कम्यूनिकेशन	13.34 प्रतिशत

62.6 फीसद लोग रेगुलेशन लाने के पक्ष में: शोध के दौरान 62.6 फीसद लोगों का मानना था कि एआई की विश्वसनीयता को बरकरार रखने के लिए सरकार को रेगुलेशन लाना चाहिए। 55 फीसद लोग निश्चित नही थे। वहीं 20.8 फीसद लोगों का कहना था कि इससे समानता बढ़ेगी। जबकि 23.4 फीसद लोगों का मानना था कि इससे समानता कम होगी। वही जब यह पूछा गया कि एआई पर कितना विश्वास करते हैं या यह गलतियां कर सकती है या नही, तो जवाब में 29.1 फीसद का मानना था कि गलतियां सम्भव है।

हर स्मार्टफोन धारक का एआई से कनेक्शन

लखनऊ में आज स्मार्टफोन का इस्तेमॉल करने वालों की आबादी 60 से 70 फीसद है। ऐसे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने वाले लोग किसी न किसी तरह से एआई की गिरफ्त में हैं। उदाहरण के तौर पर व्हाट्सएप हो या फिर फेसबुक इन पर मेटा एआई का वर्चस्व है। गूगल का अपना एआई है। चैट जीपीटी को तो आर्टिकल लिखने में महारत हासिल है। घरों में एलेक्सा, गूगल असिस्टेंट जैसे उपकरण एआई का हिस्सा है।

सरकारी में जानते तो हैं पर ऑफिशियल तौर पर नही करते इस्तेमाल: शोध के दौरान जब सरकारी कर्मियों से एआई के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वे जानते हैं, पर विभागीय कार्यों में इसका इस्तेमाल नही करते हैं। पर्सनल यूज करते हैं। वहीं कारपोरेट सेक्टर में कोडिंग, चैट जीपीटी का इस्तेमाल किये जाने की बात को लोगों ने स्वीकार किया।

सरकारी स्कूलों में इंग्लिश मीडियम तक एआई सीमित: शोध के दौरान पाया गया कि सरकारी स्कूलों में इंग्लिश मीडियम के बच्चे तो एआई के बारे में जानते हैं, पर हिंदी मीडियम के स्कूल इसकी पहुंच से दूर हैं। वही सीबीएसई सहित अन्य बोर्ड के स्कूलों में सिलेबस का हिस्सा होने से बच्चे इससे परिचित मिले। इनमें सीबीएसई के 53, आईएससी के 25, आईसीएसई के 14 और यूपी बोर्ड के 29 बच्चे शामिल किए गए थे।

जब भी कोई नई टेक्नोलॉजी आती है तो उसके प्रति उत्सुकता बढ़ जाती है। एआई को लेकर शहरों में जागरूकता तो है लेकिन गांवों में इसका प्रयोग एंटरटेनमेंट में हो रहा है। अभी यह संक्रमण के दौर से है। यूथ को जब इसकी उपयोगिता समझ में आ जायेगी, तो इसका प्रयोग स्वत: बढ़ जायेगा।

प्रो. डी.आर. साहू
विभाग प्रमुख समाजशास्त्र विभाग
लखनऊ विश्वविद्यालय

एआई के चलते रोजगार के अवसर कम होंगे: शोध के दौरान एआई के आने से रोजगार में कमी होगी या बढ़ोत्तरी, जब इस बारे में लोगों से पूछा गया तो 39.7 फीसद लोगों ने माना बढ़ोत्तरी होगी। वहीं 49.4 फीसद लोगों का मानना था कि रोजगार के अवसर कम होंगे।

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025

मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी आप : सौरभ भारद्वाज

पार्टी विधानसभा की तरह ही एमसीडी में भी एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगी : आतिशी

● कहा, पार्टी 25 होने वाले चुनाव में अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी, इसकी बड़ी वजह है बहुमत का भाजपा के पक्ष में होना है

राजधानी में प्रेसवार्ता को संबोधित करतीं पूर्व सीएम आतिशी और सौरभ भारद्वाज।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने नगर निगम के महापौर चुनाव से दूरी बना ली है। पार्टी ने सोमवार को ऐलान किया हे कि 25 अप्रैल को होनेवाले मेयर चुनाव अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय राजधानी में चार इंजन की सरकार चलाए और बिना बहाने बनाए अपने वादे पूरे करें। अब जलभराव, कूड़े के पहाड़, सड़कों-गलियों की साफ-सफाई, ट्रैफिक जाम, कानून व्यवस्था, हत्या, फिरौती व रेप की घटनाओं, टूटी सड़कों, बिजली, पानी का न आना या स्कूलों में फीस वृद्धि समेत सभी समस्याओं के लिए भाजपा जिम्मेदार है। दिल्ली वाले अपनी समस्याएं लेकर भाजपा के पास जाएं। उन्हें पूरा यकीन है कि एक महीने में भाजपा दिल्ली समेत देश में एक्सपोज हो जाएगी।

सौरभ भारद्वाज ने नेता प्रतिपक्ष आतिशी की मौजूदगी में सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आम आदमी पार्टी ने एक महत्वपूर्ण फैसला किया है कि इस बार दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव में अपना प्रत्याशी नहीं उतारेगी। भाजपा अपना मेयर बना ले। इसके बाद भाजपा अपनी स्टैंडिंग कमेटी बनाए और बिना किसी बहाने बनाए ट्रिपल इंजन की सरकार चलाए और लोगों को काम करके दिखाएं। हालांकि दिल्ली में भाजपा की चार इंजन इसलिए हो जाएगा कि केंद्र, राज्य और एमसीडी के अलावा एक इंजन एलजी का भी है, जो कभी रूक जाता है तो कभी चलता है।

आतिशी ने कहा कि भाजपा पूरे देश में जहां कहीं चुनाव हारती है, वहां साम, दाम, दंड, भेद अपना कर पिछले दरवाजे से सरकार बनाने की कोशिश करती है। सबने देखा है कि ऑपरेशन लोटस के जरिए गोवा, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र समेत देश भर में दूसरी पार्टियों को तोड़कर भाजपा सरकार बनाती है। इसके अलावा भाजपा ने गलत तरीके से एमसीडी में मेयर का चुनाव करवाने, गलत तरीके से एल्डरमैन से वोट डलवाने समेत अपनी हर संभव कोशिश की लेकिन उसकी कोई भी कोशिश सफल नहीं हुई। इसके बाद भी पिछले ढाई साल से भाजपा एक के बाद एक आम आदमी पार्टी के पार्षदों पर दबाव बनाकर, उनको डरा-धमका कर तोड़ा और अपनी पार्टी में शामिल करवाया। आम आदमी पार्टी इस तरह की राजनीति नहीं करती है। आम आदमी पार्टी जनता के जनादेश का सम्मान करती है। हम किसी भी विधायक या पार्षद को खरीदने-बेचने में विश्वास नहीं रखते हैं। आम आदमी पार्टी में इतनी तोड़फोड़ करने के बाद आज भाजपा एमसीडी के सदन में बहुमत में है। इसलिए आम आदमी पार्टी मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी।

भाजपा ने राजा इकबाल सिंह को बनाया महापौर प्रत्याशी

● पार्टी ने जय भगवान यादव को उपमहापौर पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया

महापौर पद के लिए नामांकन जमा करते राजा इकबाल सिंह। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद कमलजीत सहरावत भी मौजूद थीं। फोटो : रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम चुनाव से कुछ दिन पहले भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को सरदार राजा इकबाल सिंह को महापौर पद और जय भगवान यादव को उप महापौर पद के लिए अपना प्रत्याशी घोषित किया। यह घोषणा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने की। सचदेवा ने बताया कि दोनों प्रत्याशी सोमवार को दोपहर तक नामांकन दाखिल किया। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद योगेंद्र चंदोलिया, कमलजीत सेहरावत और वरिष्ठ पार्षद मौजूद थे।राजा इकबाल सिंह भाजपा के पिछले कार्यकाल में भी महापौर रह चुके हैं, जबकि जय भगवान यादव पार्टी के नगर निगम प्रकोष्ठ के वरिष्ठ नेता हैं। महापौर के लिए चुनाव 25 को होंगे।

कांग्रेस ने उतारे उम्मीदवार, आप पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम में 25 अप्रैल को होने वाले महापौर और उपमहापौर पद के चुनाव को लिए सोमवार को नामांकन का अंतिम दिन था। आम आदमी पार्टी, जो नगर निगम की सत्ताधारी पार्टी है, ने कोई उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारा वहीं वहीं कांग्रेस ने अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतार दिया है। कांग्रेस पार्टी से मनदीप सिंह ने महापौर और अरीबा खान ने उपमहापौर पद के लिए नामांकन दाखिल किया। मनदीप सिंह नांगलोई, वार्ड संख्या-47 से और अरीबा खान अबुल फजल एन्क्लेव, वार्ड संख्या-188 से पार्षद हैं।

इस मौके पर कांग्रेस पार्टी वरिष्ठ नेता व पार्षद नाजिया दानिश ने कहा कि आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आप दिल्ली नगर निगम की सत्ता को संभालने में पूरी तरह से साबित हुई है। उन्होंने कहा, वह जानते हैं कि हमारे पास बहुमत नहीं है, लेकिन जनता के प्रति हमारी जवाबदेही है। विपक्ष की भूमिका को हम सशक्त रूप से निभाना चाहते हैं, और इसी कारण कांग्रेस ने भाजपा के सामने अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

मुस्तफाबाद हादसा : एलजी ने दिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

चार मंजिला हादसे के बाद राहत बचाव में जुटी टीम। (फाइल फोटो)

● 15 दिनों के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दयालपुर में आवासीय इमारत ढहने की घटना के मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए। साथ ही दिल्ली नगर निगम को निरीक्षण के दौरान किसी भी तरह की चूक के लिए, फील्ड-स्तर के अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। एलजी ने स्पष्ट किया कि इमारत ढहने के कारणों के सभी तथ्यों की गहनता से जांच की जाएगी, घटना के लिए जिम्मेदार किसी भी तरह की कौताही को सामने लाया जाएगा, जिसकी वजह से यह घटना घटित हुई।

उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार, उत्तर पूर्वी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट को इसकी जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मजिस्ट्रेट को 15 दिनों के भीतर घटना की विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। 19 अप्रैल की सुबह घटी इस इस घटना के तुरंत बाद, सभी आपातकालीन सेवाओं ने पूरे समन्वय और मुस्तैदी के साथ काम किया। घटनास्थल पर बचाव कार्य अभी भी जारी है, जिसमें राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और दिल्ली अग्निशम नसेवा की टीमें इमारत का मलबा हटाने और मलबे में फंसे लोगों को तलाशने का काम कर रही हैं।

अधिकारी इमारत के ढहने के कारणों का पता लगा रहे हैं। शुरुआती जांच में इसके अनधिकृत निर्माण होने का अंदेशा जताया गया है।

इसके मद्देनजर, दिल्ली नगर निगम को इस दुखद घटना में शामिल किसी भी चूक के लिए, फील्ड स्तर के अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। जांच में इमारत ढहने की घटना के कारणों, इसके सभी प्रासंगिक तथ्यों और इसमें किसी भी तरह की चूक का पता लगाया जाएगा।

जांच में इमारत के निर्माण और इसकी देखरेख में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं की भी जवाबदेही तय की जाएगी।

अक्षरधाम मंदिर में उपराष्ट्रपति वेंस ने परिवार संग किए दर्शन

● पारंपरिक भारतीय परिधान में पत्नी उषा और बच्चों इवान, विवेक और मिराबेल के साथ चार घंटे मंदिर में बिताए

अक्षरधाम मंदिर में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सपरिवार दर्शन किया।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपनी भारत की यात्रा शुरू करने के तहत पत्नी उषा चिलुकुरी और तीन बच्चों के साथ सोमवार को दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए। भारत की चार दिवसीय यात्रा पर पहुंचे वेंस आगरा और जयपुर का भी भ्रमण कर सकते हैं। वेंस और उनका परिवार लगभग चार घंटे तक अक्षरधाम मंदिर में रहे। उनके तीन बच्चे इवान, विवेक और मिराबेल ने पारंपरिक भारतीय परिधान पहने थे।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने मंदिर की अतिथि पुस्तिका में लिखा, इस खूबसूरत जगह पर मुझे और मेरे परिवार का स्वागत करने के लिए आप सभी की मेहमाननवाज़ी और दयालुता का मैं शुक्रिया अदा करता हूं। भारत को इस बात का बहुत बड़ा श्रेय जाता है कि आपने बहुत ही सावधानी और सटीकता से एक सुंदर मंदिर बनाया है। खासतौर पर, मेरे बच्चों को यह बहुत पसंद आया। भगवान की कृपा बनी रहे। वेंस परिवार ने मंदिर के भव्य प्रांगण के बाहर मौजूद कैमरामैन से फोटो खिंचवाई। मंदिर के एक पुजारी ने मीडिया से बातचीत में कहा, उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया, जिसके बाद उन्होंने दर्शन किए। परिवार को लकड़ी का नक्काशीदार हाथी, अक्षरधाम मंदिर का मॉडल और बच्चों की किताबें उपहार में दी गईं। मंदिर की स्वयंसेवक मीरा सोंडागर ने बताया कि उपराष्ट्रपति को खासतौर पर गजेन्द्र पीठ बहुत पसंद आई। वह इसकी जटिल नक्काशी से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने कहा, उन्हें पूरे अक्षरधाम का भ्रमण करवाया गया और वे इस अनुभव से बहुत प्रभावित हुए। वेंस ने कहा कि उन्हें यहां आकर शांति मिली। अक्षरधाम मंदिर के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर वेंस के मंदिर दर्शन के संबंध में एक पोस्ट भी साझा की गई।

जगह-जगह लगा जाम

नई दिल्ली। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की यात्रा के चलते राजधानी में कई स्थानों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए जाने और मार्ग परिवर्तित किए के कारण जगह-जगह भारी जाम नजर आया। नोएडा और गाजियाबाद तथा हरियाणा के गुरुग्राम से दिल्ली में काम के लिए आने वाले यात्री यातायात जाम में देर तक फंस रहे।

तीन फैक्टरियों में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के लॉरेंस रोड औद्योगिक क्षेत्र में स्थित तीन फैक्टरियों में सोमवार सुबह आग लग गई जिसके बाद अधिकारियों ने दमकल की 20 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा। फैक्टरियों में आग लगने की इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ।

दमकल विभाग के अनुसार, सोमवार को एक फैक्टरी में कार्डबोर्ड पैकेजिंग सामग्री बनती थी, दूसरी में जूते और तीसरी फैक्टरी में मोजे बनते थे। लॉरेंस रोड के केपीएम इलाके में स्थित एक फैक्टरी में आग लगने की सूचना सुबह करीब सात बजकर 20 मिनट पर मिली। शुरू में दमकल की 14 गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। बाद में छह और गाड़ियां भेजी गईं। आग ने तीन फैक्टरियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

बाल तस्करी को लेकर स्थिति बद से बदतर होती जा रही है : सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली पुलिस को राष्ट्रीय राजधानी में बच्चों की तस्करी का गिरोह चलाने की एक आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए कदम उठाने का निर्देश देते हुए सोमवार को कहा कि स्थिति बद से बदतर होती प्रतीत हो रही है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने द्वारका क्षेत्र में कई नवजात शिशुओं की तस्करी के मामले की जांच का जिम्मा संभाल रहे दिल्ली पुलिस के एक निरीक्षक से बातचीत के दौरान यह टिप्पणियां कीं।

न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा, स्थिति बद से बदतर होती प्रतीत हो रही है। उन्होंने संबंधित पुलिस थाने को गिरोह की सरगना पूजा को गिरफ्तार करने और तीन लापता शिशुओं का पता लगाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। पीठ ने शिशुओं की तस्करी में माता-पिता की कथित संलिप्तता को गंभीरता से लेते हुए कहा, आपको पता नहीं होता कि ये बच्चे कहां पहुंचेंगे। आप जानते हैं कि ऐसी कोई बच्ची कहां पहुंचती है। न्यायाधीश ने कहा, दुर्भाग्य की बात यह है कि ऐसा लगता है कि माता-पिता ने ही अपने शिशुओं को बेचा। पीठ ने मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद के लिए स्थगित कर दी और पुलिस अधिकारी से उसे मामले में उठाए गए कदमों से अवगत कराने को कहा। पीठ ने कहा, आपको इन लापता बच्चों को किसी भी कीमत पर ढूंढना होगा और सरगना को गिरफ्तार करना होगा। दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे ने किया। शीर्ष अदालत ने 15 अप्रैल को एक अन्य मामले में अंतर-राज्यीय बाल तस्करी गिरोह के मुद्दे पर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया था।

दिल्ली दंगा : कपिल मिश्रा के खिलाफ सुनवाई 7 मई तक टली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा मामले में कानून मंत्री कपिल मिश्रा की कथित भूमिका की आगे की जांच पर रोक सोमवार को सात मई तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह आदेश तब पारित किया जब उन्हें सूचित किया गया कि नौ अप्रैल को कुछ प्रतिवादियों को अदालत द्वारा जारी नोटिस की तामील नहीं हो सकी।

मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ मंत्री द्वारा दायर आवेदन पर न्यायाधीश ने नौ अप्रैल को मिश्रा के खिलाफ जांच पर 21 अप्रैल तक रोक लगा दी थी। न्यायाधीश बावेजा ने नौ अप्रैल को इलियास और अन्य को नोटिस जारी किया और उन्हें 21 अप्रैल तक जवाब देने का निर्देश दिया था। मिश्रा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी. के. दुबे और दिल्ली पुलिस की ओर से विशेष लोक अभियोजक अमित प्रसाद पेश हुए।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) वैभव चौरसिया ने एक अप्रैल को कहा कि प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध का पता चलता है जिसकी जांच की जरूरत है। साथ ही यह भी कहा कि कपिल मिश्रा कथित अपराध के समय इलाके में मौजूद थे। आगे की जांच की जरूरत है।

भाजपा चलाएगी वक्फ बोर्ड एक्ट पर जागरूकता अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने प्रेसवार्ता में वक्फ संशोधन कानून को लेकर जागरूकता अभियान की जानकारी दी।

● जमाल सिद्दीकी बोले, पार्टी 5 मई तक देगी वक्फ संशोधन कानून की जानकारी

वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर घमासान मचा हुआ है। तमाम राजनीतिक दलों के साथ ही कई मुस्लिम संगठन इस कानून का विरोध कर केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं। इस बीच सोमवार को वक्फ संशोधन कानून को लेकर दिल्ली भाजपा कार्यालय में अहम बैठक हुई। इसमें राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल सहित सभी जिला अध्यक्ष और प्रभारी शामिल हुए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि वक्फ से जुड़ी जागरूकता को बढ़ाने के लिए मंडल स्तर पर जन जागरण अभियान चलाया जाएगा और लोगों को वक्फ बोर्ड की सही जानकारी दी जाएगी। जन जागरण अभियान 5 मई तक विभिन्न मंडलों में संचालित किया जाएगा। प्रत्येक मंडल में एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश स्तर का एक प्रवक्ता संबोधित करेगा।

जमाल सिद्दीकी ने मुस्लिम समाज को वक्फ संशोधन बिल से मिलने वाले लाभ के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 5 मई तक मंडल स्तर पर इस जन जागरण अभियान का आयोजन किया गया है ताकि विपक्ष द्वारा लोगों को वक्फ संशोधन बिल को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम को दूर किया जा सके। सिद्दीकी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार किसी भी हालत में वक्फ बोर्ड को कमजोर नहीं करना चाहती है बल्कि उसे लौह स्तंभ की तरह और मजबूत करना चाहती है जिसके लिए कुछ संशोधन किए गए है और जो देश के मुसलमानों को धैर्यपूर्ण समझने की आवश्यकता है।

इस बिल से देश के अनेकों राज्यों में भाजपा सरकार वक्फ प्रॉपर्टियों को कब्जे से मुक्त करवाएगी और गरीब, पिछड़े मुस्लिमों को उनका हक दिलवाने का काम करेगी।

संक्षिप्त समाचार

एआईसीटीई और एमआईसी का आईपी उत्सव

नई दिल्ली। नवाचार और बौद्धिक संपदा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) की ओर से 'आईपी उत्सव 2025' का आयोजन किया गया। एक सप्ताह तक चलने वाले इस राष्ट्रीय उत्सव का उद्देश्य आईपी अधिकारों व रचनात्मकता की रक्षा और नवाचार के व्यावसायीकरण में उनकी परिवर्तनकारी भूमिका के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करना है। आईपी उत्सव का उद्घाटन 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के लिए एक मंच तैयार करता है। यह 21 से 26 अप्रैल तक चलेगा जिसमें ऑनलाइन मास्टरक्लास, विशेषज्ञ वार्ता और इंटरैक्टिव ज्ञान सत्रों के माध्यम से देश भर के हजारों छात्र, संकाय सदस्य, नवप्रवर्तक और स्टार्टअप शामिल होंगे। आईपी उत्सव का उद्घाटन एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने किया।

सरकारी स्कूलों के छात्रों की जा रही अनदेखी : आतिशी

नई दिल्ली। जेईई मेन्स का परिणाम 19 अप्रैल को आ गया है, लेकिन अब तक यह नहीं बताया गया कि सरकारी स्कूलों के कितने बच्चों ने यह प्रतिष्ठित परीक्षा पास की है। विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने इसे बीजेपी सरकार की शर्मनाक बात बताई। उन्होंने कहा कि जब अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे, तब ऐसे बच्चों की सफलता को पूरे सम्मान के साथ मनाया जाता था और उन्हें हीरो की तरह पेश किया जाता था। आतिशी ने भाजपा और आप की सोच में फर्क बताते हुए कहा कि केजरीवाल हर सरकारी स्कूल के बच्चे की सफलता को अपना गर्व मानते थे। वो उनके सपनों को अपनी जिम्मेदारी मानते थे। लेकिन आज, बीजेपी के राज में न तो कोई इन बच्चों से सवाल करता है, न उन्हें सराहता है और न ही उनकी सफलता की चर्चा करता है।

कथक प्रस्तुति से ममता फरसैया ने किया मंत्रमुग्ध

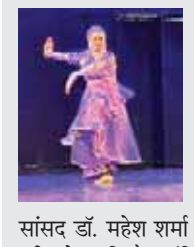

नई दिल्ली। राजधानी के इंडिया हैबिटैट सेंटर में आयोजित सांस्कृतिक संध्या 'मंच प्रवेश' के अवसर पर कथक नृत्यांगना ममता फरसैया ने अपनी पहली मंचीय प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ममता फरसैया सरस्वती सेन की शिष्या हैं। ममता की प्रस्तुति में शास्त्रीयता और परंपरा का विशेष रंग देखने को मिला। इस अवसर परपूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद डॉ. महेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया एसोसिएशन के चेयरमैन राजेश भारद्वाज समेत बड़ी संख्या में कलाकार और दर्शक मौजूद थे।

डीयू में वीसीआईएस योजना के तहत इंटर्नशिप करने का मौका

फाइल फोटो

● इच्छुक अभ्यर्थी डीएसडब्ल्यू की वेबसाईट पर जाकर 30 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं : प्रो. त्रिपाठी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय ने वाइस चांसलर इंटर्नशिप स्कीम के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह इंटर्नशिप योजना उन छात्रों के लिए एक बेहतरीन अवसर है, जो पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी हासिल करना चाहते हैं। ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के अंतर्गत चयनित छात्रों को दो माह के लिए 11,025 रुपये प्रति माह की पारितोषिक राशि (स्टाइपेण्ड) प्रदान की जाएगी।

इस संबंध में जानकारी देते हुए डीयू के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी ने बताया कि यह योजना दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह की दूरदर्शी एवं प्रेरणादायक पहल है, जिसका मकसद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें प्रशासनिक कार्यालय से संबद्ध कार्यों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। इस योजना से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय प्रशासन के विभिन्न प्रभागों एवं पदाधिकारियों के साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है, जिससे उनके कार्य-कौशल, नेतृत्व क्षमता एवं निर्णय-निर्माण योग्यताओं का बहुमुखी विकास होता है। यह योजना छात्रों की अभिरुचि एवं दक्षताओं के अनुरूप कार्य प्रदान कर उन्हें वास्तविक अनुभव दिलाने का माध्यम बनती है। साथ ही विद्यार्थियों के नवीन एवं रचनात्मक विचारों से प्रशासन भी लाभान्वित होता है।

इस योजना के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमित विद्यार्थी ही पात्र हैं।

स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं, परंतु अंतिम वर्ष के अंतिम सेमेस्टर में अध्ययनरत छात्र इस योजना हेतु अर्ह नहीं हैं। चयन की प्रक्रिया पूर्णत: निर्धारित मापदंडों एवं दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत नियमों के अनुसार की जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी डीएसडब्ल्यू की वेबसाईट पर जाकर 30 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

वीसी इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत दो प्रकार की इंटर्नशिप प्रस्तावित किए जाते हैं। एक आंशिककालिक रूप में, जिसमें विद्यार्थी अपनी नियमित कक्षाओं के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यों में सहभागी बनते हैं।

वहीं दूसरी ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, जिसमें जून एवं जुलाई मास में पूर्णकालिक इंटर्नशिप प्रदान किया जाता है। ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को दो माह के लिए 11,025 रुपये प्रति माह की पारितोषिक राशि प्रदान की जाती है।

प्रसव के दौरान हुई मौत के मामले में चार डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज

जिलाधिकारी ने अपर जिला जिलाधिकारी को जाँच सौंपी

शाहजहांपुर । प्राइवेट नर्सिंग होम में एक महिला की प्रसव के बाद हालत बिगड़ने पर मौत हो के बाद गुस्साए परिजनों ने रोड जाम कर कार्यवाही की मांग की। इस मौक़े पर परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया । मृतक के पिता ने जिलाधिकारी से मुलाक़ात कर कार्रवाई किए जाने की माँग की। जिसके बाद जींदं कोतवाली में पुलिस ने दम चार चिकित्सकों के खिलाफ़ मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी ।

परिजनों के आक्रोशित होने के बाद कई घण्टे बीत गए तब शहर कोतवाली पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर तीन नामजद व अज्ञात के खिलाफ़ केस दर्ज किया है।

दरअसल मोहनगंज बाड़ूजई के रहने वाले मुकेश आहूजा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 अप्रैल की रात 01 बजे बेटी चारु को वृजदीप नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जहाँ रात 02ण्40 पर ऑपरेशन से एक बेटी का जन्म हुआएजन्मी बेटी स्वस्थ थी लेकिन चारु की तबियत ठीक नही थी।ऑपरेशन के बाद चारु को प्राइवेट वार्ड में भर्ती करा दिया गयाएचारु को दिन भर शौच की समस्या बनी रही लेकिन डॉ दीपा सक्सेना ने कोई गौर नही किया।जब चारु की हालत गभीर हो गयी डॉ पाठकएडॉ पी के अग्रवाल व अन्य डॉक्टरों के साथ वेंटिलेटर पर रख दिया गया।रात 08 बजे चारु की मौत हो गयी जिसके बाद डॉ दीपा अग्रवाल उन्हें एम्बुलेंस से लेकर कमला नर्सिंग होम पहुँचीएपरिजनों ने साफ तौर पर डॉक्टरों की घोर लापरवाही का आरोप लगाया है।तो वहीं पिता मुकेश आहूजा ने डॉ दीपा सक्सेनाएडॉ पाठकएडॉ पी के अग्रवाल व अन्य डॉक्टर पर धारा 106;1द्ध बीएनएसएस के तहत मुकदमा दर्ज किया

वहीं इस मामले में जिलाधिकारी से मृतका के परिवार गुहार लगायी थी । परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ़ कार्रवाई किए जाने की माँग की थी । जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने इस मामले में अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार कुमार सिंह को जाँच के आदेश दिए हैं।

चिकित्सा विभाग की कई इकाइयों का किया निरीक्षण

मीरजापुर। स्वास्थ्य विभाग ओर से चिकित्सा इकाईयों का निरीक्षण किया गया। इस आशय की जानकारी अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ मुकेश ने दी।निरीक्षण के समय मण्डलीय जिला चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डा0 एसण् केण् श्रीवास्तवए जिला महिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 एलण् एसण् सिंह एवं डा0 मुकेश कुमारए उप मुख्य चिकित्सा अधिकारीए डा0 अवधेश कुमार सिंहए उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। 100 बेडेड एमसीएच विंग मीरजापुर अपरान्ह 12ण्25 बजे उक्त चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया। चिकित्सालय में अग्नि सुरक्षा के उपाय हेतु भूतल पर 04 थ्पतम म्गजपदहनपेीमत स्थापित पाया गयाए जो कि क्रियाशील पाया गय हाइड्रेण्ट तथा स्प्रिंकलर स्थापित एवं क्रियाशील पाया गया। फायर एलार्म सिस्टम भी स्थापित पाया गयाए परन्तु तकनीकी कमियों के कारण क्रियाशील नहीं था। चिकित्सालय में अग्नि सुरक्षा एवं विद्युत सुरक्षा के एनण्ओण्सीण् हेतु सम्बन्धित विभागों में आवेदन किया गया है।

चिकित्सालय के प्रत्येक तल पर स्मोक डिटेक्टर लगा हुआ पाया गया। चिकित्सालय में कुल 16 थ्पतम म्गजपदहनपेीमत लगा हुआ पाया गयाए जो कि क्रियाशील है। चिकित्सालय के किसी भी स्थान पर थ्पतम म्गपज का कोई साइनेज बोर्ड नहीं लगा थाण् निर्देशित किया गया कि चिकित्सालय में थ्पतम म्गपज प्लान तैयार करते हुये साइनेज बोर्ड लगवाने के सम्बन्ध में तत्काल आवश्यक कार्यवाही की जाये। फायर सेफ्टी आडिटए विद्युत सुरक्षा आडिट के सम्बन्ध में चिकित्सालय में एक नोडल अधिकारी नामित किया जायेए जिसका दायित्व होगा कि चिकित्सालय में अग्नि सुरक्षा हेतु सभी सावधानियों सुनिश्चित करेए जिससे कोई आग की घटना न होने पाये तथा जान और माल का कम से कम नुकसान हो। नोडल अधिकारी विद्युत सुरक्षा विभाग के अधिकारियों और सम्बन्धित तकनीकी अधिकारियों के साथ मिलकर चिकित्सालय में विद्युत सुरक्षा के समस्त उपायोंए सुधारात्मक कार्यवाही एवं कमियों को नियत्रित करेंगे। नोडल अधिकारी चिकित्सालय के कर्मियों को फायर सुरक्षा के सम्बन्ध में प्रशिक्षण प्रदान करेंगे एवं सम्बन्धित विभाग से सम्पर्क कर माकड्रिल आदि की व्यवस्था करायेंगे एवं फायर सेफ्टी आडिटए विद्युत सुरक्षा आडिट से सम्बन्धित अभिलेखों को सुरक्षित रखेंगे। चिकित्सालय में दो जेनरेटर 62ण्5 केवीए 125 केवी का लगा हुआ है।

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान में हुई खेलकूद प्रतियोगिता

गाजीपुर। जनपद में पूर्वोत्तर रेलवे के क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान में 07 अप्रैलए2025 से 21 अप्रैलए2025 तक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के 4 खेलों ;बैडमिंटन एकल पुरुषए बैडमिंटन डबल पुरुषए बैडमिंटन एकल स्टाफए कैरमए शतरंज एवं 100 मीटर दौड़द्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 88 प्रशिक्षणार्थियों द्वारा बढ़ चढ़ कर भाग लिया गया। प्रधानाचार्य संजय कुमार राय द्वारा इन खेलों के प्रथमए द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया। 100 मीटर दौड़ में प्रथमए द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः अविनाश कुमारए रविकांत एवं आदर्श कुमार। शतरंज में प्रथमए द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः विवेक सिंहए अनिमेष सिंह एवं नितिन कुमार। कैरम में प्रथमए द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः अमित दुबेए राजेश त्रिपाठी एवं बबलू तिवारी। बैडमिंटन ;एकलद्ध में प्रथमए द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः संजीत कुमारए अमित दुबे एवं राजू कुमार। बैडमिंटन ;एकल स्टाफद्ध में प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार क्रमशः रोशन कुमार एवं सत्येन्द्र कुमार। बैडमिंटन ;डबलद्ध में प्रथमए द्वितीय व तृतीय पुरस्कार क्रमशः अमित दुबे और संजीत कुमारए संजय कुमार और छविरामए व बबलू कुमार और पवन ने प्राप्त किया। प्रधानाचार्य श्री एस के राय द्वारा खेल कूद प्रतियोगियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ट्राफी प्रदान कर एवं अन्य को सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। क्षेत्रिय रेल प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य की अध्यक्षता एवं खेल सचिव पूर्णेंदु कुमार के नेतृत्त्व मंत उक्त खेल प्रतियोगिता में पांच तरह के खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें बैडमिंटन एकल पुरुषए बैडमिंटन डबल पुरुषए चेस;शतरंजद्धए कैरम तथा 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षुओं ने बढ़.चढ़ कर प्रतिभाग किया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की समसेमेस्टर परीक्षा हुई शुरू-केंद्र बना पीजी कॉलेज

गाजीपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालयए जौनपुर में सम सेमेस्टर ;व्ककै मउमेजमतद्ध की कलाए विज्ञान और वाणिज्य संकाय की परीक्षाएं आजए सोमवार 21 अप्रैल से शुरू हो गई हैं। इन परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैंए जिसमें पीजी कॉलेज को भी एक प्रमुख परीक्षा केंद्र के रूप में शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि परीक्षाओं को पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। सम सेमेस्टर परीक्षा के पहले दिन पहले पाली में द्वितीय सेमेस्टर उर्दू की परीक्षा हुई। जिसमें समस्त परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में चतुर्थ सेमेस्टर में संस्कृत की परीक्षा हुईए जिसमें की एक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा कुल 22 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। वहीं तीसरे पाली में छठवें सेमेस्टर की हुई परीक्षा में वाणिज्य और रसायन शास्त्र की परीक्षा हुई। जिसमें कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 533 थी। एक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा इस तरीके से 532 परीक्षा थी परीक्षा में शामिल हुए। पी0 जी0 कालेज के प्राचार्यध् केन्द्राध्यक्ष प्रोफेसर ;डॉ0द्ध राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार परीक्षाओं के आयोजन में किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरेए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और उचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि छात्रों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर समय.सारिणी पहले ही जारी कर दी गई थीए और सभी केंद्रों पर पेयजलए बिजली और बैठने की उचित व्यवस्था की गई है। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों में उत्साह देखा गया। कालेज प्रशासन ने छात्रों से अपील की है कि वे नकल या अनुचित साधनों से बचें और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें। परीक्षाएं अगले कुछ सप्ताह तक विभिन्न चरणों में आयोजित की जाएंगी। प्राचार्य प्रोफेसर पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन का लक्ष्य निर्धारित समय पर परिणाम घोषित करना है।

राज्यमंत्री ने हरी झण्डी दिखा एम्बुलेंस को किया रवाना

सोनभद्र। प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में 108 डायल की 15 एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया, इस दौरान राज्यमंत्री ने एक एडवांस लाइव सपोर्ट सिस्टम एम्बुलेंस को भी हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया, इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 अश्वनी कुमार अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें। इस दौरान राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड ने कहा कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से 108 डायल नम्बर की कुल 21 एम्बुलेंस रिप्लेश के रूप में अब तक जनपद को प्राप्त हुई हैं। जिसमें से आज 15 एम्बुलेंस व एक एडवांस लाइव सपोर्ट सिस्टम की एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया, जनपद में रिप्लेस के रूप में प्राप्त एम्बुलेंसों से जनपद में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होगीं और लोगों को समुचित ईलाज की सुविधा समय से उपलब्ध हो सकेंगी।

राज्यमंत्री ने विकास कार्यों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा

अंबेडकर नगर। राज्य मंत्री ;स्वतंत्र प्रभार द्धखेल एवं युवा कल्याण उत्तर प्रदेशएप्रभारी मंत्री अंबेडकर नगर गिरीश चंद यादव ने कलेक्ट्रेट सभागार में शासन के प्राथमिकता कार्यक्रमोंए निर्माण कार्यों ;सड़कों को छोड़करद्ध एवं कानून व्यवस्था की गहन समीक्षा की। बैठक के दौरान मंत्री ने मुख्यमंत्री आवास योजनाए प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीणए स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माणए सामुदायिक शौचालयए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधिए पेंशनए निराश्रित गोवंशों के संरक्षणए ऑपरेशन कायाकल्पए छात्रवृत्ति योजना सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभागए कृषिए पशुपालन विभागए शिक्षाए मत्स्य एपंचायती राजए ग्राम विकासए उर्जाए उद्यानए पर्यटनए समाज कल्याणए सूक्ष्म लघु एवं मध्यम आदि विभागों द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की विभागवार एवं योजनावार समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि सीण् एम ण्युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अंतर्गत युवाओं को स्वरोजगार हेतु ऋण वितरण में जनपद अंबेडकरनगर प्रदेश में प्रथम रैंक एवं आवेदन स्वीकृत में द्वितीय रैंक पर है।फार्मर रजिस्ट्री में जनपद प्रदेश में शीर्ष पांच जनपदों की रैंकिंग में शामिल है। इसी प्रकार जनपद अंबेडकर नगर सीएम डैशबोर्ड की ओवरऑल ;विकास कार्य एवं राजस्वद्ध रैंकिंग में प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और आपके प्रेरणादाई नेतृत्व में जनपद अंबेडकर नगर निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। समीक्षा के दौरान मंत्री ने अधीक्षण अभियंता विद्युत को जनपद में रोस्टर के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। किसान सम्मान निधि के प्रत्येक पात्र किसान को योजना से लाभान्वित करनेए दैवीय आपदा यथा आग आदि से प्रभावित किसानों ध्नागरिकों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद के प्रगतिशील कृषकों की सक्सेस स्टोरी बनाने और अन्य कृषकों को उससे प्रेरित करने तथा कृषि योजनाओ का व्यापक प्रचार प्रसार करने को कहा।

उन्होंने कहा कि ग्राम्य विकास विभाग के नए शासनादेश के अनुरूप कुष्ठ रोगियोंए दिव्यांगोंए 40 वर्ष से कम उम्र विधवा आदि सहित नियमानुसार पात्रों को आवास योजना से लाभान्वित किया जाए। इस दौरान अवगत कराना है कि जनपद में प्रत्येक कुष्ठ रोगी को नियमानुसार आवास उपलब्ध कराया गया है। बैठक में प्रभारी मंत्री ने जिलाधिकारी को कमेटी बनाकर प्रत्येक माह रेंडमली एंबुलेंस की चेकिंग करने तथा एंबुलेंस में सभी उपकरणों की क्रियाशीलता एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जल जीवन मिशन के हर घर जल योजना के कार्यों को गति देने हेतु मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी का गठन कर नियमित फील्ड विजिट करने और प्रत्येक माह कार्यों के प्रगति एवं गुणवत्ता की निगरानी करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के मंशानुसार प्रत्येक विकासखंड में बृहद गौ आश्रय स्थल बनाए जाने के दृष्टिगत अवशेष विकास खण्डों में भी स्थल का चयन कर बृहद गो आश्रय स्थल बनाने का प्रस्ताव भेजने तथा प्रत्येक आवारा पशुओं को गो आश्रय स्थलों में संरक्षित किया जाए। हर विकासखंड में मिनी स्टेडियम बनाए जाने का प्रस्तावित शासन को भेजा जाए। उन्होंने किसानों के जरूरत के अनुरूप सभी नहरोंए माइनरोंए रजवाहों में टेल तक पानी की पहुंच समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मंत्री ने सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच प्रत्येक पात्र नागरिक तक सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वास जताया कि जिला प्रशासन टीम भावना से कार्य करेगीए जिससे हर कल्याणकारी योजना का लाभ प्रत्येक पात्र तक पहुंचेगा और जनता खुशहाल होगी।

प्रभारी मंत्री ने निर्माणाधीन सेटेलाइट बस अड्डे का गहन निरीक्षण किया

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर के प्रभारी मंत्री श्री नरेंद्र कश्यप द्वारा निर्माणाधीन सैटलाइट बस अड्डे का निरीक्षण किया गया। परियोजना प्रबंधक द्वारा अवगत कराया गया कि बस अड्डे की स्वीकृत लागत ?1248ण्51 लाख है। मुख्य भवन में रेनवाटर हार्वेस्टिंगए यूजी टैंकए टॉयलेट ब्लॉकए इलेक्ट्रॉनिक बस स्टेशन एवं कमर्शियल हॉल का निर्माण किया जा रहा हैए जिसकी भौतिक प्रगति 80 प्रतिशत पूर्ण हो चुकी है। मुख्य भवन का स्ट्रक्चर कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रत्येक तल पर फायर फाइटिंगए प्लंबिंगए फॉल्स सीलिंगए फ्लोरिंग तथा इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन स्ट्रक्चर का कार्य पूरा किया जा चुका है। वर्तमान में फिनिशिंग कार्य एवं बाह्य स्थल का विकास प्रगति पर है। कार्य की धीमी प्रगति पर मंत्री जी ने कार्यदायी संस्था को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शेष कार्यों को शीघ्रता से एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। मंत्री जी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान महापौर अर्चना वर्माए एमएलसी डॉण् सुधीर गुप्ताए जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष डीसीएस राठौरएनगर आयुक्त डॉण् विपिन कुमार मिश्रए अपर जिलाधिकारी ;वित्त एवं राजस्वद्ध अरविंद कुमारए नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

पुलिस चेकिंग में हुई महिला की मौत एसपी ने जाँच के आदेश दिए

शाहजहांपुर । जिले में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मी द्वारा कथित रूप से बाइक सवार को डंडा मारने के बाद बाइक से गिरी महिला की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई इस दौरान गुस्साए ग्रामीणों ने रोड पर जाम लगा दिया। वही सोशल मीडिया पर तिलहर क्षेत्र की भाजपा विधायक सलोना कुशवाहा का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह पुलिसकर्मियों पर नाराजगी दिखाई हुई कह रही हैं की ष्शादी विवाह का सीजन चल रहा है ऐसे में रोज.रोज चेकिंग न करने के लिए मैंने मना किया थाष

पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने सोमवार को बताया कि थाना निगोही अंतर्गत धूलिया मोड़ के पास पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी रविवार शाम कल्याणपुर निवासी प्रदीप अपनी पत्नी के साथ बारात में शामिल होने जा रहे थे आरोप है कि दौरान पुलिसकर्मी ने बाइक पर डंडा मार दिया।उन्होंने बताया कि जिसके चलते बाइक का संतुलन बिगड़ गया और उस पर बैठी प्रदीप की पत्नी अमरावती ;34द्ध गिर गई और पीछे चल रहे डंपर से दबकर उनकी मौत हो गई।इधर घटना के बाद ग्रामीणों ने रोड पर जाम लगा दिया जो रात में 2रू बजे प्रशासन तथा पुलिस अधिकारियों ने खत्म कराया। वहीं विधायक सलोना कुशवाहा ने सोमवार को बताया कि पुलिस पूरे दिन खड़े होकर बाहन चेकिंग करती है ऐसे में क्षेत्रीय लोग बार.बार निकलते हैं जिन्हें डराए और उनसे नरमी से पेश आएए हां उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रहा है।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूरे मामले में जांच पुलिस अधीक्षक ;नगरद्ध देवेंद्र कुमार को सौंपी गई है मामले में निगोही थाना के उप निरीक्षक ऋषिपाल तथा डंपर चालक के विरुद्ध रिपोर्ट भारतीय न्याय संहिता की धारा 304 ;एद्ध के तहत दर्ज कर ली गई है पुलिस मामले की जांच कर रही है।पुलिस ने मृतक महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विकास खण्ड पुवायां परिसर में सोशल सेक्टर के कैम्प का आयोजन किया जायेगा। सोशल सेक्टर के समस्त अधिकारीगण कैम्प में समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित रहेगें। क्षेत्र के सभी सम्मानित ग्राम प्रधानों को सूचित किया जाता है कि पेंशन योजना से सम्बन्धित आनलाइन आवेदन करने हेतु आवेदक के पास आय प्रमाण पत्रए आधार कार्डए बैंक पास बुक एवं मोबाइल नम्बर उपलब्ध हो ताकि मौके पर ही आनलाइन आवेदन कराया जा सकें।

सोशल सत्र के कैम्प का आयोजन

शाहजहांपुर । विकास खण्ड पुवायां परिसर में सोशल सेक्टर के कैम्प का आयोजन किया जायेगा। सोशल सेक्टर के समस्त अधिकारीगण कैम्प में समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित रहेगें। क्षेत्र के सभी सम्मानित ग्राम प्रधानों को सूचित किया जाता है कि पेंशन योजना से सम्बन्धित आनलाइन आवेदन करने हेतु आवेदक के पास आय प्रमाण पत्रए आधार कार्डए बैंक पास बुक एवं मोबाइल नम्बर उपलब्ध हो ताकि मौके पर ही आनलाइन आवेदन कराया जा सकें। किसी भी पेंशनर की पेंशन में आधार प्रमाणीकरण नही है तो आधार कार्ड के साथ उपस्थित हो ताकि पेंशन में आधार प्रमाणीकरण कराया जा सकें। सोशल सेक्टर द्वारा संचालित अन्य योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनाए आनलाइन शादी अनुदान योजनाए कन्या सुमंगला योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकतें है।

हमारे अतिथि हैं देश भर से आए खिलाड़ी: डीएम

अंबेडकर नगर।राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन प्रथम पाली के खेल के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अविनाश सिंह रहे उत्तराखंड और मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमे इस बात की खुशी है कि हमे देश भर के खिलाड़ियों का स्वागत करने का मौका मिलाएवो आज बहुत सौभाग्यशाली होते हैं जिन्हें ऐसे मौके मिलते हैं केंद्र और प्रदेश की सरकार खेल के उत्थान के लिए दिन रात्रि कार्य कर रही है यही कारण है कि खेल की दिशा और दशा में लगातार सुधार हो रहा हैएकार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे यूपी हैंडबॉल संघ के महासचिव डा आनंदेश्वर पांडे ने कहा यह ओलंपिक का सबसे तेज खेले जाने वाला खेल है जिसकी दुनिया में लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही हैएसोमवार प्रात: कालीन संपन्न हुए खेल में

अपर जिलाधिकारी वित्त और राजस्व सदानंद गुप्ता ने दिल्ली और महाराष्ट्र की टीम से परिचय प्राप्त किया तथा अपर जिलाधिकारी न्यायिक रंजीत सिंह ने आंध्र प्रदेश और झारखंड की टीम से परिचय प्राप्त किया तथा उप जिलाधिकारी अकबरपुर अरविंद त्रिपाठी ने हरियाणा तथा गोल्डन इगल टीम से परिचय प्राप्त किया खिलाड़ियों और दशकों में काफी उत्साह रहा कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव डा हनुमान प्रताप सिंह ने खेल कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत किया

चैंपियनशिप के दूसरे दिन पहला मैच दिल्ली और महाराष्ट्र के बीच खेला गया जिसमें दिल्ली ने महाराष्ट्र को 14.10 से पराजित किया। इसमें दिल्ली की तरफ से सर्वाधिक 4 गोल किये वहीं महाराष्ट्र की तरफ से तुषार परदेशी ने 3 गोल किये।दूसरा मैच श्यामा हैंडबॉल एकेडमी और तमिलनाडु के बीच खेला गया जिसमें श्यामा हैंडबॉल एकेडमी ने तमिलनाडु को 17.15 से पराजित किया जिसमें श्यामा हैंडबॉल एकेडमी के तरफ से अनीश यादव ने सर्वाधिक 4 गोल एवं तमिलनाडु की तरफ से एम सिंथिल कुमार ने भी 4 गोल किये। तीसरा मैच हरियाणा एवं गोल्डन ईगल के बीच खेला गया जिसमें हरियाणा ने 18.13 के कड़े अंतर से पराजित किया। इसमें गोल्ड़न ईगल की तरफसे पंकज ने अकेले 7 गोल किये वही जीती हुई टीम की तरफ से राहुल ने 4 गोल किये।उसके बाद पश्चिम बंगाल ने असम को 22.11 के अंतर से पराजित किया जिसमें पश्चिम बंगाल की तरफ से रमन ने अकेले सर्वाधिक 10 गोल किये वही असम की तरफसे करन ने 3 गोल किये। फिर बिहार और छत्तीसगढ़ के बीच मैच खेला गया जिसमें बिहार ने 20.9 के अंतर से छत्तीसगढ़ को पराजित किया। इसमें बिहार की तरफसे शिवा ने अकेले 8 गोल किये एवं छत्तीसगढ़ की तरफसे लोकेश पटेल ने 3 गोल किया। छठा मैच मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के बीच खेला जिसमें उत्तराखंड ने 14.7 के अंतर से मध्य प्रदेश को पराजित किया।इस दौरान यूपी हैंडबॉल संघ के आर्गनाइजिंग सेक्रेट्री अमित पांडे भी मौजूद रहे

अभियान चलाकर हटाए जाएं अवैध होर्डिंग्स, बैनर व बोर्ड

सोनभद्र। आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल मीरजापुर बालकृष्ण त्रिपाठी के निर्देशन व जिलाधिकारी के नेतृत्व में जनपद के सभी नगरीय निकायों में अधिशासी अधिकारी द्वारा अभियान चलाकर अवैध होर्डिंग्स बैनर विज्ञापन बोर्ड आदि को हटाया जा रहा है। अवैध होर्डिंग्स बैनर विज्ञापन बोर्ड हटाये जाने को लेकर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि चट्टी-चौराहों फुटपाथ और डिवाइडर पर लगे साइनेज को भी हटाये जाये तेज हवा आंधी तूफान में होर्डिंग व विज्ञापन बोर्ड आदि के गिरने से जान माल की सुरक्षा व अतिक्रमण मुक्त के दृष्टिगत भी उन्हें हटाया जा रहा है, संबंधित नगरीय निकाय कार्यालय में निर्धारित शुल्क व अनुमति लेने के बाद ही निर्धारित स्थलों पर ही होर्डिंग बैनर विज्ञापन बोर्ड लगाया जाए। जो भी व्यक्ति दुकानें फर्म बिना अनुमति के सार्वजनिक स्थलों पर होर्डिंग बैनर विज्ञापन बोर्ड लगाए हैं उन्हें स्वयं तत्काल हटा लें अन्यथा नगरीय निकाय टीम द्वारा लगी प्रचार सामग्री जब्त करते हुई बिना अनुमति लगाने पर जुर्माना भी वसूल करेगी।

प्रतिभा की प्रतीक
गीता एवं नाट्यशास्त्र

भारतीय प्रतिभा की प्राचीन प्रतीक भगवद्गीता एवं नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में दर्ज किया गया है। भारत की सभ्यतामूलक प्रतिभा को स्वीकृति देते हुए उसकी दो सर्वाधिक महत्वपूर्ण रचनाओं- 'श्रीमद्भगवद्गीता' तथा 'भरत मुनि के नाट्यशास्त्र' को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में दर्ज किया गया है। इस घोषणा का पूरे देश में स्वागत हुआ है और खुशी की लहर दौड़ गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे 'दुनिया भर में रहने वाले हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण' बताया है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, 'गीता एवं नाट्यशास्त्र का यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल होना हमारे अनादि विवेक और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति है।' प्राचीन काल से भगवद्गीता को मानव मूल्यों, जीवन दर्शन तथा अन्य आयामों में दुनिया का महानतम ज्ञान माना गया है। यह महाकाव्य 'महाभारत' का अंग है तथा भारतीय दर्शन 'सांख्य योग' पर आधारित है। इन नवीनतम समावेशों से यूनेस्को के सम्मानित विश्व स्मृति रजिस्टर में भारत की कुल 14 चीजें शामिल हुई हैं। इससे वैश्विक ज्ञान, कलात्मक प्रतिभा तथा आध्यात्मिक विरासत में हमारा स्थान और मजबूत हुआ है। श्रीमद्भगवद्गीता भगवान कृष्ण एवं अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि में 700 श्लोकों का संवाद है जो धर्म और इतिहास की सीमायें पार करता है। इसमें सारी दुनिया में मनुष्यों की स्थिति का वर्णन करते हुए कर्तव्य, कार्य, नैतिकता एवं आत्माभिव्यक्ति के बारे में भ्रम दूर किए गए हैं।

हजारों साल से गीता विचारकों, स्वतंत्रता सेनानियों व आध्यात्मिक अन्वेषकों के लिए प्रकाश की किरण रही है जिनमें महात्मा गांधी से लेकर एल्बर्ट आइन्स्टीन तक शामिल हैं। 'धर्म', 'कर्म' और 'भक्ति' के दर्शन पर आधारित गीता हमें कर्म का साहस तथा विचारों की स्पष्टता देती है और विभिन्न संस्कृतियों तथा महाद्वीपों के लोगों को आकर्षित करती है। भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को समान रूप से वैश्विक स्वीकृति प्रशंसनीय है जो 2,000 साल पुरानी संस्कृत त्रयी है। यह भारतीय शास्त्रीय नृत्य, संगीत एवं रंगमंच का आधार तैयार करते हुए न केवल सौंदर्यात्मक सिद्धान्तों, बल्कि अभिव्यक्ति, भावनाओं और सांस्कृतिक कथा वाचन का दर्शन है।

केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सबसे पहले इस खबर की घोषणा करते हुए इसे 'भारत की सभ्यतामूलक विरासत का ऐतिहासिक क्षण' बताया। उन्होंने कहा, 'ये अनादि रचनायें साहित्यिक भंडार से अधिक ऐसा दार्शनिक और सौंदर्यमूलक आधार हैं जिन्होंने दुनिया के प्रति भारत के दृष्टिकोण तथा हमारे सोचने, अनुभव करने, जीवन जीने तथा अभिव्यक्ति के तरीके को परिभाषित किया है।' भारत की बौद्धिक व दार्शनिक परंपरा लंबे समय से मानवजाति के लिए प्रकाश स्तंभ रही है। 'उपनिषदों' की आध्यात्मिक गहराई से लेकर आयुर्वेद के वैज्ञानिक विचार तथा शास्त्रीय साहित्य की कलात्मक प्रतिभा तक भारतीय विचारों ने हमेशा सामंजस्य, आत्मावलोकन तथा ब्रह्मांड से संबंध पर जोर दिया है। 'भगवद्गीता' एवं 'नाट्यशास्त्र' का यूनेस्को के रजिस्टर में समावेशन केवल सांस्कृतिक उपलब्धि न हो कर विश्व गुरु के रूप में भारत का उभार है। यह हमें याद दिलाता है कि आधुनिकता के बीच प्राचीन विवेक आज भी वर्तमान समय की सर्वाधिक महत्वपूर्ण चुनौतियों के जवाब देता है। विश्व मंच पर इन प्रख्यात रचनाओं को उचित स्थान मिलना उनमें अंतर्निहित प्राचीन सभ्यता के स्वरों को मुखर करता है जो हमें प्रेरित और प्रकाशित करते हुए मानवता की प्रगति करते हैं। यह भारत के व्यापक ज्ञान और स्वयं जीवन में अंतर्दृष्टि का प्रमाण है। इससे भारत विश्व गुरु का प्राचीन दर्जा प्राप्त करने की ओर आगे बढ़ता है।

ज्ञान, दर्शन और आध्यात्मिक विवेक की समृद्ध विरासत में निहित भारत ने हमेशा गणित, चिकित्सा, योग एवं नैतिकता में महान योगदान दिया है। जलवायु परिवर्तन, मानसिक स्वास्थ्य या तकनीकी बाधाओं की जटिल चुनौतियों का सामना कर रही दुनिया में भारत का समग्र विश्व दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना से संचालित है। अनादि मूल्यों एवं आधुनिक खोज को जोड़ कर भारत विश्व मंच पर एक बार फिर प्रेरणा का स्रोत बना है। यूनेस्को के इस कदम से भारत के विश्व गुरु के दर्जे को स्वीकृति मिली है।

भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंध

क्या भारत रणनीतिक आवश्यकता के समय अमेरिका पर सचमुच विश्वास कर सकता है? अतीत इस बारे में हमें चेतावनी देता है तथा वर्तमान स्पष्ट यथार्थवाद की मांग करता है।

भोपिंदर सिंह
(लेखक, सेवानिवृत्त ले. जनरल हैं)

वर्तमान परिवर्तनशील भू-राजनीतिक परिदृश्य में यह महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या भारत रणनीतिक आवश्यकता के समय, खासकर ट्रंप की परिवर्तनशील नेतृत्व शैली उभरने के बाद अमेरिका पर सचमुच विश्वास कर सकता है? अतीत इस बारे में हमें चेतावनी देता है तथा वर्तमान स्पष्ट यथार्थवाद के रास्ते पर चलने की मांग करता है। जब भी संयुक्त राज्य अमेरिका को भारत का रणनीतिक सैनिक सहयोगी बनाने के मामले पर चर्चा होती है तब अतीत की बेचैन करने वाली स्मृतियां हमारे सामने आ ही जाती हैं।

1971 में जब भारतीय सेनायें बाद में स्वतंत्र बांग्लादेश के रूप में मुक्त हुए तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान पर तेजी से हमला कर रही थीं तब अमेरिका ने दुष्टतापूर्वक सातवें बेड़े के 'टास्क फोर्स 74' को बंगाल की खाड़ी में भेजने का आदेश दिया था। पाकिस्तान के सहयोगी के रूप में अमेरिका ने पाकिस्तानियों द्वारा अपने ही देश के एक भाग में किए नरसंहार को अनदेखा किया था और इसके बावजूद भारत को धमकाने का प्रयास किया था।

यह स्वतंत्र बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में विदेशी हस्तक्षेप था। यह एक प्रकार से अमेरिका के सार्वजनिक संबंधों में पूर्ण विभीषिका की तरह था, वहीं दूसरी ओर यह गलत दिशा में अमेरिकन कार्रवाई का भी प्रमाण था। पाकिस्तानियों ने 80 के दशक में मुजाहिदीनों को जन्म दिया था तथा भारत के खिलाफ उनकी आतंकी गतिविधियों को निर्देशित किया था। इसके कारण 1990 के दशकांत तक भारत-पाकिस्तान संबंध अत्यधिक प्रभावित रहे थे। जब पाकिस्तान में 'आतंकी नर्सरियों' से निकलने वाले आतंकियों ने अमेरिकन हितों पर निशाना लगाना शुरू किया तभी अमेरिका को पाकिस्तान और वहां पैदा आतंकियों के बारे में अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ा। आज दुनिया नए विकसित हो रहे भू-राजनीतिक यथार्थ तथा आतंकी व अन्य प्रकार के खतरों के प्रति जागरूक हो रही है जिसके कारण गठबंधनों तथा दृष्टिकोण में परिवर्तन आ रहा है। चीन विश्व मंच पर विस्तारवादी प्रवृत्तियों के मुखिया के रूप में उभरा है और इसके कारण अमेरिका द्वारा चीन का मुकाबला करने के लिए भारत स्वाभाविक रूप से सर्वाधिक विश्वसनीय 'धुरी' के रूप में सामने आया है। लेकिन चीन से चिन्ता के कारण हितों के समानीकरण के साथ ही धार्मिक-आतंकवाद एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है।

निसंदेह चीन का 'स्टील ब्रदर' पाकिस्तान अपने पूरे दोमुंहेपन के साथ ऐसे तत्वों को बढ़ावा दे रहा है। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका-भारत संबंधों के क्षेत्र में ज्यादा सकारात्मक जुड़ाव का अवसर पैदा हुआ है। इसके परिणामस्वरूप हालिया समय में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय विश्वास तथा संबंधों में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। यह बढ़े हुए व्यापार, हथियारों और सैन्य तकनीक के हस्तांतरण, नाभिकीय समझौते तथा रणनीतिक रूप से विभिन्न मंचों पर एकजुटता से स्पष्ट है। ऐसे मंचों में 'क्वाड' आदि शामिल हैं। इन सबके चलते नई दिल्ली ने अतीत की अवधारणायें छोड़ कर असली राजनीति की ओर कदम बढ़ाए जिसे 'रणनीतिक स्वायत्तता' कहा जाता है। मूल रूप से इसका अर्थ भारत की सुरक्षा के लिए सर्वाधिक उचित मार्ग अपनाना है जिसमें किसी द्विपक्षीय 'समूह' की मजबूरियों से बाहर निकलना शामिल है। इससे भारत को अमेरिका से हेलफायर मिसाइलों, एमक्यू 9बी ड्रोन, अपाचे आक्रामक हेलीकाप्टरों, आदि उत्कृष्ट हथियार प्राप्त करने में सुविधा मिली।

इसके साथ ही वह रूस से एस-400 मिसाइल बैटरियां, अकूला-2 नाभिकीय पनडुब्बियां तथा कारमोव केए-226, आदि प्राप्त करने में सफल रहा। इस लचीलेपन के कारण भारत विभिन्न स्रोतों से सर्वाधिक उपयुक्त हथियार प्राप्त करने में सफल रहा और इसके साथ ही वे एक स्रोत पर अति-निर्भरता के कारण ज्ञात एवं अज्ञात बाधाओं से भी मुक्त रहा।

इस प्रकार 'पश्चिमी' देशों व हाल में दक्षिण कोरिया से हथियारों की सप्लाई बेहतर हुई, लेकिन इसके बावजूद परंपरागत कारगर हथियारों के मामले में रूस पर निर्भरता बनी हुई है। ऐसे में कीमत बनाम गुणवत्ता या रूसी बनाम पश्चिमी हथियारों पर सवाल हमेशा उठते हैं और इस दृष्टिकोण के चलते अन्य महत्वपूर्ण सवाल भी सामने आए जिनमें समय पर उपलब्धता, विश्वसनीय पुर्जों की सप्लाई, रखरखाव का खर्च आदि भी महत्वपूर्ण हो गए। इनसे तय होता है कि किस देश से हथियार खरीदे जाएं। इसमें एक महत्वपूर्ण तथा अक्सर अघोषित मुद्दा भी सामने आता रहा जिसमें स्रोत देशों के साथ गठबंधन की विश्वसनीयता भी शामिल है। सप्लाई करने वाले देश की विश्वसनीयता 'किल स्विच' से भी जुड़ी है जिसका अर्थ सप्लाई करने वाले देश के हथियार प्लेटफार्मों को निष्क्रिय करना है। इसका अर्थ हिस्से पुर्जों व गोला-बारूद तथा अन्य सहायक सामग्री की सप्लाई पर रोक है जिससे महत्वपूर्ण समय पर प्लेटफार्म निष्क्रिय हो सकते हैं।

जहां ऐतिहासिक कारणों से रूस से सप्लाई में काफी कमी आई है जिसके अनेक कारण हैं, पर इतिहास हमें सिखाता है कि भारत को जब भी बाहरी देशों से हमले या हथियारों की कमी का सामना करना पड़ा, रूस ने कभी सप्लाई आदि मामलों में भारत को नीचा नहीं दिखाया है। रूसियों की विश्वसनीयता समय की कसौटी पर खरी उतरी है और शायद यही कारण है कि 2020 की गर्मियों में सैनिक सप्लायर के रूप में अमेरिका का थोड़े समय के लिए परीक्षण हुआ जब भारत-चीन टकराव शिखर पर था। उस समय अमेरिका ने हथियारों की सप्लाई बढ़ाई थी।

यह अमेरिकनों तथा उनके हथियार सप्लायरों के लिए अच्छा वाणिज्यिक अवसर था क्योंकि उसकी सप्लाई उसके अपने विरोधी चीन के खिलाफ लक्षित थी। लेकिन सवाल है कि क्या यह स्थिति उस समय भी बनी रहेगी जब भारत पर किसी अमेरिकन-सहयोगी की ओर से दबाव पड़ रहा हो, भले ही यह पाकिस्तान जैसा देश ही क्यों न हो। ऐसी स्थिति में केवल अनुमान ही लगाया जा सकता है। हालांकि, वर्तमान समय में जारी भू-राजनीति अमेरिका और भारत को खास परिस्थितियों के चलते 'स्वाभाविक' सहयोगी बनाती है, लेकिन बदलते समय और परिस्थितियों में इसकी परीक्षा होनी अभी बाकी है।

इस दृष्टिकोण से हालिया समय में भारत के प्रति अमेरिका के व्यवहार की परीक्षा होनी है, भले ही यह वाणिज्यिक क्षेत्र में हो। ट्रंप की पहली और दूसरी सरकार के समय उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठते रहे हैं। वर्तमान व्यापार-टैरिफ युद्ध में भारत को कोई विशेष दर्जा नहीं मिला है या उसके प्रति उदारता नहीं दिखाई पड़ी है, जबकि किसी विशेष या स्वाभाविक 'सहयोगी' से इसकी आशा की जाती है।

हालांकि, ट्रंप ने नाटो, यूरोपीय संघ के देशों तथा अन्य सहयोगियों को भी इस युद्ध में रियायत नहीं दी है। इसके बजाय ट्रंप ने अन्य देशों को अधिकाधिक पीड़ा देने का इरादा और इच्छा ही प्रकट की है जिनमें उनके सहयोगी भी शामिल हैं। सहयोगियों की तात्कालिक आवश्यकताओं या जोखिम के बजाय अमेरिका ने एकपक्षीय रूप से केवल अपने हितों को ही वरीयता दी है। यह दृष्टिकोण आश्वस्त करने वाला नहीं है।

ट्रंप की पुरानी सरकार के पूर्व अमेरिकी विदेश सचिव जेम्स मैटिस ने कहा था, 'किसी देश की शक्ति हमारी अपनी विशिष्ट शक्ति तथा गठबंधनों व साझीदारियों की समग्र व्यवस्था पर निर्भर करती है। हम अपने हितों की सुरक्षा या संवर्धन प्रभावी रूप से मजबूत गठबंधन बनाए बिना तथा सहयोगियों के प्रति सम्मान प्रदर्शित किए बिना नहीं कर सकते हैं।' विश्वास और 'सहयोगियों' पर विश्वास का महत्व एक सैनिक के रूप में समझने वाले मैटिस ने दीर्घकालीन रूप से ट्रंप की संवेदनहीनता को हानिकारक माना था। आज ट्रंप प्रशासन के हर स्तर पर वैसी ही संवेदनशीलता और स्वार्थ प्रदर्शित कर रहे हैं जिनमें अर्थव्यवस्थायें भी शामिल हैं। यह स्थिति अमेरिका को सैनिक सप्लायर या सहयोगी के रूप में विश्वसनीय नहीं बनाती है। ट्रंप की स्मृति भले ही लंबी न हो, पर अन्य देशों की स्मृति दीर्घकालीन है। इसे देखते हुए तथाकथित सहयोगियों के बीच अविश्वास की भावना अमेरिका को दीर्घकालीन नुकसान पहुंचा सकती है। यह बात भारत के मामले में भी सही है।

एक सिविल सेवक में सफलता की भावना

एक धारणा है कि एक बार जब आप सर्वोच्च पद पर पहुंच जाते हैं, तो संतुष्टि अपने आप हो जाती है।

ओपी सिंह
(लेखक, पुलिस महानिदेशक हैं)

किसी भी सिविल सेवक से पूछें कि सफलता कैसी दिखती है, और जवाब आमतौर पर एक परिचित स्क्रिप्ट का अनुसरण करता है: प्रमुख पोस्टिंग, लगातार ऊपर की ओर बढ़ना, कुछ प्रमुख असाइनमेंट और अंत में, सेवा के शीर्ष पर सेवानिवृत्ति। सफलता का वह संस्करण साफ-सुथरा है। यह दिखाई देता है। यह अच्छी तरह से फोटो खिंचवाता है।

लेकिन कई अधिकारियों से बात करें - बैचों, सेवाओं और चरणों में - और एक शांत सत्य सामने आता है: आपके पास सफलता के सभी चिह्न हो सकते हैं और फिर भी आपको इसका एहसास नहीं होता। आप उस पद पर गहराई से संतुष्ट महसूस कर सकते हैं जिसे कभी किसी ने महत्वपूर्ण नहीं कहा। सफलता दिखने और महसूस करने के बीच का अंतर वास्तविक है। और इसे कैसे पाटना है यह सीखना सबसे मूल्यवान कौशलों में से एक है जिसे एक सिविल सेवक विकसित कर सकता है। जर्नल ऑफ़ पॉज़िटिव साइकोलॉजी में 2020 के एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग सफल महसूस करते हैं, न कि केवल वे जो वस्तुनिष्ठ रूप से सफल थे, वे अधिक जीवन संतुष्टि, लचीलापन और प्रेरणा की रिपोर्ट करते हैं।

सीधे शब्दों में कहें तो, हम अपनी यात्रा को कैसे संसाधित और तैयार करते हैं, यह इस बात से ज़्यादा मायने रखता है कि दूसरे इसे कैसे देखते हैं। यह सार्वजनिक सेवा में विशेष रूप से सच है, जहां आप हमेशा यह नियंत्रित नहीं कर सकते कि आप कहां तैनात हैं, आप कितने समय तक रहते हैं, या आपका सबसे अच्छा काम लोगों को नज़र आता है या नहीं। लेकिन आप यह नियंत्रित कर सकते हैं कि आप काम से कैसे जुड़ते हैं। और यह, किसी भी चीज़ से ज़्यादा, यह निर्धारित करता है कि आप सफल महसूस करते हैं या नहीं। सेवा में सफलता अक्सर तब सबसे संतोषजनक लगती है जब इसे गति में अनुभव किया जाता है- एक योजना जो हफ़्तों की बैठकों के बाद आखिरकार गति पकड़ लेती है, एक बजट जो साफ़-सुथरा बंद हो जाता है, एक टीम जो बिना किसी नाटक के काम करना शुरू कर देती है। ये नाटकीय क्षण नहीं हैं।

लेकिन वे वजन रखते हैं। मनोवैज्ञानिक इसे प्रगति सिद्धांत कहते हैं, सार्थक कार्यों में आगे बढ़ने की भावना। यह दीर्घकालिक प्रेरणा और संतुष्टि का सबसे मजबूत भविष्यवक्ता है। वह अधिकारी जो एक अव्यवस्थित विभागीय प्रक्रिया को फिर से तैयार करता है ताकि यह सुचारू रूप से चले। वह जो एक जिला टीम में समन्वय लाता है जो एक-दूसरे से बात करना बंद कर चुकी थी। वह जो एक परियोजना को अंतिम रिपोर्ट तक पूरा करता है। ये वीरतापूर्ण कार्य नहीं हैं। ये कलात्मक कार्य हैं। और सार्वजनिक सेवा में कई लोगों के लिए, ये गर्व का सबसे गहरा स्रोत हैं। सिविल सेवाएँ अपने सभी पैमाने और संरचनाओं में एक समान नहीं हैं। कुछ करियर तेज़ी से आगे बढ़ते हैं। दूसरे भटकते हैं। कुछ जल्दी शिखर पर पहुंच जाते हैं।

दूसरे कई सालों तक लगातार योगदान देने के बाद चुपचाप शीर्ष पर पहुंच जाते हैं। और कुछ अधिकारी, प्रयास और योग्यता के बावजूद, शीर्ष पायदान पर नहीं पहुंच पाते। लेकिन उनके पास अक्सर ये चीज़ें होती हैं: सहकर्मियों का सम्मान, सिस्टम को बेहतर तरीके से काम करते देखने की संतुष्टि क्योंकि वे वहाँ थे, और बार-बार काम को अच्छी तरह से करने की व्यक्तिगत लय। करियर को पूरा होने के लिए जश्न मनाने की ज़रूरत नहीं है। बस यह महसूस होना चाहिए कि इसका अच्छे से इस्तेमाल किया गया।

चाहे करियर की शुरुआत हो, बीच में हो या फ़िनिश लाइन के नज़दीक हो, यहाँ चार चीज़ें हैं जो फ़र्क डालती हैं, आप कितने सफल दिखते हैं, यह नहीं बल्कि आप कितने सफल महसूस करते हैं। ज़्यादातर सिविल सेवकों को उस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार किया जाता है जो अभी तक नहीं किया गया है। लेकिन पीछे मुड़कर देखें कि आपने किन चीज़ों को आगे बढ़ाने में मदद की है - प्रोजेक्ट, टीम, प्रक्रियाएँ - आपको आधार प्रदान करती हैं। यह निरंतरता का निर्माण करता है। यह आपको एक व्यक्तिगत कहानी देता है जिसे साथ लेकर चलने लायक है।

चाहे कोई स्पष्ट नोट लिखना हो, समीक्षा बैठक का प्रबंधन करना हो जो स्पष्टता के साथ समाप्त हो, या सहकर्मियों को समस्याओं को तेज़ी से हल करने में मदद करना हो, छोटी-छोटी बारीकियां मायने रखती हैं। वे आपको व्यस्त रखती हैं।

वे दिनचर्या को लय में बदल देती हैं। करने लायक हर चीज़ दिखाई नहीं देगी। हर असाइनमेंट के साथ कोई मंच नहीं होता। लेकिन अगर आपका दिन सिस्टम को थोड़ा बेहतर बनाकर गया है - ज़्यादा कार्यात्मक, ज़्यादा उत्तरदायी - तो यह सार्थक है। इसकी पुष्टि के लिए आपको तालियों की ज़रूरत नहीं है।

सेवा में सबसे स्थायी संतुष्टि उन टीमों से मिलती है जो काम करती हैं। वे परिपूर्ण नहीं हैं, लेकिन वे ऐसी हैं जहाँ लोग मिलकर समस्याओं का समाधान करते हैं, सम्मानपूर्वक बहस करते हैं और काम पूरा करते हैं। वह माहौल, जब यह क्लिक करता है, किसी भी पोस्टिंग से ज़्यादा मूल्यवान होता है। एक धारणा है कि एक बार जब आप सर्वोच्च पद पर पहुंच जाते हैं, तो संतुष्टि अपने आप हो जाती है। लेकिन कई वरिष्ठ अधिकारी चुपचाप स्वीकार करेंगे: शीर्ष से दृश्य हमेशा स्पष्ट नहीं होता।

दायरा बहुत बड़ा है, समय का दबाव तीव्र है, और निर्णय कार्यान्वयन से अधिक दूर हैं। सिविल सेवा में सफलता अंतिम मंजिल नहीं है। यह कोई उपाधि या सेवानिवृत्ति भाषण नहीं है। यह समय के साथ काम को अच्छी तरह से करने का एक पैटर्न है, जिससे चीजें थोड़ी बेहतर ढंग से काम करने लगती हैं।

आप की बात

भारत की प्रगति

भारत दशकों से सेवा क्षेत्र में अग्रणी रहा है, वह अब वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बनने की राह पर है। यह अवसर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति से सामने आया है। इसमें चीन पर भारी टैरिफ लगाए गए और वैश्विक कंपनियों को चीन से उत्पादन हटाने पर मजबूर होना पड़ा। यह भारत के लिए सुनहरा मौका है। ट्रंप प्रशासन द्वारा चीन पर लगाए 245 प्रतिशत टैरिफ ने कंपनियों को विकल्प खोजने पर मजबूर कर दिया। ऐसे में भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों को नए मैन्युफैक्चरिंग केंद्र बनने का अवसर मिल सकता है। भारत अपनी विशाल युवा जनसंख्या, सस्ते श्रम, तकनीकी प्रतिभा और विशाल उपभोक्ता बाजार के चलते सबसे उपयुक्त विकल्प के रूप में उभरा है। भारत में विदेशी निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग, फार्मा और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में कई विदेशी कंपनियों ने भारत में संयंत्र लगाने की योजना बनाई है। भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव-पीएलआई और मेक इन इंडिया अभियान विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। इस अवसर का लाभ उठा कर भारत अपनी प्रगति तेज कर दुनिया का विकसित देश बन सकता है।

- **विभूति बुपक्या,** खाचरौद

ट्रंप के टैरिफ़

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रम्प ने जब से टैरिफ नीति की घोषणा की और उन्हें दुनिया के देशों पर लागू किया तब से बहुत से देश इसके खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं। टैरिफ लगाने से दुनिया के देशों के निर्यात पर बुरा असर पड़ रहा है, वहीं आयातित वस्तुओं के दाम बढ़ने से स्वयं अमेरिका में महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। अब तो अमेरिका में भी इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस तक का घेराव किया है। 50 राज्यों में प्रदर्शनकारी टैरिफ के साथ ही नौकरियों में कटौती के खिलाफ भी प्रदर्शन कर रहे हैं। अमेरिका में चीन के सस्ते उपभोक्ता उत्पादों की भरमार है और इनके दाम बढ़ने से जनता पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। ट्रंप इस स्थिति से परिचित हैं और वे चीन पर दबाव डाल कर अमेरिकी हितों के अनुरूप व्यापार समझौता करना चाहते हैं। अमेरिकी उद्योग इतनी जल्दी चीन व अन्य देशों से आयातित सस्ती वस्तुओं का विकल्प नहीं तैयार कर सकते हैं। ट्रंप ने अमेरिकन जनता को कुछ कष्ट सहने के लिए भी तैयार करने का प्रयास किया है। देखना होगा कि दुनिया की जनता के साथ ही अमेरिका की जनता ट्रंप की नीतियों को कहां तक स्वीकार करती है।

- **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

सड़क दुर्घटनायें

सड़कों पर तेज रफ्तार और उससे होने वाले हादसे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। केंद्र सरकार अब हाईवे पर तेज रफ्तार से दौड़ने वाले वाहनों पर लगाम कसने के लिए रडार सिस्टम को और प्रभावी बनाने जा रही है। इसका उद्देश्य सड़क हादसों में कमी लाना और यातायात नियमों को सख्ती से लागू करना है। उपभोक्ता मंत्रालय के अनुसार, पहली जुलाई से यातायात रडार उपकरणों के अनिवार्य सत्यापन और मुहर लगाने से जुड़े नए नियम लागू होंगे। ये नियम विधिक माप विज्ञान के तहत माइक्रोवेव डाप्लर रडार उपकरणों पर लागू होंगे जो सड़कों पर गति मापन के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग में लाए जाते हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि गति मापने वाले उपकरण वैज्ञानिक रूप से सटीक और कानूनी रूप से प्रमाणित हों। इससे वाहन की गति और दूरी के आंकड़ों पर सटीक निगरानी रखी जा सकेगी और यातायात नियमों में की जाने वाली किसी भी चालाकी को आसानी से पकड़ा जा सकेगा। नए सिस्टम में केवल 0.5 प्रतिशत त्रुटि की संभावना होगी। अगर यह तकनीक ठीक तरह काम करती रही तो सड़कों पर हृदयविदारक हादसे काफी हद तक कम हो जाएंगे। इसके कठोर जमीनी क्रियान्वयन की भी जरूरत होगी।

- **अमृतलाल मारू,** इंदौर

सामूहिकता की भावना

जब लोग एकजुट होकर कोई कार्य करते हैं तो असंभव से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है। हमारे समाज में इसके अनेक उदाहरण मिलते हैं। लोगों ने आपसी सहयोग, सामूहिक भागीदारी और मिल-जुल कर प्रयासों से अद्भुत कार्य कर दिखाए हैं। देश के कोने-कोने में ऐसे छोटे-छोटे प्रयास चल रहे हैं जो बड़े बदलाव की नींव रखते हैं। विशेषकर मानसून के पहले पुराने तालाबों, बावड़ियों और नदियों की सफाई में स्थानीय निवासियों और स्वयंसेवी संगठनों की भागीदारी उल्लेखनीय रही है। जो बावड़ियाँ कचरे का ढेर बन चुकी थीं उन्हें साफ कर फिर से जल संग्रहण के योग्य बना दिया गया है। बारिश के बाद ये बावड़ियाँ लबालब भर जाएंगी और आसपास के नगरों को बारह महीनों तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएँगी। लोगों ने यह समझा कि केवल सरकार पर निर्भर रहकर समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। जब तक समाज स्वयं आगे नहीं बढ़ेगा तब तक स्थायी समाधान संभव नहीं। सामूहिकता की यही भावना भारत की परंपरा और संस्कृति का हिस्सा रही है। सामूहिकता की इसी भावना का व्यापक विस्तार जरूरी है।

-**सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ और जूनियर शिक्षक संघ ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

●बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों का समय प्रातः 7.30 बजे से 12.00 बजे किये जाने की मांग

संवाददाता। रायबरेली

मौसम का मिजाज बदलने और हवाओं का रुख बदलने से आज से हीटवेव चल गई है। मौसम में आए परिवर्तन से दोपहर में निकलना मुश्किल हो गया है। मौसम का मिजाज बदलने पर सोमवार को शैक्षिक संगठनों ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर समय परिवर्तन की मांग उठाई है। विद्यालयों में समय बदलने की मांग को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ और जूनियर शिक्षक संघ ने डीएम को सौंपा ज्ञापन। राष्ट्रीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि जनपद में इस समय प्रात: आठ बजे से अपराह्न दो बजे तक विद्यालय संचालित हैं, जबकि विद्यालयों में विद्युत कटौती प्रात: नौ बजे से हो रही है। अपराहन 11.30 बजे के पश्चात तापमान 40 डिग्री से ऊपर तथा अपराह्न 12रू30 बजे से दो बजे का तापमान 42-44 डिग्री या अधिक हो जाता है। वीरेन्द्र चौधरी, संजय सिंह और हरिमोहन ने कहा कि जनपद में अपराह्न दो बजे विद्यालय बंद होने पर विद्यालयों के बच्चे 01 से 04 किलोमीटर तक भीषण गर्मी में पैदल अपने घरों को जाते हैं, जिससे विद्यालयों में पढने वाले बच्चे आये दिन बीमार पड रहे हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकांश विद्यालय दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित होने से मौसम की प्रतिकूलता भीषण गर्मी व हीटवेव से छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री मधुकर सिंह ने बताया कि जनपद में मौसम की प्रतिकूलता भीषण गर्मी व हीटवेव से बचाव हेतु छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के दृष्टिगत बेसिक शिक्षा के विद्यालय का संचालन प्रात: 7:30 से 12बजे तक करने हेतु आवश्यक कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

बारह घंटे के भीतर पुलिस ने किया हत्या का खुलासा, उधारी बनी वजह

अमेठी। जिले की पुलिस ने 12 घंटे के अन्दर हत्या का खुलासा कर दिया है। हत्या के अभियोग में प्रकाश में आया अभियुक्त मृतक के मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया है। उधारी का पैसा न लौटाने से नाराज अभियुक्त ने चंद्रकुमार की हत्या कर दी। विगत 20 जुलाई को थाना गौरीगंज जनपद अमेठी अन्तर्गत कस्बा गौरीगंज में धुलाई सेन्टर के पास एक व्यक्ति का शव मिला था, जिनकी पहचान चन्द्रकुमार उर्फ बब्बन पुत्र रामलखन निवासी ग्राम दूंदीपुर कस्बा व थाना गौरीगंज जनपद अमेठी के रूप में उनके परिजनों द्वारा की गई थी। चन्द्र कुमार उर्फ बब्बन उपरोक्त की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या करने के संबंध में मृतक के भाई द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर थाना गौरीगंज पर मुकदमा अज्ञात पंजीकृत किया गया था । पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक द्वारा उक्त घटना के शीघ्र अनावरण हेतु संबंधित को आवश्यक आदेश/निर्देश दिये गये थे ।

उक्त घटना के अनावरण एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के क्रम में आज निरीक्षक जिलेदार यादव थाना गौरीगंज मय हमराही द्वारा अभियुक्त विशाल कनौजिया उर्फ छोटे पुत्र रामसुख निवासी ग्राम अमिया थाना गौरीगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 23 वर्ष को मनीपुर तिराहे के पास से समय करीब 04.45 बजे सुबह गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अभियुक्त का कुबूलनापूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि 19 अप्रैल को मैं और चन्द्रकुमार उर्फ बब्बन (मृतक) ने वाशिंग सेन्टर के पास देशी शराब की दुकान से शराब खरीदकर पिये थे । मैने चन्द्र कुमार उर्फ बब्बन को पूर्व में उधार दिये गये 1000/- रुपयों को वापस मांगा तो चन्द्रकुमार उपरोक्त ने कहा कि कार वाशिंग सेन्टर के पास चलो वहीं पैसों की बात करते हैं ।

आरक्षियों के मेडिकल, चरित्र सत्यापन के लिए नोडल व डाक्टरों के साथ एसपी ने की बैठक

संवाददाता। संतकबीरनगर

उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2023 के अंतर्गत चयनित 563 अभ्यर्थियों का 22, अप्रैल से होने वाले चिकित्सा परीक्षण/ चरित्र सत्यापन के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता के द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन सभागार कक्ष में चिकित्सा परीक्षण/ चरित्र सत्यापन मे नामित परिक्षेत्रीय नोडल अधिकारी व मण्डलीय चिकित्सा परिषद सदस्य के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया व संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि चिकित्सा परीक्षा सम्बन्धी सभी तैयारियों पूर्ण कर ली गयी हैं।

इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात अजय सिंह, मण्डलीय चिकित्सा परिषद के समस्त सदस्य, पुलिस अधीक्षक पी0आर0ओ0 दुर्गेश कुमार पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2023 के अंतर्गत चयनित 563 अभ्यर्थियों का 22, अप्रैल से होने वाले चिकित्सा परीक्षण/ चरित्र सत्यापन के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता के द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन मे स्थित पुलिस अस्पताल व पुलिस हॉस्टल जी5 का चिकित्सा परीक्षण/ चरित्र सत्यापन मे नामित परिक्षेत्रीय नोडल अधिकारी व मण्डलीय चिकित्सा परिषद सदस्य के साथ निरीक्षण किया गया व संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात अजय सिंह, मण्डलीय चिकित्सा परिषद के समस्त सदस्य, प्रतिसार निरीक्षक रजनीकान्त ओझा, पुलिस अधीक्षक पीआरओ दुर्गेश कुमार पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुखलिसपुर बस स्टैंड जीर्णोद्वार एवं सौन्दर्यीकरण के लिए बनी सहमति

संतकबीरनगर। धनघटा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए वरिष्ठ भाजपा नेता एवम् चेयरमैन प्रतिनिधि नीलमणि का भागीरथी संघर्ष लगातार रंग दिखाता जा रहा है। नीलमणि के अथक प्रयास से अब विधानसभा क्षेत्र के इकलौते बस स्टेशन मुखलिसपुर के जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण और बसों के ठहराव का मार्ग प्रशस्त हो गया है। शासन के अनु सचिव राम गोपाल सिंह ने मुखलिसपुर बस स्टेशन के जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण और बसों के ठहराव के लिए 557.14 लाख के प्रारंभिक प्रस्ताव पर यूपी प्रोजेक्ट पावर कार्पोरेशन को कार्यदाई संस्था नामित करते हुए आगणन/डीपीआर के साथ ही परिवहन विभाग का सहमति पत्र भी मांगा है। शासन के इस दिशा निर्देश के बाद मुखलिसपुर बस स्टेशन की सूरत बदलने का रास्ता साफ हो गया है। विदित है कि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं चेयरमैन प्रतिनिधि नीलमणि ने गत 14 जुलाई 2024 को परिवहन विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह से मुलाकात की थी। उन्होंने परिवहन मंत्री श्री सिंह को मुखलिसपुर बस स्टेशन की सूरत संवारने के साथ ही सभी प्रमुख बसों के ठहराव कराने की मांग की थी।

फायर एनओसीविहीन अस्पतालों पर डीएम का सख्त रुख

●डीएम ने सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले में चल रही योजनाओं की समीक्षा की

संवाददाता। गोंडा

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने जनपद में बिना अग्निशमन सुरक्षा प्रमाण पत्र (फायर एनओसी) के संचालित हो रहे चिकित्सालयों, नर्सिंगहोमो व पैथोलॉजी सेंटरों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी को सभी सरकारी व निजी चिकित्सालयों में फायर सेफ्टी संयंत्र की ऑडिट तत्काल प्रारंभ किया जाए और एक सप्ताह के भीतर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

जिलाधिकारी ने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि चिकित्सालयों में अग्निशमन के मानकों की अनदेखी, मरीजों और कर्मियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पूर्व में दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किया गया, जो अत्यंत खेदजनक है। खासकर जब हाल के दिनों में कुछ अस्पतालों में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं घट चुकी हैं।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन संस्थानों में अग्निशमन के मानक पूरे नहीं हैं, उन्हें लिखित रूप से सूचित किया जाए और उनकी सूची मुख्य चिकित्सा अधिकारी व जिलाधिकारी कार्यालय को तत्काल भेजी जाए। इससे बिना फायर संयंत्र के संचालित अस्पताल संचालकों में हड़कंप मचा है।

सोमवार को जिलाधिकारी श्रीमती नेहा शर्मा ने राजस्व विभाग से संबंधित सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले में चल रही योजनाओं की कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की। उन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से विभागवार योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने उद्योग विभाग, आबकारी विभाग, खनन विभाग, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, बाटमाप, मण्डी विभाग, राजस्व विभाग आदि की समीक्षा किया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों से सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रहे कार्यों के प्रगति की रैंकिंग के संबंध में समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने नेहा शर्मा ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी लोग अपने-अपने विभागों की सीएम डैशबोर्ड से संबंधित कार्यों/योजनाओं की बराबर समीक्षा करते रहें। ताकि सीएम डैशबोर्ड पर विभाग की रैंकिंग खराब न होने पाए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों में उच्चकोटि की आख्या लगाये तथा शिकायतकर्ता से वार्ता करके शिकायत गुणवत्तापूर्ण समाधान करें। ताकि शिकायतकर्ता पूरी तरह से संतुष्ट हो।

जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी पुराने एवं लंबित वादों की नियमानुसार सुनवाई करके जल्द से जल्द वादों को निस्तारित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश, उपजिलाधिकारी करनैलगंज भारत भार्गव, उपजिलाधिकारी तरबगंज राजीव मोहन सक्सेना, उपजिलाधिकारी सदर गोंडा आदि उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

5 परियोजनाओं का 1400.5 लाख से होगा पर्यटन विकास

अमेठी। जिला पर्यटन सूचना अधिकारी महेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के नेतृत्व में जनपद अमेठी में 5 परियोजनाओं का 1400.5 लाख की लागत से पर्यटन विकास कराया जाएगा। इसके लिए पर्यटन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृति दी गई है। इस क्रम में उन्होंने बताया कि 62 लाख की लागत से हिंगलाज भवानी मंदिर दादरा मुसाफिरखाना का पर्यटन विकास कराया जाएगा, 59.16 लाख की लागत से श्री मुकुट नाथ मंदिर ग्राम ताला, 1086.21 लाख की लागत से मलिक मोहम्मद जायसी स्मारक का निर्माण, 99.10 लाख की लागत से परम संत सतगुरु कबीर साहेब के बैठका का सौंदर्यीकरण एवं जीणोद्धार, 94.03 लाख की लागत से बाबा दुर्लभ दास ग्राम धर्मे का पर्यटन विकास योजना के अंतर्गत कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने एवं श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों को आकर्षित किए जाने के उद्देश्य पर्यटन स्थलों का विकास कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त स्थलों के चयन के लिए जनप्रतिनिधियों से प्रस्ताव प्राप्त कर स्वीकृति हेतु शासन को भेजा गया था

अमेठी सांसद ने मनीष सैनी की मां से फोन पर की वार्ता

महराजगंज, रायबरेली। बीती छः अप्रैल की रात शिवगढ थाना क्षेत्र के गांव मालिन का पुरवा में ससुराल गए महराजगंज कस्बे के रानी का पुरवा के रहने वाले मनीष सैनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी घटना में शामिल मनीष की पत्नी और उसका आशिक जेल की हवा खा रहे हैं मामले में आज सोमवार को नगर अध्यक्ष अंकुर जायसवाल और कांग्रेसी नेता प्रिंथू वैश्य ने पीडित परिवार के घर पहुंचकर अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा से मनीष सैनी की मां रामकुमारी से फोन पर वार्ता कराई सांसद ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हर संभव आपके साथ वहीं मनीष की मां ने सांसद से बातचीत में कहा कि घटना का खुलासा जल्दबाजी में किया गया है, घटना में और भी लोग शामिल हो सकते हैं, इसके अलावा बेटे को मौत की घाट उतारने वाले आरोपियों पर कडी कार्रवाई हो इस पर सांसद ने पुलिस अधीक्षक से बात कर निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

शिवगढ़, रायबरेली। थाना क्षेत्र के निहाल खेडा मजरे सूरजपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत का मामला सामने आया है। निहाल खेडा में विवाहिता संगीता का शव छत में साड़ी के पंखे से लटकता मिलने की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।घटना रविवार की देर रात की है संगीता का पति आशाराम अपनी बहन के यहां गेहूं की मडाई के लिए गया था, रात करीब 11 बजे जब वह वापस घर लौटा, तो देखा पत्नी को छत में धोती के पंखे से लटकी थी। उसने तुरन्त पत्नी संगीता को नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतका के पति आशाराम ने सोमवार की सुबह पुलिस को घटना की सूचना दी। शिवगढ थाना इंचार्ज महेश यादव ने बताया कि मृतका के पिता की शिकायत पर पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। मृतका संगीता की शादी 2 साल पहले हुई थी। मृतका के पिता का कहना है कि उन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार दहेज भी दिया था। उनके अनुसार बेटी को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं थी और वह खुश थी। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि बेटी ने ऐसा कदम क्यों उठाया।

युवक की गला रेत कर हत्या

जामों, अमेठी। जिले के थाना क्षेत्र जामों में सोमवार की शाम युवक की गला रेत कर हत्या कर दी गई है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को स्थानीय सीएससी पर लाया गया, जहां उसे मृत्यु घोषित कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम सभा कल्यानपुर के पूरे अलप सिंह निवासी छोटई के पुत्र की गांव के बाहर एक मुर्गी फार्म के पास अज्ञात ने धारदार हथियार से गला रेत दिया, जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घायल को सीएससी जामों ले आई,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। हत्या की घटना के कारण का पता नहीं पता चल सका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जाजाँच पड़ताल में जुट गई है।

112 हज यात्रियों के स्वास्थ्य परीक्षण बाद लगा टीका

संतकबीरनगर। सीएमओ के निर्देशन में एवं जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ0 वी0के0 सोनी की देखरेख में जिले से विदेश को हज पर जाने वाले हज यात्रियों का चिकित्सीय परीक्षण एवं टीकाकरण कराया गया। जिसमे 129 की लिस्ट के सापेक्ष 112 हज यात्रियों का चिकित्सिय परीक्षण एवं टीकाकरण मदरसा जामिया अरविया अहले सुन्नत मुस्बाहुल उलूम विधियांनी खलीलाबाद में कराया गया। इस शिविर में डॉ0 सुखदेव, डॉ0 मकीम, सत्यव्रत त्रिपाठी, आदि रहे।

रुपयों के लेनदेन के विवाद में चाची का हत्यारा भतीजा गिरफ्तार

संवाददाता। उरई, जालौन

बलकट जमीन के रुपयों के लेन-देन को लेकर चाची की हत्या करने वाले भतीजे को गिरफ्तार करने में रेंढ़र थाना पुलिस ने सफलता हासिल की है। प्राप्त विवरण के अनुसार 18 अप्रैल को रवीशंकर पुत्र स्व. ग्यादीन कुशवाहा निवासी ग्राम धौरपुर थाना कैलिया जनपद जालौन के द्वारा रेंढ़र थाने में फैती सूचना दी गयी कि मेरी भतीजी श्रीमती संगीता देवी पत्नी स्व. हरीसिंह निवासह ग्राम जुगराजपुरा थाना रेंढर जिला जालौन की संदिग्धावस्था में मृत्यु हो गई है जिस पर थाना पुलिस द्वारा मृतका के शव का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम कराया गया था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद घटना की सत्यता की जानकारी हुयी। जिसके आधार पर 20 अप्रैल को मृतका संगीता देवी उपरोक्त के पिता भगवान सिंह पुत्र स्वर्गीय ग्यादीन कुशवाहा निवासी ग्राम धौरपुर थाना कैलिया जनपद जालौन ने थाना रेंढर में तहरीर दी कि छोटू उर्फआनन्द पुत्र राजकुमार उम्र करीब 23 वर्ष निवासी ग्राम जुगराजपुरा थाना रेंढर जनपद जालौन द्वारा वादी की पुत्री श्रीमती संगीता देवी पत्नी स्व. हरीसिंह को गला दबाकर मार दिया गया है। जिसके सम्बन्ध में थाना रेंढर में मुकदमा अपराध संख्या 32/25 धारा 103 (2) बीएनएस बनाम छोटू उर्फआनन्द पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम जुगराजपुरा थाना रेंढर जनपद जालौन पंजीकृत किया गया।

रिपोर्ट दर्ज होने के बाद रेंढ़र थाना पुलिस तत्काल सक्रिय हुई और 21 अप्रैल को थानाध्यक्ष व पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में रोकथाम अपराध, चौकिंग संदिग्ध व्यक्ति, लुटेरे, वाहन चोर, वांछित अपराधी एवं पतारसी सुरागरसी एवं चौकिंग के दौरान मुखबिर की सटीक सूचना पर नहर के किनारे कन्हरी ग्राम को जाने वाले रोड पर बहद ग्राम भगवन्तपुरा से उपरोक्त मुकदमा में वांछित अभियुक्त छोटू उर्फ आनन्द पुत्र राजकुमार उम्र करीब 23 वर्ष निवासी ग्राम जुगराजपुरा थाना रेंढर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

दो तेज रफ्तार बाइक भिड़ीं, हालत गम्भीर

नसीराबाद, रायबरेली। बीती रात दो तेज रफ्तार बाईको की भिड़ंत से एक अधेड दूसरा युवक दोनो चालक गंभीर रुप से घायल हो गए ग्रामीणों की मदद से युवक को नसीराबाद सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहीं दूसरा अधेड को असैदापुर जनपद अमेठी में जहां दोनों को जिला अस्पताल रायबरेली के लिए रेफर कर दिया गया। रविवार की रात करीब आठ बजे नसीराबाद थाना क्षेत्र के गांधी नगर छतोह राजमार्ग पर हाजीपुर गांव कार्यालय सचिवालय के पास दो बाईकों में जोरदार टक्कर हो जाने से दोनों बाइक सवार गम्भीर रुप से घायल हो गए। गांव निवासी पूरे मदारी मजरे डीघा बब्बन खां थाना जायस क्षेत्र जनपद अमेठी में देहाडी के रूप में मकान बनाने का काम करते है। देर शाम वह काम पर से घर वापस आ रहे थे। जैसे ही नसीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत हाजीपुर उक्त कार्यालय के पास पहुंचे कि पूरे चंदी मिश्र का पुरवा दिलीप पुत्र राम प्यारे तेज रफ्तार बाइक लेकर निकला और बब्बन खां को जोरदार टक्कर मार दी।

आमजन की समस्याओं के निवारण हेतु कलेक्ट्रेट परिसर में कंट्रोल रूम स्थापित

उरई, जालौन। ग्रीष्म ऋतु में संभावित पेयजल संकट से निपटने के लिए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में वर्चुअल बैठक के माध्यम से नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति और साफ-सफाई सुनिश्चित कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

जिलाधिकारी ने किया कि जनपद के किसी भी क्षेत्र में पेयजल की समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इसके लिए संबंधित विभागों को अभी से जलापूर्ति की प्रभावी योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जल संस्थान को विद्युत विभाग के साथ समन्वय बनाए रखने को कहा ताकि जलापूर्ति में बिजली आपूर्ति बाधित न हो और तकनीकी समस्याओं के कारण जल संकट न उत्पन्न हो।यदि किसी क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित होने के कारण जल संकट की स्थिति बनती है, तो संबंधित टीमों को तत्काल स्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि यदि विद्युत विभाग द्वारा सिडडाउन (बिजली बंदी) किया जाता है, तो संबंधित क्षेत्र को इसकी सूचना समय रहते दी जाए ताकि आमजन को असुविधा न हो।

स्वीकृत पेयजल योजनाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने उन्हें क्रियाशील बनाए रखने पर जोर दिया तथा जल संकट से प्रभावित क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित विभाग सतर्क और संवेदनशील रहते हुए आवश्यक कदम उठाएं ताकि कहीं भी जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो। इसके साथ ही उन्होंने नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई तथा फॉगिंग कराना भी सुनिश्चित करने के आदेश दिए।

गढ़ कुंडार किला खंगार क्षत्रिय राजवंश की गाथा दर्शाती: सुभाष

संवाददाता। उरई, जालौन

उरई के रामनगर स्थित पिंडारी हाउस में अखिल भारतीय खंगार क्षत्रिय समाज द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया जहा हाल ही में यूनेस्को की सूची में निवाड़ी जिला मध्य प्रदेश में स्थित गढ़ कुण्डार के किले को खंगार समाज के नाम से अंकित करने की मांग उठाई गई बैठक की अध्यक्षता समाज के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष उदय पिंडारी ने की बैठक में उन्होंने बताया की हाल ही में म0प्र0 शासन ने बुन्देला राजाओं के महल किले भवनों को विश्व धरोहर सूची में मान्यता हेतु धारावाहिक सम्पत्ति अन्तर्गत छह महत्वपूर्ण घटक शामिल किये हैं।

जिसमें गढ़ कुण्डार किला, राजा महल, जहांगीर महल, दतिया पैलेश, झांसी किला और धूबेला पैलेश इन किले और महलों में गढ़ कुण्डार किले को छोड़कर शेष महल बुन्देला राजपूत की सांस्कृतिक परम्पराओं स्थापत्य शैली और राजनीतिक इतिहास दर्शाती है किन्तु गढ़ कुण्डार किले की जो सांस्कृतिक परम्परायें स्थापत्य शैली और राजनीतिक इतिहास है। वह खंगार क्षत्रिय राजवंश के इतिहास को दर्शाती है।

गढ़ कुण्डार में ग्यारहवी शताब्दी से तेरहवी शताब्दी तक खंगार क्षत्रि राजवंश का शासनकाल रहा है जो जुझौती खण्ड से जाना जाता था जो आज वर्तमान में बुन्देलखण्ड कहलाता है किन्तु यूनेस्को की सूची में त्रुटिपूर्ण जानकारी बुन्देला राजाओं के नाम से शामिल कर दी गयी है।

जिससे खंगार क्षत्रिय समाज में भारी असंतोष व्याप्त है। उन्होंने सरकार से गढ़ कुण्डार किले के गौरवशाली इतिहास अनुसार खंगार राजवंश का नाम यूनेस्कों की सूची में ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार संशोधित कर शामिल कराये जाने की मांग की और कहा की यदि मांग न मानी गई तो आगे चलकर खंगार समाज आंदोलन को बाध्य होगी बैठक मे सुभाष उदय पिण्डारी, भूपत सिंह मास्टर अकोड़ी, डा ब्रज किशोर सिंह हरदोई गूजर, ज्ञान सिंह खांगर, अमर सिंह, राजकुमार, जीतेन्द्र सिँह खांगर, विजय सिंह, शिव प्रताप सिंह, महेन्द्र सिंह परिहार, प्रताप भान सिह, रजनीश गुड्डू, विजय सिँह, आदि मौजूद रहे।

जालौन-दिल्ली रोडवेज बस सेवा बंद यात्री प्राइवेट बसों में यात्रा को विवश

जालौन, उरई। तहसील मुख्यालय जालौन से दिल्ली तक सीधी बस सेवा बंद होने के कारण आमजन को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पहले परिवहन विभाग द्वारा संचालित इस सेवा से यात्रियों को सीधा लाभ मिलता था, लेकिन अब मजबूरी में उन्हें प्राइवेट बसों और दूसरे साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। नगरवासियों ने परिवहन विभाग से उक्त बस सेवा को पुन: शुरू कराने की मांग की है। जालौन से सीधी दिल्ली जाने वाली सरकारी बस सेवा एक समय पर नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक बड़ी राहत साबित हुई थी। नगर से सीधे दिल्ली के लिए चलने वाली इस बस का संचालन बंद होने के बाद से यात्रियों को लंबी दूरी तय करने के लिए बीच में कई बार बसें बदलनी पड़ती हैं या फिर महंगे किराए पर प्राइवेट बसों की ओर रुख करना पड़ता है। इससे जहां उनका समय अधिक बर्बाद होता है, वहीं यात्रा पर खर्च भी बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों में मोहम्मद इकबाल, सहेल अख्तर, जाफर सिद्दीकी, विनय निगम, आकाश लाक्षाकार, विनोद साहू आदि का कहना है कि जालौन की चौक पोस्ट पर कोई स्थाई कर्मचारी नियुक्त नहीं है, जिसके कारण दूसरे डिपो से चलने वाली दिल्ली जाने वाली बसें बिना रुके निकल जाती हैं।

नतीजतन यात्रियों को काफी असुविधा होती है। सरकार को जनता की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए तत्काल इस बस सेवा को दोबारा शुरू कराना चाहिए। उनका कहना है कि यह केवल एक यातायात सेवा नहीं, बल्कि आमजन के लिए सुविधा और समय की बचत का माध्यम थी, जिसे बिना कारण बद कर दिया गया। लोगों की मांग है कि परिवहन विभाग इस समस्या को गंभीरता से लेकर शीघ्र निर्णय ले और जालौन से दिल्ली तक की सीधी बस सेवा को फिर से बहाल किया जाए।

एसडीएम निरीक्षण करने पहुंचे क्षेत्र पंचायत कार्यालय, मचा रहा हड़कंप

●खराब हैंडपंप तत्काल दुरुस्त कराने, तालाब, पोखरों में पानी भरवाने के निर्देश

संवाददाता। कालपी, जालौन

सोमवार को उप जिलाधिकारी ने महेवा ब्लाक का आकस्मिक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ब्लाक कार्यालय के साथ बाल विकास परियोजना कार्यालय का भी निरीक्षण किया है। शासन की मंशा के अनुरूप सोमवार को एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने महेवा ब्लाक कार्यालय का आकस्मिक दौरा किया तो हड़कम्प मच गया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यो की जानकारी लेकर उनको समय से पूरा करने के साथ गुणवत्ता बनाए रखने के भी निर्देश दिए और नसीहत दी की गर्मी का मौसम है(

ऐसे में इन्सान के जानवरो को भी पानी की आवश्यकता है इसलिए पानी की कमी न होने पाए इसके लिए तालाबों पोखरों में पानी की व्यवस्था की जाए साथ ही क्षेत्र में लगे हैण्डपम्पों की भी समय से मरम्मत करा ली जाए जिससे जल संकट उत्पन्न न हो।

इसके साथ ही उन्होंने ब्लाक परिसर स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय का भी निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने दस्तावेजों के साथ पुष्टाहार का स्टाक भी देखा और कसा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों में गड़बड़ी नजर आई तो कार्यवाही होगी। इस दौरान खण्ड विकास अधिकारी संदीप मिश्रा, एडीओ पंचायत हरेन्द्र सिंह समेत सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

सोमवार को ब्लाक क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण करने गये एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने बैरई और हर्रायपुर के परिषदीय विद्यालयों को भी देखा। इस दौरान उन्हें वहां पर पंजीकृत छात्रो की अपेक्षा बेहद कम बच्चे मिले इस पर उन्होंने मौके पर मौजूद शिक्षकों को कम उपस्थिति पर स्पष्टीकरण माँगा है तथा उन्हें शिक्षण व्यवस्था से खिलवाड़ न करने की नसीहत दी है।

व्यापार मंडल की मुहिम में किसान यूनियन ने भी दिया अपना समर्थन

संवाददाता। खागा, फतेहपुर

भारतीय किसान यूनियन (आ.रा.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश सिंह चौहान ने व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष शिवचंद्र शुक्ल द्वारा चलाई जा रही मुहिम की तारीफ करते हुए कहा कि किसानों के भी बच्चें प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते हैं , जहां पर उनका आर्थिक उत्पीड़न होता है, इस लिए अब इस मुहिम में किसान यूनियन का समर्थन करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्य द्वारा जिले के अभिवावकों का आर्थिक शोषण नहीं होगा।

व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष शिवचंद्र ने किसान यूनियन (आ.रा.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश सिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब हमारा व्यापार मंडल द्वारा जो प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ यह मुहिम चलाई जा रही है, इसके लिए राजेश सिंह चौहान बधाई के पात्र हैं, यह मुहिम जनहित की हैं,हमारे जिले के किसानों के बच्चे भी प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते हैं जहां पर उनका आर्थिक उत्पीड़न किया जाता है,पर अब शिक्षा विभाग के अधिकारियो के शह पर प्राइवेट स्कूलों का यह खेल अब नहीं चलने दिया जाएगा,शिक्षा विभाग के शह पर चल रहे भ्रष्टाचार को लेकर किसान यूनियन द्वारा 9 मई को जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय का घेराव किया जाएगा । जनहित की इस लड़ाई को मजबूती से लड़ा जाएगा, शिक्षा माफ्या वा शिक्षा विभाग की मिली जुली भ्रष्टाचार की इस आर्थिक लुटाही को बंद करवाया जाएगा,और कहा कि प्राइवेट स्कूलों द्वारा हर वर्ष प्रवेश शुल्क लेना,हर वर्ष दुकानदारों से लाखों लाख रुपए नगद लेकर हर वर्ष महंगी किताबें लगवाकर एक दुकान निश्चित करना,हर वर्ष किताबें बदलना, टाई बिल्ला बेल्ट आदि के नाम पर होने वाला अभिवावकों का आर्थिक शोषण अब नहीं होने दिया जाएगा।

तिहरा हत्याकाण्ड पूरे किसान समाज पर हमला: राजेश

फतेहपुर। हथगाम थाना क्षेत्र के अखरी गांव में हुआ तिहरा हत्याकाण्ड केवल एक परिवार पर हमला नहीं बल्कि पूरे किसान समाज पर हमला है। इस हत्याकाण्ड के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए जाने के लिए लड़ाई तेज की जाएगी। किसानों की समस्याओं को लेकर संघर्ष का रास्ता भी अपनाया जाएगा। यह बात सोमवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश सिंह चौहान ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होने कहा कि अखरी गांव में किसान परिवार के तीन लोगों की दिन दहाड़े निर्मम हत्या कर दी गई। जिससे जिले की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े होना लाजमी है। उन्होने कहा कि यह हत्याकाण्ड किसी एक परिवार पर नहीं बल्कि पूरे किसान समाज पर हमला है।

पुलिस ने पूर्व में ही सख्ती दिखाई होती तो जिले में इतनी बड़ी घटना न होती। पुलिस की लचर कार्य प्रणाली के चलते दबंगों के हौसले बुलंद हो गए और उन्होने दिन दहाड़े हत्याकाण्ड को अंजाम दे डाला। उन्होने कहा कि पीड़ित परिवार के प्रति उनकी गहरी संवेदना है। वह हमेशा इस परिवार के साथ खड़े रहेंगे। उनका संगठन पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा।

सीतापुर पहुंचे कर्नाटक के दिव्यांग समाज सेवी बीवी नारायणा, डीएम से की भेंट

संवाददाता। सीतापुर

कर्नाटक के दिव्यांग समाज सेवी बी.वी नारायणा आज देश और दुनिया को सिखा रहे है कि अगर संकल्प मजबूत हो तो शारीरिक सीमाएं भी बेमानी हो जाती है। दरअसल मोटर चालित ट्राई साइकिल पर सवार होकर उन्होंने अब तक 96 हजार किलोमीटर की यात्रा पूरी की है और 59 देशों का भ्रमण कर चुके हैं। उनका एक ही उद्देश्य है कि समाज को दिव्यांगता, सड़क सुरक्षा, रक्तदान, अंगदान और जागरूकता के महत्व को समझाना।

सोमवार को नारायणा अयोध्या से होते हुए सीतापुर पहुंचे, जहां जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने उनका आत्मीय स्वागत किया। जिला प्रशासन की ओर से उनके लिए भोजन, विश्राम व आवास की उचित व्यवस्था की गई। जिलाधिकारी ने उनके अभियान की सराहना करते हुए कहा कि नारायणा जैसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व समाज को नई दिशा दे सकते हैं। नारायणा ने बताया कि यह यात्रा उन्होंने महज भ्रमण के लिए नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश देने के उद्देश्य से शुरू की थी। वे स्वयं दिव्यांग हैं, लेकिन उन्होंने अपनी शारीरिक स्थिति को कभी अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। 18 वर्ष की आयु में उन्होंने यह यात्रा आरंभ की और 1978 से 1980 तक का पहला विश्व भ्रमण पूरा किया। अब तक वे गल्फ देशों, अफ्रीका, नॉर्थ अमेरिका, कनाडा,इंग्लैंड और अन्य कई देशों की यात्रा कर चुके हैं। नारायणा का कहना है कि यदि समाज सजग हो जाए तो कई प्रकार की दिव्यांगता को रोका जा सकता है।

उन्होंने अपने सुझाव देते हुए कहा कि बच्चों को समय पर पोलियो ड्रॉप्स दी जाएं, विवाह से पूर्व रक्त समूह की जांच अवश्य कराई जाए, बच्चों को कम उम्र में वाहन न दिए जाए, उन्होने वाहन चालकों को सलाह देते हुए कहा कि नशे की स्थिति में वाहन चलाने से बचें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग कदापि न करें। उन्होंने यह भी अपील की कि जो लोग पहले से दिव्यांग हैं, वे गुणवत्ता पूर्ण उपकरणों का ही प्रयोग करें और अनावश्यक सरकारी छूटों की अपेक्षा न करें। आत्मनिर्भरता ही सच्चे सम्मान की राह है। सिर्फ कक्षा 10 तक पढ़ाई करने वाले नारायणा ने यह सिद्ध कर दिया है कि सेवा, समर्पण और संकल्प के आगे शैक्षणिक डिग्रियां भी छोटी पड़ जाती हैं। वे कहते हैं, मैं चाहता था कि कोई और बच्चा अपंग न हो, इसी सोच ने मुझे दुनिया में संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। अब मेरा सपना धीरे-धीरे पूरा हो रहा है। बीवी नारायणा की यह यात्रा पहियों पर चलती एक क्रांति है, जो हर उस व्यक्ति को झकझोरती है, जो समाज की भलाई को अपनी जिम्मेदारी नहीं मानता।

उद्योग नगरी की इकाइयां प्रदूषण संयंत्र के बगैर बांट रही बीमारियां

सुमेरपुर, हमीरपुर। उद्योग नगरी में संचालित एक दर्जन से अधिक इकाइयां बिना प्रदूषण संयंत्र के संचालित होने से लोगों को घर बैठे घातक बीमारियां बांट रही है। प्रदूषण बढ़ने से लोग कैंसर दमाए मोतियाबिंद पथरी टीबी आदि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। कस्बे की उद्योग नगरी में आधा सैकड़ा छोटी बड़ी इकाइयां संचालित है। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में एनओसी लेकर उनके नियमों के तहत संचालित करने का करार कर रखा है।प्रदूषण रोकने के लिए सभी ने संयंत्र भी लगाए हैं। लेकिन ज्यादातर संस्थान प्रदूषण संयंत्र नहीं चला रहे हैं। इनसे निकलने वाला प्रदूषण आसपास के किसानों की फसलों को बुरी तरह से प्रभावित करता है। साथ ही जहरीला प्रदूषण फैलने से कस्बा सहित आसपास के एक दर्जन गांवों में लोग कैंसर टीवी दमा मोतियाबिंद पथरी आदि गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। प्रदूषण नियंत्रण कार्यालय बांदा में होने के कारण यहां अधिकारी कभी.कभार ही आते हैं। लेकिन उनके आने की सूचना पहले ही उद्यमियों को मिल जाती है और वह अपने संयंत्र चालू कर लेते है।जिससे अधिकारियों को सबकुछ चकाचक दिखता है। इससे उद्यमियों के हौसले बुलंद रहते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डा परवेज कादरी के अनुसार प्रदूषण से दमा कैंसर ब्रोकाईटिस आदि का खतरा अधिक होता है। प्रदूषण नियंत्रण की क्षेत्रीय अधिकारी डॉण्माधवी कमलवंशी ने बताया कि उनकी जानकारी नहीं है। वह मंगलवार से दौरा करके फैक्टरियों का निरीक्षण करेंगे और प्रदूषण नियंत्रण संयंत्र बंद पाए जाने पर संबंधित इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

कलेक्ट्रेट में किसानों ने धरना प्रदर्शन कर की नारेबाजी, डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। कन्नौज

विद्युत समस्या सहित किसानो की तमाम समस्याओं को लेकर भाकियू प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी के नेतृत्व में तमाम किसानों ने कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी की। समस्याओं से संबंधित ज्ञापन पदाधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी को देकर समस्याओं के निस्तारण की मांग की गई है।

सोमवार को किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू के तमाम कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी जिलाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह सहित प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां उन्होंने धरना प्रदर्शन करते हुये बताया कि अघोषित विद्युत कटौती से पूरे जिले के किसानों की फसलें सूख रही हैं। जिले भर में लेखपाल एवं पुलिस दोनों विभाग मिलकर माफ्याओं को किसानों की जमीन पर अवैध कब्जे करा रहे हैं। समधन नगर पंचायत के आंशिक भाग इस्माइलपुर में गलियों में कीचड़ युक्त पानी भरा हुआ है। जिसकी शिकायत के बावजूद भी पंचायत प्रशासन मौन है शासन के आदेश अनुसार 18 घंटे विद्युत की आपूर्ति निर्वाध रूप से दी जाए। उन्होंने कहा कि समस्याओं का निस्तारण समय रहते ना हुआ तो भाकियू जिला एवं तहसील मुख्यालयों पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होगी।

इसके उपरांत जिलाध्यक्ष के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष ने सात सूत्रीय ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौप कर कार्यवाही की मांग की है। सबसे अंत में पदाधिकारियों के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी ने नवागंतुक जिलाधिकारी से औपचारिक भेंटकर बधाई दी। इस अवसर पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष डॉ. कुसुम चौहान, सुरेश यादव, डॉ. साजिद हुसैन, मो, शहराज हुसैन, मारूफ खान, सबनूर खान, सत्यम प्रजापति, बब्लू ठाकुर, धर्मेंद्र प्रताप सिंह राजपूत बबलू ठाकुर, वसीम सिद्दीकी, राहुल कुमार गौतम सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

राजस्व निरीक्षक ने मुक्त कराई सरकारी चक रोड व नाली

गुरसहायगंज, कन्नौज। ग्रामीणों की शिकायत पर छिबरामऊ उपजिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी के आदेश पर राजस्व निरीक्षक प्रेमकृष्ण मिश्रा ने राजस्व व पुलिस कर्मियों के साथ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत जहांगीर पुर में अतिक्रमण से घिरी हुई सरकारी चक रोड एवं नाली को मुक्त कराया। मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ग्राम जहांगीर पुर में कुछ लोगों द्वारा लंबे समय से सरकारी चक रोड और नाली पर अवैध कब्जा कर लिया गया था। जिससे ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कत हो रही थी और जल निकासी बाधित हो रही थी। ग्रामीणों की शिकायत पर छिबरामऊ उपजिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी ने तत्काल जांच के आदेश दिए।

बेखौफ़ होकर धरती की कोख को कर रहे बंजर संडीला के डार्क जोन में आने की संभावना

संडीला, हरदोई। सरकारी आदेशों को धता बताते हुए नगर में कुकुरमुत्ते की तरह पेयजलापूर्ति केन्द्र खुल गए हैं, जिसके कारण धरती की कोख से रोजाना लाखों गैलन पानी निकालकर उसकी बिक्री की जा रही है। नगर में काफी समय से उच्च पावर के सबमरस्बिल पाइप बोरिंग कराकर एक-एक कमरों वाले घरों से रोजाना लाखों लीटर पेयजल निकाला जा रहा है। इस पेयजल को 20-20 लीटर के बर्तनों में बंद कर इनकी सप्लाई सुबह से ही शुरू हो जाती है। वर्तमान में नगर के मोहल्ला दामादपुरवा, अतरौली रोड, हरदोई रोड तथा बरौनी पर धरती से बिना किसी अनुमति के पानी निकालकर और उसे तथाकथित रूप से ठंडा करके बेचने का धंधा चल रहा है। इस धंधे के कर्ताधर्ताओं ने पुराने ई-रिक्शा को ऊपर से काटकर उसे गाड़ियों का रूप दे दिया है और इस पर एक बार में 30-40 बड़े थरमास भरकर पानी की सप्लाई शुरू होती है जबकि शासनादेश के अनुसार भूगर्भित जल को बाहर निकालने और वह भी व्यवसायिक उपयोग के लिए पर्यावरण विभाग के साथ-साथ खनन विभाग की भी अनुमति लेनी पड़ती है। यह अनुमति संभवत: किसी के पास नहीं है। मोहल्ला दामादपुरवा में तो कुछ शातिर लोगों ने सीधे खंभों से कनेक्शन जोड़ लिए हैं और बिजली का भी मुफ़्त ही प्रयोग कर रहे हैं। नगर में जिस प्रकार से अंधाधुंध भूगर्भीय जल बाहर निकाला जा रहा है, उससे यह संकट सामने नजर आ रहा है कि सारा नगर कहीं डार्क जोन में न बदल जाए और फ़िर यहां के लोगों को पीने के लिए जल ही उपलब्ध न हो। इस संबंध में प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए जिला खनन अधिकारी एवं पर्यावरण अधिकारी को फोन किया गया लेकिन दोनों के फोन पहुंच के बाहर बताते रहे।

वाइडीसी में शोध सर्वेक्षण में निर्देशन विधियां विषय पर व्याख्यान का हुआ आयोजन

लखीमपुर, खीरी। युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के स्टूडेंट्स इकॉनॉमिक फोरम द्वारा शोध प्रविधि (शोध सर्वेक्षण में निदर्शन विधियाँ) विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का संचालन प्रो. ज्योति पन्त व दीपक कुमार बाजपेई द्वारा किया गया। इस व्याख्यान का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा निर्देशित स्नातक व परास्नातक के विद्यार्थियों में शोध अभिरूचि को बढ़ावा देना है। यह व्याख्यान इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं बसुधा आर्थिक संस्थान के अध्यक्ष डॉ. जगदीश नारायण पुरवार द्वारा दिया गया। अपने व्याख्यान में उन्होंने निदर्शन के विभिन्न प्रकार, प्राथमिक संमकों को एकत्रित करने की विधियों, निदर्शन का अनुकूलतम आकार एवं विभिन्न परिकल्पना परीक्षण विधियों को सरल भाषा में विद्यार्थियों को समझाया। इसी क्रम में महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी प्रो. संजय कुमार ने निदर्शन विधियों की वैज्ञानिकता एवं विभिन्न चुनावी सर्वेक्षणों में निदर्शन के उपयोग पर चर्चा की। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हेमन्त पाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सभी विषयों के शोध कार्यों में निदर्शन के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया। साथ ही आये हुए अतिथियों व आयोजनकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. विशाल द्विवेदी, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. सुभाष चन्द्र, श्वेतांक भारद्वाज व स्नातक तथा परास्नातक के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत

संडीला, हरदोई। विवाह समारोह में भाग लेने के लिए आए एक युवक की किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गयी। उसकी पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लखनऊ के अमीनाबाद निवासी 25 वर्षीय सोनू पुत्र प्रेम नारायण रविवार की शाम बेगमगंज निवासी अपने एक रिश्तेदार पवन चौरसिया के पुत्र के विवाह समारोह में भाग लेने के लिए आया था। बारात रात लगभग 9 बजे बेगमगंज से थाना कासिमपुर के अंतर्गत ग्राम नौधा गयी थी। बारातियों को नाश्ता इत्यादि कराया जा चुका था। इसी बीच किसी कार्य से सोनू सड़क पार करके दूसरी ओर जाने लगा, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे की सूचना मिलते ही तमाम रिश्तेदार और गांव वाले सोनू को उठाकर सीएचसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतक सोनू के परिवार में उसकी पत्नी और 2 छोटे बच्चे हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। इस घटना की रिपोर्ट अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध दर्ज की गयी है।

सीडीओ ने विकासखंड अमरौधा के ग्राम गौर में प्रशिक्षण केंद्र का किया निरीक्षण

संवाददाता। कानपुर देहात

मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 द्वारा उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत विकासखंड अमरौधा के ग्राम गौर में संचालित प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरिक्षण किया गया। प्रशिक्षण केंद्र में खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान द्वारा सोलर पी0वी0 इनस्टॉलर संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा था। प्रशिक्षण केंद्र पर संचालित बैच में 108 प्रशिक्षार्थी का रजिस्ट्रेशन किया गया है जब कि मौके पर मात्र 12 प्रशिक्षार्थी उपस्थित पाए गए इस मुख्य विकास अधिकारी ने प्रशिक्षण संस्थान को चेतावनी देते हुए प्रशिक्षार्थीयों कि उपस्थित पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण केन्द्र के मुख्य द्वार पर कौशल विकास की ब्राण्डिंग न होने एवं प्रशिक्षार्थियों में कॉन्फीडेन्स की कमी पायी गई जिस पर उन्होंने प्रशिक्षण प्रदाता को निर्देशित किया गया कि प्रशिक्षार्थियों एवं ट्रेनर में पर्सानालिटी डेवलपमेन्ट समय-2 पर किया जाये। साथ ही प्रशिक्षार्थी यूनीफार्म में न पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये प्रशिक्षण प्रदाता को निर्देश दिया गया कि समस्त प्रशिक्षणरत प्रशिक्षार्थी यूनीफार्म में ही प्रशिक्षण प्राप्त करें।

वहीं प्रशिक्षण केंद्र में 14 कंप्यूटर पाए गए जिनमे से मात्र 9 कंप्यूटर चलते हुए मिले एवं शेष 6 ख़राब पाए गए जीने शीघ्र ही दुरुस्त करवाते हुए उपयोग में लाये जाने के निर्देश दिए गए इसके अतिरिक्त प्रशिक्षार्थियों की कक्षा में लाईट, पंखों आदि की व्यवस्था को भी दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केंद्र में साफ सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रशिक्षार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति, प्रशिक्षण पूर्ण उपरान्त प्रशिक्षार्थियों को रोजगार दिलाया जाने, वर्दी का वितरण करायें जाने एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार हेतु प्रशिक्षण प्रदाताओं को निर्देशित किया गया है।

जेईई मुख्य परीक्षा में महर्षि की प्रतिभाओं का उम्दा प्रदर्शन

फतेहपुर। देश के राष्ट्रीय स्तर के प्रौद्योगिकी संस्थान एन0आई0टी0 व अन्य इंजीनियरिंग कालेजों में प्रवेश के लिए विगत दिनों राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी द्वारा प्रायोजित मुख्य परीक्षा में महर्षि विद्या मन्दिर के छात्रों का पूरे जनपद में दबदबा रहा। विद्यालय के छात्र गौरव अग्निहोत्री ने 98.68 पर्सेंटाइल अंजली 86.79 फ़ीसदी अमन कुमार 94.28 फ़ीसदी, अवनी शुक्ला 85.0 फ़ीसदी, अनामिका मिश्रा 82.6 फ़ीसदी, वंदना पांडेय 81 फ़ीसदी प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। चयनित छात्र/छात्राओं ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से डिग्री लेकर भारतीय प्रशासनिक सेवा में योगदान करने का लक्ष्य तय किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि जीवन में सदैव बड़े लक्ष्य की ओर अग्रसर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा में अपना स्थान बनाना बड़ी बात है।

भाजपा नेता टैनी के प्रस्ताव से बरोठा सम्पर्क मार्ग का कार्य प्रारंभ

निघासन, खीरी। स्थानीय विकास क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरोठा में प्रधान प्रतिनिधि चंद्रहास की मेहनत आखिरकार साकार हो गई , गड्ढे में तब्दील वर्षों पुराने बस्ती पुरवा से बरोठा को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हो गया। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बरोठा प्रधान माधुरी के प्रतिनिधि चंद्रहास ने गत 28 दिसंबर 2023 को तत्कालीन केंद्रीय ग्रह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के पास पत्र भेजकर गन्ना विभाग द्वारा बस्ती पुरवा से बरोठा तक 15 किलोमीटर लंबाई वाले जर्जर संपर्क मार्ग के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत के लिए जोरदार ढंग से मांग की थी जिसके सापेक्ष तत्कालीन केंद्रीय ग्रह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण खंड - 3 के पास अपने लेटर पैड पर गत 10 मार्च 2024 को पत्र भेजकर उक्त संपर्क मार्ग को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्निर्माण एवं मरम्मत हेतु निर्देशित किया था । प्रधान प्रतिनिधि चंद्रहास ने इससे पहले जिला स्तरीय अधिकारियों के पास मांग पत्र भेजकर उपरोक्त मार्ग निर्माण के लिए कई बार मांग की थी लेकिन कामयाबी नहीं मिली । बताया जाता है कि तत्कालीन केंद्रीय ग्रह राज्य मंत्री के पत्र भेजने के बाद लोक निर्माण विभाग खंड - 3 द्वारा उक्त मार्ग निर्माण कार्य का रास्ता प्रशस्त हुआ।

मासूमों को दिये गये वंडर बाक्स बने आंगनवाड़ी केंद्रों में महज शोपीस

हमीरपुर। आंगनवाड़ी केंद्रो में मासूमों को शिक्षा को प्रेरित करने के लिये 253 केंद्रो में शासन द्वारा दिये गये वंडर बाक्स महज शोपीस बने हुये है,कई केंद्रो में तो यह बाक्स विभागीय कर्मियो के घर चले गये है। जानकारी के मुताबिक जिले के दो सौ तिरेपन आंगनवाडी केंद्रो में बच्चों को भौतिक ज्ञान देने के लिये वंडर किट प्रदान किये गये थे जिसमे बिभिन्न प्रकार के चित्र है ताकि बच्चे किताबी ज्ञाने के साथ साथ संबंधित वस्तु की वास्तविक जानकारी कर सके। बाक्स के अंदर जो किट दी गयी है वह काफी महंगी बतायी जाती है।

मगर ज्यादातर केंद्रो में यह बाक्स खोला नही नही गया है जिससे बच्चों को कोई जानकारी नही दी गयी है हालाकि केंद्रो में बच्चो को छह साल तक जो प्रि इजूकेशन दी जा रही है वह महज खानापूरी की जा रही है,जो हाट कुक्ड योजना है चाहे शिक्षा हो चाहे अन्य कार्यक्रम हो सभी की जांच की जा रही है यही नही शासन को फर्जी रिपोर्ट भेजकर गुमराह किया जा रहा है। शासन का मानना है कि मासूम बच्चे छह साल बाद यहा से निकलने केबाद वह किताबी ज्ञान के चक्रब्यूह में फंस कर रह जाते है उन्हे भौतिक ज्ञान नही रहता है जो बच्चो के ज्ञान को प्रभावित करता है इसलिये यह सभी कार्यक्रम चलाये जा रहे है। मजे की बात तो यह है जो केंद्र प्राइमरी विद्यालयो में संचालित है वही से आंगनवाडी कार्यकत्री बच्चों के नाम व अभिभावक के नाम व मोवाइल नंबर लेकर अभिलेख तैयार कर लिये जाते है मगर इसकी आज तक किसी भी विभागीय अधिकारी ने जांच नही की है,जिससे यह कई सालो से शासन को धोखा दिया जा रहा है। यदि इस मामले की जांच अन्य विभाग के अधिकारी करा ले तो चौकाने वाले तथ्य सामने आयेंगे।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के ज्यादातर केंद्रो मं ताला बंद रहता है,इसके लिये ग्राम प्रधानो ने कई मर्तवा डीपीओ व अन्य अधिकारियों से शिकायत की है मगर कोई सुनने वाला नही है।

विद्युत निजीकरण के विरोध में सदर विधायक को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। फतेहपुर

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में सोमवार को विद्युत कर्मचारी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने सदर विधायक को ज्ञापन दिया। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि निजीकरण का निर्णय वापस न लिया गया तो मई के महीने में आंदोलन होगा। जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार और प्रबंधन की होगी। निजीकरण के विरोध में आज लगातार 145 वें दिन विरोध प्रदर्शन जारी रहा।

विद्युत कर्मचारी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने सदर विधायक चंद्रप्रकाश लोधी को दिए गए ज्ञापन में बताया कि उत्तर प्रदेश के सबसे गरीब 42 जिलों में बिजली का निजीकरण न रोका गया तो इस क्षेत्र की गरीब जनता को बिजली के तीन गुना दाम देने पड़ेंगे और यहां की गरीब जनता लालटेन युग में पहुंच जाएगी। सबसे ज्यादा दिक्कत किसानों को होगी। प्रदेश सरकार एक अप्रैल 2023 से किसानों को मुफ्त बिजली दे रही है लेकिन उत्तर प्रदेश में ही ग्रेटर नोएडा में काम कर रही निजी कंपनी और आगरा में काम कर रही टोरेंट कंपनी किसानों को मुक्त बिजली की सुविधा नहीं देती। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी कि यदि निजीकरण का निर्णय वापस न लिया गया तो बिजली कर्मचारियों को मजबूरन अगले माह आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

जिससे होने वाले परिणामों की सारी जिम्मेदारी सरकार और प्रबंधन की होगी। संघर्ष समिति द्वारा दी गई नोटिस के अनुसार पूरे प्रदेश के सभी समस्त जनपदों में 01 मई को मोटरसाइकिल रैली निकाली जाएगी। 02 मई से 09 मई तक राजधानी लखनऊ में शक्ति भवन पर क्रमिक अनशन होगा। 14 मई से 19 मई तक नियमानुसार कार्य आंदोलन होगा। 20 मई को देश के कर्मचारियों के साथ विरोध प्रदर्शन होगा। 21 मई से 28 मई तक तीन घंटे का कार्य बहिष्कार होगा और 29 मई से अनिश्चितकाल कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

भिटौरा ब्लाक प्रमुख ने सड़क का किया लोकार्पण

फतेहपुर। भिटौरा विकास खंड के ग्राम हैबतपुर के महादेवपुर में एक कदम विकास की तरफबढ़ाते हुए क्षेत्र पंचायत निधि से निर्मित 150 मीटर आरसीसी रोड का लोकार्पण ब्लाक प्रमुख अमित तिवारी ने किया। सड़क की अनुमानित लागत लगभग 880000 रुपए है। रोड का उद्घाटन कर आम जनता को समर्पित कर ब्लाक प्रमुख अमित तिवारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ने का है। उन्होने कहा कि क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं का निस्तारण कराने का प्रयास किया जा रहा है। बिजली व पानी को लेकर भी कार्य चल रहे हैं। किसी को भी कोई समस्या नहीं होगी। उन्होने कहा कि शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य भी किया जा रहा है। उन्होने कहा कि यदि क्षेत्र में किसी को कोई समस्या हो तो वह उनसे सीधे संपर्क कर सकता है। उनकी समस्याओं का निस्तारण कराने का प्रयास किया जाएगा। उपस्थित लोगों ने ब्लाक प्रमुख का माला पहनाकर स्वागत भी किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान स्वामी शरण पाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य रिंकू आदि मौजूद रहे।

अरबपुर बसंत कॉलोनी में गेस्ट हाउस बना अवैध गतिविधियों का अड्डा

फतेहपुर। शहर के अरबपुर बसंत कॉलोनी में स्थित एक गेस्टहाउस अवैध गतिविधियों और अराजकता का केंद्र बन गया है। 2481/2 तालाबी नंबर में संचालित इस गेस्टहाउस को बिना किसी वैध अनुमति के स्कूल में बदल दिया गया है। मामले की शिकायत जिलाधिकारी से की गई। जिलाधिकारी ने त्वरित संज्ञान लेते हुए मामले की जांच नायब तहसीलदार को सौंपते हुए एक सप्ताह में आख्या मांगी है। जांच में सामने आया है कि नेहरू मैरिज लॉन अवैध रूप से सरकारी भूमि पर बनाया गया है, जिसका कोई बैनामा नहीं है, फिर भी कई बीघा ज़मीन पर इस मैरिज लॉन को खड़ा कर दिया गया, जो साफतौर पर भू-माफ्या और प्रशासन की मिलीभगत की ओर इशारा करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रिहायशी क्षेत्र में बने इस गेस्टहाउस में खुलेआम मटन-चिकन और शराब परोसी जाती है। नशे में धुत लोग रोजाना हंगामा और झगड़े की घटनाएं सामने आती हैं। इस कारण क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि यह स्थान अपराधियों की शरणस्थली बन चुका है, जहां संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इतना ही नहीं, मैरिज लॉन के पास एक स्कूल भी संचालित हो रहा है, जिसमें मान्यता से अधिक कक्षाएं चलाई जा रही हैं, जो शिक्षा विभाग के नियमों की धज्जियां उड़ाता है। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों ने मिलकर डीएम को शिकायती पत्र सौंपा है और मांग की है कि इस अवैध निर्माण व अराजक गतिविधियों पर कार्रवाई की जाए।

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 22 अप्रैल 2025

भारत, अमेरिका के बीच अक्टूबर तक व्यापार समझौते के पहले चरण पर हस्ताक्षर की उम्मीद

सैन फ्रांसिस्को। (भाषा) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि अमेरिका की नई सरकार के साथ भारत सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि दोनों देशों के बीच इस साल सितंबर-अक्टूबर तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। उन्होंने यहां भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत में कहा, हम उन देशों में शामिल हैं, जो अमेरिका की नई सरकार के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं।

इस साल की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करने पर सहमति जताई थी।

अमेरिका के जवाबी शुल्क लगाने की आशंका के बीच यह बातचीत हो रही है। वित्त मंत्री ने कहा, हमने यहां सरकार के साथ बातचीत को जो प्राथमिकता दी है, वह फरवरी में प्रधानमंत्री के अमेरिका दौरे से भी स्पष्ट है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री यहां आए थे। मैं यहां इसलिए आई हूं, क्योंकि मुझे आईएमएफ और विश्व बैंक की बैठक में भी शामिल होना है।

सीतारमण ने आगे कहा, मैं यहां अपने समकक्ष वित्त मंत्री से मिलने वाली हूं। हम पूरे उत्साह से अमेरिकी प्रशासन के साथ बातचीत कर रहे हैं। मैं यहां हूं, और अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत में हैं। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति आज शाम या कल प्रधानमंत्री से मिलेंगे। सीतारमण ने कहा कि अमेरिका और भारत ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का लक्ष्य रखा है, जो एक तरह का मुक्त व्यापार समझौता है। दोनों ने प्रस्तावित बीटीए को दो चरणों में पूरा करने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत का मकसद केवल जवाबी शुल्क के मुद्दे को सुलझाना नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो अप्रैल को भारत और चीन सहित कई देशों पर व्यापक जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी। हालांकि, नौ अप्रैल को उन्होंने चीन और हांगकांग को छोड़कर बाकी देशों पर 90 दिन तक शुल्क स्थगित करने का आदेश दिया। इस मौके पर वित्त मंत्री ने सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल बुनियादी ढांचे और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत की प्रगति का जिक्र भी किया।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार 2047 तक देश को विकसित बनाने के लिए काम कर रही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया है कि चार मुख्य वर्गों - महिलाओं, गरीबों, युवाओं और किसानों को बढ़ावा देकर ऐसा किया जा सकता है।

हिमाचल के मुख्यमंत्री ने बिजली बोर्ड को घाटे को रोकने के लिए रणनीति बनाने का निर्देश दिया

शिमला। (भाषा) हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को राज्य बिजली बोर्ड को बिजली के नुकसान का सही आकलन करने और बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए एक व्यापक रणनीति लागू करने का निर्देश दिया। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड (एचपीएसईबीएल) और ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारियों को बिजली के नुकसान को रोकने के लिए हरसंभव उपाय करने की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों को सभी वाणिज्यिक, औद्योगिक और घरेलू उपभोक्ताओं की फीडर-वार मैपिंग करने का भी निर्देश दिया ताकि एक क्लिक पर पूरी जानकारी उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने उनसे ऊर्जा निदेशालय, हिमाचल प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन और पावर कॉरपोरेशन में वर्तमान में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत एचपीएसईबीएल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को 30 अप्रैल तक इस संबंध में एक विकल्प प्रदान करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि सिविल विंग के कर्मचारी पीडब्ल्यूडी और अन्य विभागों में जाने का विकल्प भी चुन सकते है।

पत्नी की हत्या के दोषी पति को 7 वर्ष का कठोर कारावास

सोनभद्र। करीब साढ़े 6 वर्ष पूर्व हुए संगीता देवी हत्याकांड के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश एफ्टीसी, सीएडब्लू, अर्चना रानी की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी पति संतलाल को 7 वर्ष का कठोर कारावास व 11 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक मृतका संगीता देवी के पिता श्री किशुन पुत्र स्वर्गीय कैलाश बैगा निवासी बहेराडोल, थाना हाथीनाला, जिला सोनभद्र ने 17 नवंबर 2018 को म्योरपुर थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसने अपनी बेटी संगीता देवी की शादी करीब 14 वर्ष पूर्व संतलाल पुत्र सोमारू निवासी ग्राम चैरी, थाना म्योरपुर के साथ किया था। बेटी संगीता देवी को उसका पति संतलाल आए दिन प्रताड़ित करता रहता था। जिसकी वजह से कई बार ग्राम प्रधान व सम्भ्रांत लोगों की मौजूदगी में सुलह समझौता भी कराया गया, लेकिन दामाद में कोई बदलाव नहीं आया। 16 नवंबर 2018 को बेलन से मारकर बेटी संगीता देवी की हत्या कर दिया। इसकी जानकारी उसे देर में दी गई है। रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफ्आईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी पति संतलाल को सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने बहस किया।

कुशीनगर में सड़क हादसे में छह लोगों की मौत, दो घायल

गोरखपुर।(भाषा) उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिले के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में एक कार के पेड़ से टकरा जाने के कारण छह लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना रविवार देर रात नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के शुक्ल भुजौली चौराहे पर उस समय हुई जब कार सवार लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए देवगांव जा रहे थे।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया तथा दो अन्य घायलों का इलाज किया जा रहा है। कुशीनगर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। मृतकों की पहचान नारायणपुर चरगहा के निवासी हरेंद्र मद्धेशिया, योगेंद्र मद्धेशिया, रंजीत एवं मुकेश और कुसमा गांव निवासी भीम लक्ष्मण यादव तथा कार चालक ओम प्रकाश के रूप की गई है। हादसे का शिकार हुए सभी लोगों की उम्र 25 से 40 वर्ष के बीच है। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और जिले के अधिकारियों को घायलों का शीघ्र एवं पर्याप्त उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

न्यायालय ने पश्चिम बंगाल हिंसा की जांच के लिए दायर याचिका में आरोपों को लेकर फटकार लगाई

नई दिल्ली। (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर हुई हिंसा की अदालत की निगरानी में जांच के अनुरोध वाली जनहित याचिका में याचिकाकर्ता के निराधार दावों को लेकर सोमवार को उसे फटकार लगाई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता अधिवक्ता शशांक शेखर झा को याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी तथा उन्हें नई याचिका दायर करने की छूट प्रदान की। शीर्ष अदालत ने झा की याचिका में किए गए दावों को लेकर उनकी खिंचाई करते हुए कहा कि याचिका आवश्यक पक्षों के अलावा किसी भी उचित सत्यापन के बिना दायर की गई। पीठ ने कहा, लगता है आप किसी जल्दबाजी में हैं। पीठ ने कहा, हमें हमेशा संस्था की अखंडता और मर्यादा को बनाए रखना चाहिए...सोचें कि कौन से कथन कहे जाने चाहिए और कौन से नहीं। प्रचार पाने की कोशिश न करें। ठंडे दिमाग से सोचें। न्यायमूर्ति कांत ने झा से कहा कि उच्चतम न्यायालय में हर कथन रिकॉर्ड पर रखा जाता है, जहां हर आदेश और दलील मायने रखती है। उन्होंने कहा, इस अदालत में हर चीज रिकॉर्ड पर रखी जाती है। अदालत में दायर निवेदन और इस अदालत द्वारा पारित आदेश भावी पीढ़ियों के लिए मौजूद रहेंगे। भविष्य में जब कोई इस मामले की दलीलें देखेगा, तो क्या आपको लगता है कि उसे यह पसंद आएगी? इसलिए, हम फिर से कह रहे हैं कि इस याचिका को वापस ले लें और एक नई याचिका दायर करें। दलीलों में शालीनता बनाए रखने और आपत्तिजनक बयानों से बचने की आवश्यकता है। वकील ने कहा कि वह शीर्ष अदालत का रुख करने के लिए मजबूर हैं, क्योंकि हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले के लोगों को पड़ोसी राज्यों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। न्यायाधीश ने कहा, वे पीड़ित व्यक्ति कहां हैं। क्या आपने उन व्यक्तियों का उल्लेख किया है। क्या आपने उनके दावों की पुष्टि की है। हम हर उस नागरिक का सम्मान करते हैं जो हमारे पास आना चाहता है। उनका यहां स्वागत है। लेकिन जिम्मेदारी की भावना के साथ यह होना चाहिए। किसी को भी अपने कथन को लेकर सावधान रहना चाहिए। जिन लोगों को याचिका में पक्ष नहीं बनाया गया, उनके खिलाफ लगाए गए अप्रमाणित आरोपों पर न्यायाधीश ने कहा, आप उन लोगों के खिलाफ आरोप लगा रहे हैं जो हमारे सामने नहीं हैं। क्या हम इन आरोपों को स्वीकार कर सकते हैं और उनकी गैरमौजूदगी में जांच कर सकते हैं? आपने उन्हें पक्ष नहीं बनाया है। जब झा ने संशोधन कर नई याचिका दायर करने पर सहमति जताई तो न्यायमूर्ति कांत ने कहा, इसीलिए हमने शुरू में कहा था कि आप जल्दबाजी में हैं...हां, हम चाहते हैं कि बेजुबान लोगों को न्याय मिले, लेकिन आपको यह उचित तरीके से करना होगा। इस तरह नहीं। इसके बाद पीठ ने झा को अपनी याचिका वापस लेने और बेहतर एवं उचित विवरण के साथ नई याचिका दायर करने की अनुमति दी। झा की याचिका में अदालत की निगरानी में विशेष जांच दल द्वारा जांच कराने और पश्चिम बंगाल को हिंसा तथा लोगों के जीवन और उनकी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर रिपोर्ट देने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने हाल में हिंसा प्रभात मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। नए कानून के खिलाफ 11 और 12 अप्रैल को प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद जिले के कुछ हिस्सों मुख्य रूप से सुती, शमशेरगंज, धुलियान और जंगीपुर में सांप्रदायिक हिंसा में कई लोग मारे गए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए।

सोना 1,650 रुपए की छलांग के साथ एक लाख रुपए के पास, चांदी भी मजबूत

नई दिल्ली। (भाषा) कमजोर डॉलर और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध को लेकर अनिश्चितताओं के चलते मांग बढ़ने से राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतों में 1,650 रुपए की तेजी आई, जिससे इसका भाव एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब पहुंच गया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार को 99,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। शुक्रवार को इसका मूल्य 20 रुपए घटकर 98,150 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।स्थानीय बाजार में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,600 रुपए उछलकर 99,300 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह मामूली गिरावट के साथ 97,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने की कीमत पिछले वर्ष 31 दिसंबर से अबतक 20,850 रुपए या 26.41 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम बढ़ चुकी हैं। चांदी की कीमतें भी 500 रुपए चढ़कर 98,500 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं। पिछले सत्र में चांदी 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर सपाट बंद हुई थी। कोटक महिंद्रा एएमसी के कोष प्रबंधक सतीश डोंडापति ने कहा, इस साल, व्यापार तनाव, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कमजोर डॉलर के कारण सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव देखा गया है। अब तक सोने में 25 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है, जिसमें अमेरिकी प्रशासन द्वारा दो अप्रैल को शुल्क की घोषणा के बाद से छह प्रतिशत की बढ़ोतरी भी शामिल है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून डिलिवरी वाले सोना वायदा का भाव।,621 रुपए यानी 1.7 प्रतिशत बढ़कर 96,875 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना 3,397.18 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया। बाद में, इसका लाभ कुछ कम हुआ और यह 3,393.49 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार किया। वैश्विक स्तर पर, सोने के वायदा भाव ने 80 डॉलर प्रति औंस या 2.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ पहली बार 3,400 डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार किया। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के जिंस एवं मुद्रा शोध के ईबीजी उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, सोने की कीमतों में सकारात्मक तेजी जारी रही और यह 3,400 डॉलर प्रति औंस से ऊपर पहुंच गई। व्यापार शुल्क संबंधी अनिश्चितता, अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि से सोने को समर्थन मिल रहा है। एशियाई कारोबार के घंटों में हाजिर चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 32.85 डॉलर प्रति औंस हो गई।

जेईई-एडवांस्ड 2025 परीक्षा के लिए मौके से संबंधी छात्रों की याचिका कर दी खारिज

नई दिल्ली।(भाषा) उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें 2023 में 12वीं की परीक्षा पास करने वाले छात्रों को प्रतिष्ठित आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए जेईई-एडवांस्ड 2025 में भाग लेने की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि यह मामला नीतिगत क्षेत्र का है और अदालतों को शिक्षा के मामलों में हस्तक्षेप करने में धीमी गति से काम करना चाहिए। यह याचिका 2023 में कक्षा 12 की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 18 छात्रों द्वारा दायर की गई थी, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में प्रवेश के इच्छुक थे। याचिका में कहा गया है कि यद्यपि वे 2025 की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई)-मेन में अंतिम प्रयास के लिए बैठने के पात्र थे, लेकिन उन्हें 18 मई को निर्धारित जेईई-एडवांस्ड में शामिल होने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। याचिका में दावा किया गया कि याचिकाकर्ता संयुक्त प्रवेश बोर्ड (जेएबी) द्वारा जेईई-एडवांस्ड 2025 के लिए पात्रता मानदंड के संबंध में अचानक और मनमाने ढंग से नीति उलटने से व्यथित थे, जिसने शुरू में पांच नवंबर, 2024 को अनुमेय प्रयासों को दो से बढ़ाकर तीन कर दिया था, लेकिन पिछले साल 18 नवंबर को इसे रद्द कर दिया। जेईई-एडवांस्ड का आयोजन जेएबी करता है। सोमवार को पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सवाल किया कि जेईई-मेन्स में तीन प्रयासों की अनुमति क्यों दी गई, जबकि जेईई-एडवांस्ड के लिए इसे दो तक सीमित किया गया था। पीठ ने पूछा, आप (जेईई) मेन्स के लिए भी दो तक सीमित क्यों नहीं रखते? पीठ ने आगे कहा, बेहतर होगा कि आप दोनों के लिए दो ही (प्रयास की अनुमति)रखें।

मणिपुर में लोगों की मुक्त आवाजाही के बिना सामान्य स्थिति संभव नहीं: सांसद

इंफाल। (भाषा) इनर मणिपुर से लोकसभा सदस्य बिमोल अकोईजाम ने रविवार को कहा कि यदि राज्य में लोगों की मुक्त आवाजाही को रोका गया तो मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो सकती। अकोईजाम का इशारा कुछ समूहों द्वारा थांगजिंग पहाड़ियों पर जाने पर लगाई पाबंदियों की ओर था, जो मेइती लोगों के लिए एक पवित्र स्थल है। कांग्रेस सांसद ने यहां संवाददाताओं से कहा, मेइती लोग थांगजिंग पहाड़ियों (चुराचंदपुर जिले में) और कोबरू (कांगपोकपी जिले में) में पवित्र स्थानों पर नहीं जा सकते। यह सांप्रदायिक मुद्दा नहीं बल्कि बुनियादी मुद्दा है। यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों और शासन का मामला है। अकोईजाम ने कहा, जब तक लोगों की स्वतंत्र आवाजाही नहीं होगी और आंतरिक रूप से विस्थापित लोग अपने घरों को वापस नहीं लौटेंगे, तब तक राज्य में सामान्य स्थिति नहीं हो सकती। अकोईजाम ने राष्ट्रपति शासन की घोषणा के दौरान संसद में बोलने की अनुमति न दिए जाने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने दावा किया, "मैं और आउटर मणिपुर के सांसद अल्फ्रेड मौजूद थे...लेकिन उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई।

बाबा साहब के संकल्पों को पूर्ण करने को भाजपा सरकार प्रतिबद्धः रामचन्द

भाजपा अनुसूचित जाति, जनजाति विचार गोष्ठी हुयी सम्पन्न

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति विचार गोष्ठी सोमवार को सम्पन्न हुयी। गोष्ठी मे बतौर मुख्यअतिथि अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचन्द्र कनौजिया व विशिष्ठ अतिथि के रुप में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा सुधीर हलवासिया मौजूद रहे। गोष्ठी की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल व संचालन क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा अजीत रावत ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि रामचंद्र कनौजिया ने कहा बोधिसत्व भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का जीवन समतामूलक समाज के निर्माण के लिए समर्पित था बंचितो दलितो और कोटि कोटि मानवों को अधिकार दिलाना उनका संकल्प था वे सामान्य मनुष्य नही बल्कि एक महामानव थे बाबा साहब का मिशन देश का मिशन है वह व्यक्ति का मिशन नही है भारत की मजबूती का मिशन है एकता और अखण्डता का मिशन है भारत को दुनिया की बड़ी ताकत बनाने का मिशन है, बाबा साहब के संकल्पों को पूर्ण करने हेतु भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है। जिसमें प्रधानमंत्री के पहल पर देश के करोड़ो वंचितों के आत्मबोध, सशक्तिकरण और उनके सम्मान हेतु भारत रत्न भीमराव अंबेडकर से जुड़े पांच स्थानो का पंचतीर्थ के रुप में विकसित किया गया है। विशिष्ट अतिथि सुधीर हलवासिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली मोदी की सरकार ने बाबा साहब के विचारों की प्रेरणा से लगातार काम कर रही है, गोष्ठी को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड ने कहा कि बाबा साहब के पाथेय जिसकी परिकल्पना थी अन्त्योदय, आज बाबा साहब के नाम पर तमाम राजनीतिक दल अपनी रोटी सेंकते है और उनके सिद्धांतो उनकी परिकल्पना को भूल जाते है, गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने आये हुए अतिथियों का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया साथ ही विचार गोष्ठी में आये हुए सभी प्रबुद्ध लोगो का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। गोष्ठी में मुख्यरुप से पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, अजीत चौबे पूर्व सांसद रामशकल नरेन्द्र कुशवाहा नगर पालिका चेयरमैन रुबी प्रसाद ओमप्रकाश दूबे अशोक कुमार मौर्या कृष्णमुरारी गुप्ता रामसुन्दर निषाद नागेश्वर गोंड सरजू बैसवार अमरेश चेरो सुषमा गोंड ज्योति खरवार कैलास बैसवार कुसुम शर्मा सहित आदि लोग मौजूद रहे।

पेज 1 का शेष

पोप फ्रांसिस....

सेंट पीटर स्क्वायर में भीड़ उमड़ने के साथ ही, दुनिया भर के शुभचिंतकों ने चर्चों में फूल चढ़ाए - जिनमें से कई की घंटियाँ फ्रांसिस के सम्मान में बजीं, जिनमें पेरिस में हाल ही में फिर से खोले गए नोट्रे डेम कैथेड्रल भी शामिल है। इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हज़ोग, जिनकी भूमिका ज़्यादातर औपचारिक है, ने संवेदना व्यक्त की और फ्रांसिस को गहरी आस्था और असीम करुणा वाला व्यक्ति कहा। मुझे सच में उम्मीद है कि मध्य पूर्व में शांति और बंधकों की सुरक्षित वापसी के लिए उनकी प्रार्थनाएँ जल्द ही सुनी जाएँगी, हज़ोग ने एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें पोप द्वारा युद्ध को समाप्त करने और गाजा पट्टी में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई के लिए बार-बार किए गए आह्वान का जिक्र किया गया। फ्रांसिस ने बार-बार इजरायल के युद्धकालीन आचरण की आलोचना की थी और कहा था कि नरसंहार के आरोपों की जांच होनी चाहिए, जिसका इजरायल ने दृढ़ता से खंडन किया है। सोशल मीडिया पर, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने दुनिया के सबसे कमज़ोर लोगों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए फ्रांसिस की सराहना की; पोलिश प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने पोप के साथ एक्स पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों मुस्कुरा रहे थे, और फ्रांसिस को दयालु, गर्मजोशी से भरा और दयालु व्यक्ति कहा; डच प्रधानमंत्री डिक शूफ़ ने कहा कि फ्रांसिस हर तरह से लोगों के आदमी थे। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सिसी ने एक बयान में कहा कि फ्रांसिस अपने पीछे एक महान मानवीय विरासत छोड़ गए हैं जो मानवता की अंतरात्मा में अंकित रहेगी और उन्हें एक असाधारण वैश्विक व्यक्ति कहा जिन्होंने अपना जीवन शांति और न्याय के मूल्यों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। आयरिश विदेश मंत्री साइमन हैरिस ने गरीबों के लिए फ्रांसिस की वकालत की प्रशंसा की और बेहतर अंतर-धार्मिक संबंधों और पर्यावरण की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया जिसने उन्हें आशा की किरण और बेजुबानों की आवाज बनाया। लेकिन कुछ आलोचकों ने निराशा व्यक्त की, महिला समन्वय सम्मेलन ने महिलाओं के समन्वय के लिए फ्रांसिस की अनिच्छा पर शोक व्यक्त किया। सम्मेलन ने कहा, महिलाओं के समन्वय पर उनकी बार-बार बंद दरवाजे की नीति उनके अन्यथा देहाती स्वभाव के साथ दर्दनाक रूप से असंगत थी, और कई लोगों के लिए, धर्मसभा, सुनने वाले चर्च के साथ विश्वासघात था, जिसका उन्होंने समर्थन किया था।

प्रधानमंत्री मोदी....

उन्होंने गरीबों और दलितों की लगन से सेवा की। जो लोग पीड़ित थे, उनके मन में उन्होंने आशा की भावना जगाई। मोदी ने पोप के साथ अपनी मुलाकातों को याद करते हुए कहा कि वह समावेशी और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से बहुत प्रेरित हुए। मोदी ने कहा, भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा स्मरणीय रहेगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

दिल्ली में....

अदालत का नोटिस जारी किया जाता है और यह भी स्पष्ट किया जाता है कि इस तरह के दुर्व्यवहार के लिए उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने के लिए उन्हें माननीय उच्च न्यायालय में क्यों नहीं भेजा जाए। वकील को 5 अप्रैल, 2025 को अगली सुनवाई की तारीख पर जवाब देने का निर्देश दिया गया। 5 अप्रैल को अदालत ने सेवानिवृत्त शिक्षक दोषी को 22 महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई और 6.65 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। कुमार 5 अप्रैल को दोपहर करीब 2 बजे अदालत में पेश हुए और कहा कि दोषी एक सेवानिवृत्त सरकारी शिक्षक है, जो तीन आश्रित बेटों के साथ पेंशन पर रहता है। इसके बाद अदालत ने उसे एनआई एक्ट मामले में 1.10 साल की कैद और 6.65 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। दोषी ने अपील दायर करने की याचिका दायर की, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। दोषी और उसके वकील के दुर्व्यवहार पर अदालत ने कहा, इस मामले को दक्षिण-पश्चिम द्वारका के प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश को भेजा जाए, ताकि 2 अप्रैल के आदेश के अनुसार उचित कार्यवाही करने के लिए इसे दिल्ली उच्च न्यायालय को भेजा जा सके।

सांसद...

राजनीतिक नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। तिवारी ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों की जांच के लिए शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग के गठन का निर्देश देने का अनुरोध किया था। याचिका में, बंगाल सरकार को किसी भी समुदाय और व्यक्ति के खिलाफ नफरत भरे और भड़काऊ भाषणों पर कार्वाई करने और उन पर अंकुश लगाने के निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया था।

मुठभेड़ में...

आत्मसमर्पण को लेकर उनके लिए एक अच्छी नीति है। कोबरा सीआरपीएफ की विशेष इकाई है जो जंगलों में युद्ध संबंधी रणनीति में दक्षता के लिए जानी जाती है। यह अभियान मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म करने की केंद्र सरकार की घोषणा के तहत चलाया गया। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सोमवार शाम को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में नॉर्थ ब्लॉक स्थित उनके कार्यालय में संभवत: मुलाकात करेंगे तथा इस दौरान राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों और संबंधित विषयों की व्यापक समीक्षा किए जाने की संभावना है। इस साल, छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में 140 से अधिक माओवादी मारे गए हैं। सुरक्षा अधिकारी छत्तीसगढ़ को देश में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) का अंतिम गढ़ कहते हैं।

दिल्ली को लू...

हीटवेव अब सिर्फ मौसम की स्थिति नहीं, बल्कि एक जानलेवा संकट बन चुकी है। इसी चुनौती का समय रहते मुकाबला करने के लिए भाजपा सरकार ने आज हीट एक्शन प्लान जारी किया है। यह केवल एक सरकारी दस्तावेज नहीं है, बल्कि हर दिल्ली वालों की सुरक्षा के लिए सरकार और जनता की साझीदारी का प्रतीक है। दिल्ली हीट एक्शन प्लान 2025 को एनडीएमए के दिशा-निर्देशों, वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं, जिलास्तरीय संवेदनशीलता मानचित्रण और एनडीएमए, यूएनईपी, यूनिसेफ, रेजिलिएंस एआई, यूसी बर्कले जैसे ज्ञान साझेदारों के साथ परामर्श के आधार पर तैयार की गई है। ताकि हर नागरिक को इस भीषण गर्मी से सुरक्षित रखा जा सके। सरकार द्वारा फुटपाथों पर कूलिंग शेड्स बनाए जाएंगे, ताकि राह चलते लोगो को धूप से राहत मिल सके। इसके अलावा, बस स्टॉप्स को भी इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि वहां खड़े बस का इंतज़ार करने वाले लोगों को गर्मी से राहत मिले। यह प्लान बच्चों, बुजुर्ग, खुले में काम करने वाले श्रमिक, महिलाएं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, दिव्यांगजन और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों को प्राथमिकता में रखकर तैयार की गई हैं। सीएम ने बताया कि मौसम विभाग के सहयोग से समय रहते हीटवेव अलर्ट जारी किए जाएंगे और आईएमडी द्वारा जारी किए गए रंग-कोडेड हीट अलर्ट्स (हरा, पीला, नारंगी, लाल) के आधार पर विभागों और मोहल्लों में समय रहते जरूरी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मोबाइल संदेश, मीडिया और पोर्टल के माध्यम से सही जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। बड़े अस्पतालों में हीटवेव वार्ड तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें ठंडक की सुविधा, ओआरएस और प्रशिक्षित स्टाफ उपलब्ध रहेंगे। झुग्गी-बस्तियों और कम आय वाले इलाकों में छांव, पीने के पानी और मदद केंद्र बनाए जा रहे हैं। स्कूलों में बच्चों को 'वॉटर बेल' के जरिए पानी पीने की आदत डाली जाएगी और 5500 से अधिक स्कूलों के 14 लाख बच्चों को आपदा प्रबंधन और हीटवेव से बचाव के लिए जागरूक और प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके साथ ही हर गर्मी के मौसम के बाद विस्तृत समीक्षा की जाएगी ताकि सीखों के आधार पर योजना को और बेहतर बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली हीट एक्शन प्लान सिर्फ इंसानों के लिए नहीं, बल्कि उन हजारों बेजुबान पक्षियों और पशुओं के लिए भी है जो पर्यावरण का हिस्सा हैं। हमारी संस्कृति और सभ्यता हमें सिखाती है कि हर जीव के प्रति करुणा और जिम्मेदारी का भाव रखें। चाहे वह नन्ही सी चिड़िया हो, गौमाता हो या कोई आवारा पशु। हमारी कोशिश है कि इन सभी के लिए पीने के पानी की व्यवस्था हो, छांव मिले, और गर्मी से राहत मिल सके।

अगले हजार साल की रूपरेखा तय करने वाली नीतियां बना रही सरकार : मोदी

भाषा। नई दिल्ली

बीजेपी नेता शेरगिल के परिवार से मिलते पीए मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत की नौकरशाही और नीति निर्माण प्रक्रिया पुराने ढें पर नहीं चल सकती तथा उनकी सरकार जिन नीतियों पर काम कर रही है, वे अगले 1,000 वर्ष के भविष्य को आकार देंगी। मोदी ने औद्योगीकरण और उद्यमिता की गति को नियंत्रित करने वाले नियामक के रूप में नौकरशाही की पुरानी भूमिका का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र इस मानसिकता से आगे बढ़ चुका है और अब ऐसा माहौल बना रहा है जो आम नागरिकों के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है एवं उन्हें बाधाओं से निपटने में मदद करता है। मोदी ने यहां विज्ञान भवन में सिविल सेवा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सिविल सेवाओं को अपने में बदलाव कर नियम पुस्तिकाओं का मात्र रखवाला न बनकर, विकास का सूत्रधार बनना चाहिए।उन्होंने नौकरशाहों को दिए गए लगभग 40 मिनट के अपने भाषण के दौरान भारत के समाज, युवाओं, किसानों और महिलाओं की आकांक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके सपने अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इन असाधारण आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए असाधारण गति की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, आज हम जिन नीतियों पर काम कर रहे हैं और जो निर्णय ले रहे हैं, वे आगामी 1,000 वर्ष के भविष्य को आकार देंगे। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सामूहिक प्रयास एवं दृढ़ संकल्प के महत्व को रेखांकित किया और सभी से इस साझा दृष्टिकोण की दिशा में हर दिन और हर पल अथक परिश्रम करने का आग्रह किया। मोदी ने वैश्विक स्तर पर हो रहे त्वरित बदलावों का उल्लेख करते हुए हर दो से तीन साल में गैजेट के तेजी से बदल जाने को रेखांकित किया और इस बात का जिक्र किया कि बच्चे इन परिवर्तनों के बीच कैसे बड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत की नौकरशाही, कामकाज के तरीके और नीति निर्माण की प्रक्रिया पुराने ढें पर नहीं चल सकती। मोदी ने कहा कि भारत का आकांक्षी समाज – युवा, किसान एवं महिलाएं – और इसके सपने अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा, इन असाधारण आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए असाधारण गति आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने आने वाले वर्षों के लिए ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, खेलों के क्षेत्र में प्रगति और अंतरिक्ष अन्वेषण में उपलब्धियों समेत विभिन्न क्षेत्रों में भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को रेखांकित किया। उन्होंने हर क्षेत्र में भारत का परचम लहराने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने भारत को शीघ्र अति शीघ्र विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में सिविल सेवकों की बड़ी जिम्मेदारी को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष सिविल सेवा दिवस का विषय भारत का समग्र विकास है जो देश के लोगों के प्रति एक प्रतिबद्धता एवं वादा है।मोदी ने कहा कि भारत के समग्र विकास का तात्पर्य है कि कोई भी गांव, कोई भी परिवार और कोई भी नागरिक पीछे न छूटे। प्रधानमंत्री ने कहा कि शासन की गुणवत्ता इस बात से निर्धारित होती है कि योजनाएं लोगों तक कितनी गहराई से पहुंचती हैं और उनका जमीनी स्तर पर कितना वास्तविक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में भारत धीमी गति के परिवर्तन से आगे बढ़कर अब प्रभावशाली बदलाव देख रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि देश का शासन मॉडल अब अगली पीढ़ी के सुधारों पर केंद्रित है तथा सरकार एवं आम नागरिकों के बीच की खाई को पाटने के लिए प्रौद्योगिकी एवं नई प्रक्रियाओं का लाभ उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा, भारत शासन, पारदर्शिता और नवोन्मेष में नए मानक स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा, भारत अब न केवल अपने विकास के लिए बल्कि शासन, पारदर्शिता और नवोन्मेष के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करने के लिए भी जाना जाता है। मोदी ने भारत की जी–20 अध्यक्षता को इन प्रगतियों का एक महत्वपूर्ण उदाहरण बताया और कहा कि जी–20 के इतिहास में पहली बार 60 से अधिक शहरों में 200 से अधिक बैठक आयोजित की गईं।उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के दृष्टिकोण ने इस आयोजन को जन आंदोलन में बदल दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, विश्व ने भारत के नेतृत्व को स्वीकार किया ह। भारत सिर्फ भाग नहीं ले रहा है, बल्कि नेतृत्व भी कर रहा है। मोदी ने सरकारी दक्षता के बारे में बढ़ती चर्चा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस संबंध में भारत अन्य देशों से 10–11 वर्ष आगे है।

संभल हिंसा में शामिल एक अन्य आरोपी गिरफ्तार

संभल (उप्र)। संभल हिंसा में शामिल एक और आरोपी को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया और इस तरह इस मामले में अब तक कुल गिरफ्तार लोगों की संख्या 83 हो गई है।संभल पुलिस ने सोमवार को एक बयान में कहा कि 24 नवंबर 2024 को नखासा थाना क्षेत्र में शाही जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा में शामिल युवक मोहम्मद आसिफ (22) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी मोहम्मद आसिफ ने पूछताछ के दौरान बताया कि 24 नवंबर को जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान जब हिंदू पुरा खेड़ा और नखासा चौराहे पर भीड़ जमा हो गई थी, तो उसने ईंट–पत्थरों से हमला किया और पुलिस वाहनों में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार उक्त आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के तहत जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपी संभल जिले का रहने वाला है। संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा मामले में अब तक 83 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। संभल में 24 नवंबर को कोट गर्वी इलाके में शाही जामा मस्जिद में अदालत के आदेश पर सर्वे के दौरान हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे।

निशिकांत, अग्निमित्रा के खिलाफ अवमानना कार्रवाई शुरू करने के लिए अटॉर्नी जनरल की मंजूरी मांगी गई

नई दिल्ली। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे और पार्टी विधायक अग्निमित्रा पॉल के खिलाफ न्यायपालिका पर हमले के लिए अदालत की अवमानना की कार्रवाई शुरू करने को लेकर एक वकील ने सोमवार को मंजूरी मांगी। एक पत्र में अधिवक्ता बृजेश सिंह ने कहा कि दोनों ने जानबूझकर मीडिया एजेंसियों और चैनलों के माध्यम से उच्चतम न्यायालय के खिलाफ सरेआम निंदनीय, झूठे और अपमानजनक बयान दिए और इसकी गरिमा को तथा न्यायपालिका में आम आदमी की गहरी आस्था को चोट पहुंचाई। पत्र में कहा गया है, दोनों व्यक्ति जनप्रतिनिधि हैं। निशिकांत दुबे झारखंड से सांसद हैं और अग्निमित्रा पॉल भी पश्चिम बंगाल विधानसभा की निर्वाचित सदस्य हैं। दोनों ने जानबूझकर उच्चतम न्यायालय पर हमला किया। यह अत्यंत निंदनीय है कि न्यायपालिका को इस तरह से निशाना बनाया गया। इसमें अदालत की अवमानना अधिनियम के प्रावधानों और उच्चतम न्यायालय की अवमानना के लिए कार्यवाही को विनियमित करने के नियमों के तहत दुबे और अग्निमित्रा के खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने के संबंध में वेंकटरमणी की मंजूरी मांगी गई है।

नक्सलवाद खत्म करने के लिए हमारा अभियान जारी है : शाह

भाषा। नई दिल्ली

झारखंड में सुरक्षा बलों द्वारा आठ नक्सलियों को ढेर किए जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नक्सलवाद को खत्म करने के लिए उनकी सरकार की प्रतिबद्धता बरकरार है। झारखंड के बोकारो जिले में सोमवार को पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा कमांडो के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए, जिनमें से एक नक्सली उग्रवादियों की शीर्ष केंद्रीय समिति का सदस्य था और उस पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए हमारा अभियान निरंतर जारी है। नक्सलवाद को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए जारी अभियान में आज सुरक्षाबलों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। झारखंड के बोकारो में लुगु हिल्स में हुई मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए, जिनमें से विवेक का नाम का एक नक्सली उग्रवादियों की शीर्ष केंद्रीय समिति का सदस्य था और उस पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था जबकि दो कुख्यात नक्सली भी मारे गए हैं। अभियान जारी है। हमारे सुरक्षाबलों की सराहना करें।

अधिकारियों ने बताया कि 209 कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन (कोबरा) और राज्य पुलिस के अभियान में आठ नक्सली मारे गए और एक एके राइफल, तीन इंसास राइफल, एक सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर), आठ देसी बंदूक एवं एक पिस्तौल बरामद की गई।

ईडी इस वित्त वर्ष में धोखाधड़ी के शिकार लोगों को 15000 करोड़ की संपत्ति लौटाएगी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 15,000 करोड़ रुपए की संपत्ति चिह्नित की है जिसे चालू वित्त वर्ष के दौरान देशभर में रियल एस्टेट, पोंजी और अन्य धोखाधड़ी के शिकार लोगों को लौटाया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।दस्तावेजों से पता चला है कि इस संघीय जांच एजेंसी ने धनशोधन विरोधी कानून के तहत उपलब्ध संपत्तियों की वापसी के इस प्रावधान को पिछले साल से जोरशोर से लागू करना शुरू कर दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वित्तीय अपराध में ठगी के शिकार हुए वैध मालिकों और सही दावेदारों को उनका हक वापस मिले। पीटीआई–भाषा को मिले रिकार्ड के अनुसार, अब तक इस प्रावधान के तहत कुल 31,951 करोड़ रुपए की संपत्ति संबंधित वैध मालिकों और सही दावेदारों को लौटाई जा चुकी है। इसमें से 15,201.65 करोड़ रुपए की संपत्ति 2019–21 के बीच भगोड़े आर्थिक अपराधियों–– विजय माल्या और नीरव मोदी से संबंधित तीन धनशोधन मामलों तथा नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड मामले में ठगी के शिकार लोगों को लौटाई गई गई। अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष जून में ईडी निदेशक राहुल नवीन ने धनशोधन के उन सभी मामलों की व्यापक समीक्षा की थी, जहां धोखाधड़ी के शिकार लोगों को उनकी संपत्ति लौटाई जा सकती है तथा निदेशालय ने पुनर्स्थापन प्रक्रिया (ठगी के शिकार लोगों को संपत्ति लौटाने की प्रक्रिया) शुरू करने के वास्ते जो आवेदन दायर किए, उनमें उसने 32 मामलों में अदालती आदेश हासिल किए हैं। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2024 से अप्रैल 2025 तक ईडी ने 15,261.15 करोड़ रुपए (वित्त वर्ष 2024–25) और चालू वित्त वर्ष (2025–26) के दौरान ।,488 करोड़ रुपए की संपत्ति बहाल की। अधिकारियों ने कहा कि ईडी प्रमुख ने हाल में एजेंसी के सभी क्षेत्रों (क्षेत्रीय कार्यालयों) को वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान 15,000 करोड़ रुपए की संपत्ति की बहाली के लिए चिह्नित मामलों पर सक्रिय रूप से काम करने के निर्देश जारी किए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक जांच अधिकारियों और उनके पर्यवेक्षी अधिकारियों को अधिकृत अदालत के

शुभांशु अंतरिक्ष स्टेशन पर फसल उगाने सहित सात प्रयोग करेंगे

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अगले महीने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 14 दिन के प्रवास के दौरान कम से कम सात प्रयोग करेंगे, जिसमें फसल उगाना और अंतरिक्ष में सूक्ष्मजीव (वॉटर बीयर्स) के बारे में अध्ययन करना भी शामिल है।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के सहयोग से मई के अंत में निर्धारित एक्सिओम मिशन–4 (एक्स–4) के दौरान सात प्रयोग करेगा। इस यात्रा के दौरान अमेरिका, हंगरी और पोलैंड के अंतरिक्ष यात्री भी शामिल होंगे। नासा और वॉएजर के साथ साझेदारी में इसरो अंतरिक्ष में सूक्ष्म जीव टार्डिग्रेड्स के बारे में अध्ययन कर रहा है। टार्डिग्रेड्स सूक्ष्म जीव होते हैं और यह चरम स्थितियों में जीवित रहने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। टार्डिग्रेड्स लगभग 60 करोड़ वर्ष से पृथ्वी पर मौजूद हैं और निकट भविष्य में भी वे दुनिया की जलवायु में होने वाले किसी भी बड़े बदलाव को झेलने में सक्षम होंगे।इस प्रयोग के दौरान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर टार्डिग्रेड्स के पुनरुत्थान, अस्तित्व और प्रजनन की जांच की जाएगी। एक्सिओम स्पेस ने कहा कि टार्डिग्रेड्स के बारे में अध्ययन करने से उनके आणविक तंत्र को समझने से भविष्य में अंतरिक्ष अन्वेषण में मदद मिल सकती है और पृथ्वी पर जैव प्रौद्योगिकी के नवीन अनुप्रयोगों को बढ़ावा मिल सकता है।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस और उनके परिवार ने अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए

नई दिल्ली। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस ने अपनी भारत की यात्रा शुरू करने के तहत पत्नी उषा चिलुकुरी और तीन बच्चों के साथ सोमवार को दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए।भारत की चार दिवसीय यात्रा पर पहुंचे वेंस आगरा और जयपुर का भी भ्रमण कर सकते हैं। वेंस और उनका परिवार लगभग चार घंटे तक अक्षरधाम मंदिर में रहे। उनके तीन बच्चे इवान, विवेक और मिराबेल ने पारंपरिक भारतीय परिधान पहने थे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने मंदिर की अतिथि पुस्तिका में लिखा, इस खूबसूरत जगह पर मुझे और मेरे परिवार का स्वागत करने के लिए आप सभी की मेहमाननवाज़ी और दयालुता का मैं शुक्रिया अदा करता हूं। भारत को इस बात का बहुत बड़ा श्रेय जाता है कि आपने बहुत ही सावधानी और सटीकता से एक सुंदर मंदिर बनाया है। खासतौक पर, मेरे बच्चों को यह बहुत पसंद आया। भगवान की कृपा बनी रहे। वेंस परिवार ने मंदिर के भव्य प्रांगण के बाहर मौजूद कैमरामैन से फोटो खिंचवाई। मंदिर के एक पुजारी ने पीटआई–भाषा से कहा, उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया, जिसके बाद उन्होंने दर्शन किए। परिवार को लकड़ी का नक्काशीदार हाथी, अक्षरधाम मंदिर का मॉडल और बच्चों की किताबें उपहार में दी गईं। मंदिर की स्वयंसेवक मीरा सोंडागर ने बताया कि उपराष्ट्रपति को खासतौर पर गजेन्द्र पीठ बहुत पसंद आई। वह इसकी जटिल नक्काशी से बहुत प्रभावित हुए। गजेन्द्र पीठ पर हाथियों की नक्काशी बनाई गई है, जो शक्ति और बुद्धिमता का प्रतीक है।उन्होंने कहा, उन्हें पूरे अक्षरधाम का भ्रमण करवाया गया और वे इस अनुभव से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने (वेंस) कहा कि उन्हें यहां आकर शांति मिली। अक्षरधाम मंदिर के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर वेंस के मंदिर दर्शन के संबंध में एक पोस्ट भी साझा की गई। पोस्ट में कहा गया, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, द्वितीय महिला उषा वेंस और उनके बच्चों ने दिल्ली स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम में दर्शन किए। यहां उन्होंने मंदिर की शानदार कला, वास्तुकला और आस्था, परिवार एवं सद्भाव के शाश्वत मूल्यों का अनुभव किया। इसमें कहा गया, वेंस परिवार ने मंदिर की शानदार कला और वास्तुकला का अवलोकन किया, भारत की विरासत और सांस्कृतिक गहराई का अनुभव किया और उन्होंने अक्षरधाम परिसर में निहित सद्भाव, पारिवारिक मूल्यों और शाश्वत ज्ञान के संदेशों की सराहना की। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने पिछले वर्ष भारत यात्रा के दौरान अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए थे।इससे पहले, वेंस और उषा के सोमवार सुबह दिल्ली पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी का पालम एयरबेस पर स्वागत किया।,

कुछ लोगों के लिए धार्मिक पहचान नफरत वाली राजनीति को आगे बढ़ाने का आधारः कुरैशी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के मुस्लिम आयुक्त वाले बयान पर निशाना साधते हुए पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एस वाई कुरैशी ने सोमवार को कहा कि वह भारत को लेकर ऐसी अवधारणा में विश्वास करते हैं, जहां व्यक्ति की पहचान उसके योगदान से होती है। उन्होंने भाजपा सांसद दुबे के बयानों पर पलटवार करते हुए यह भी कहा कि कुछ लोगों के लिए, धार्मिक पहचान उनकी नफरत वाली राजनीति को आगे बढ़ाने का मुख्य आधार है। कुरैशी ने कहा कि भारत हमेशा अपनी संवैधानिक संस्थाओं और सिद्धांतों के लिए खड़ा रहा, खड़ा है और खड़ा रहेगा तथा लड़ता रहेगा। कुरैशी ने पीटीआई–भाषा से कहा, मैंने निर्वाचन आयुक्त के संवैधानिक पद पर अपनी सर्वोत्तम क्षमता से काम किया और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में मेरा लंबा एवं संतोषजनक कॅरियर रहा। मैं भारत को लेकर ऐसी अवधारणा में विश्वास करता हूं, जहां व्यक्ति को उसकी प्रतिभा और योगदान से परिभाषित किया जाता है, न कि उसकी धार्मिक पहचान से। उन्होंने कहा, लेकिन मुझे लगता है कि कुछ लोगों के लिए धार्मिक पहचान उनकी नफरत वाली राजनीति को आगे बढ़ाने का मुख्य आधार है। भारत हमेशा अपनी संवैधानिक संस्थाओं और सिद्धांतों के लिए खड़ा रहा और खड़ा रहेगा, लड़ता रहेगा। इससे पहले सुबह के समय, बिना किसी संदर्भ के, कुरैशी ने पोस्ट किया, मैंने बहुत पहले ही सीख लिया था कि सूअर के साथ कभी कुश्ती नहीं लड़नी चाहिए। आप गंदे हो जाते हैं, और इसके अलावा, सूअर को यह पसंद है – जॉर्ज बर्नार्ड शॉ। महान लेखक का एक बहुत ही बुद्धिमानी भरा उद्धरण। इस बीच, दिल्ली प्रशासनिक अधिकारी एकेडमी फोरम के मानद अध्यक्ष आईएएस के. महेश ने कुरैशी का समर्थन किया और कहा कि निर्वाचन आयुक्त एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त, दोनों ही पदों पर रहते हुए उन्होंने अद्‌भुत तरीके से काम किया। महेश ने कहा, उन्होंने इन महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को बहुत ही आत्मविश्वास और विशिष्टता के साथ संभाला तथा कई सुधारों को लागू करके निर्वाचन आयोग की संस्था को समृद्ध किया। उदाहरण के लिए, उन्होंने मतदाता शिक्षा प्रभाग, व्यय नियंत्रण प्रभाग की स्थापना की और उन्होंने भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान की भी स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि कुरैशी ने हरियाणा कैडर के सदस्य के रूप में अन्य पदों को भी बहुत ही विशिष्टता के साथ संभाला और भारत को उनके जैसे आईएएस अधिकारी पर गर्व है। महेश ने कहा, डॉ. गोपालकृष्ण गांधी ने भी इस बात को स्वीकार किया है, जो महात्मा गांधी और सी राजगोपालाचारी (पहले भारतीय गवर्नर जनरल) के वंशज हैं। उन्होंने कहा, गोपालकृष्ण गांधी ने डॉ. कुरैशी के बारे में कहा था कि वह हमारे अब तक के सबसे उल्लेखनीय सीईसी में से एक हैं। कई राजनीतिक नेताओं और दलों ने भी कुरैशी का समर्थन किया और दुबे की टिप्पणी की आलोचना की। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दुबे पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें ऐसे पूर्व संवैधानिक अधिकारी पर टिप्पणी करने से बचना चाहिए, जिन्होंने देश की विशिष्ट सेवा की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दुबे पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें ऐसे पूर्व संवैधानिक अधिकारी पर टिप्पणी करने से बचना चाहिए, जिन्होंने देश की विशिष्ट सेवा की है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जिसको उसी के तथाकथित अपने दल ने यह कहकर ख़ारिज कर दिया हो कि उसका विचार व्यक्तिगत है और इस लायक नहीं कि उसकी पुष्टि या समर्थन किया जाए, वह संवैधानिक पद पर सेवाएं दे चुके एक सेवानिवृत्त उच्चाधिकारी के बारे में मुँह न खोले, उसी में उसकी इज़्ज़त है। भाकपा महासचिव डी राजा ने दुबे की टिप्पणी की निंदा की और आरोप लगाया कि भाजपा संविधान का कोई सम्मान नहीं करती। उन्होंने कहा, एसवाई कुरैशी एक चुनाव आयुक्त थे, लेकिन यह आदमी उन्हें मुस्लिम आयुक्त कहता है, यह अत्यधिक निंदनीय है।

प्रौद्योगिकी के वर्चस्व की दौड़ शुरू हो गई है, भारत महज दर्शक बनकर नहीं रह सकताः शीर्ष सैन्य अधिकारी

नई दिल्ली। सेना के मास्टर जनरल सस्टेनेंस (एमजीएस) लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह औजला ने सोमवार को कहा कि प्रौद्योगिकी के वर्चस्व की दौड़ शुरू हो गई है और भारत इस दौड़ में महज दर्शक बनकर नही रह सकता। लेफ्टिनेंट जनरल औजला ने उद्योग जगत से देश के सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए सशस्त्र बलो के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया। अधिकारी ने यहां पीएचडी चैबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित उद्योग संवादात्मक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे वर्चस्व की इस दौड़ मे महज दर्शक बनकर नही रह सकता और उद्योग जगत को इसकी कमान संभालनी होगी। लेफ्टिनेंट जनरल औजला ने घरेलू रक्षा उद्योग क्षेत्र की विभिन्न कंपनियो के प्रतिनिधियो से कहा कि यदि अंतिम उपयोगकर्ता सशस्त्र बल है तो गुणवत्ता निर्णायक कारक होनी चाहिए क्योंकि हम एक राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए काम कर रहे हैं। उन्होने कहा कि उद्योग और सशस्त्र बल भविष्य के बहुत सुरक्षित, मजबूत और बदलते भारत के सह-निर्माता हो सकते है। लेफ्टिनेंट जनरल औजला ने कहा, वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है। भारत भी बदल रहा है और सशस्त्र बल भी बदल रहे है। उन्होने कहा, हमें अलग-अलग नही चलना चाहिए, हमें एक साथ चलना चाहिए, हमें क्षमता निर्माण मे साथी बनना चाहिए। सेना के अधिकारी ने कहा कि जहां तक भविष्य का सवाल है, भारत की सैन्य शक्ति अब केवल बोर्डरूम और अभियान कक्ष मे ही तय नही होगी, बल्कि अब यह अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं, परीक्षण स्थलो और उद्योग की क्षमता के आधार पर भी तय होगी।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस के बच्चों ने पारंपरिक भारतीय परिधान में लोगों का दिल जीता

नई दिल्ली। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ भारत यात्रा पर आए उनके तीन बच्चे विशेष रूप से चुने गए पारंपरिक भारतीय परिधान मे थे जिसने लोगो का दिल जीत लिया। सोमवार को दिल्ली पहुंचने के तुरंत बाद ही उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। वेंस का आठ वर्षीय बेटा इवान और पांच वर्षीय बेटा विवेक सफेद पायजामा के साथ पीले और भूरे रंग का कुर्ता पहने हुए थे जबकि उनकी तीन वर्षीय बेटी मीराबेल चैती हरे रंग का अनारकली सूट और जैकेट पहनी हुई थी। विमान से उतरते ही उनके तीनों बच्चे इस यात्रा को कवर करने वाले फोटोग्राफरों के बीच लोकप्रिय हो गए तथा उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर ट्रेंड करती रही। वेंस और उनकी भारतीय मूल की पत्नी उषा सोमवार को सुबह दिल्ली पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। वेंस सफेद शर्ट और लाल टाई के साथ नेवी ब्लू बिजनेस सूट पहने हुए थे तो वही उनकी पत्नी सफेद ब्लेजर के साथ लाल रंग की लंबी पोशाक मे थी। वेंस परिवार अक्षरधाम मंदिर पहुंचा जहां उन्होंने मंदिर के भव्य अग्रभाग के बाहर तस्वीरों के लिए पोज दिए। वेंस और उनका परिवार अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान जयपुर और आगरा जाएगा। सोमवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति के साथ वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वेंस के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। वेंस के साथ वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी आया है। वेंस एक विशेष विमान से जयपुर पहुंचेंगे और रामबाग पैलेस होटल मे ठहरेंगे।

भारत के 35 स्थानों पर यात्रियों के लिए ओवरहेड ट्रैफिक सिग्नल शेड्स लगाया जाएगा

कानपुर। सीएसआर के तहत डर्मीकूल ईमामी लिमिटेड परिवार की ओर से भारत का प्रमुख प्रिक्ली हीट पाउडर घमौरियों के लिए डर्मोटोलॉजिस्ट द्वारा अनुमोदित एक समाधान है और इसमें श्नीमश् औरतुलसी का डबल पावर है। इस साल की गर्मियों के लिए ब्राण्ड ने कानपुर में एक शानदार पहल की शुरुआत की है। इस पहल के ज़रिये पूरे शहर के प्रमुख ट्रैफिक सिग्नल्स पर अस्थायी शेड्स लगाया गया है। इससे पैदल यात्री मतलब खरीदारी करने और आफिस जाने वाले लोगए विद्यार्थीए साइकिलए टू.व्हीलर और कार चालकों को गर्मी से राहत मिलेगी। एक महीने के लिए लगाए गए इन टेम्परारी शेड्स से लोगों को कुछ दिनों के लिए ही सही पर थोड़ी राहत मिलेगी। इन शेड्स से सूरज की सीधी रौशनी आँखों में भी नहीं पड़ती है और ड्राइवरों को और भी साफदिखता है जिससे संभवत एक सुरक्षित ट्रैफिक परिस्थिति भी तैयार होती है। इस पहल के तहत कानपुर के श्याम नगर क्रॉसिंग में डर्मीकूल ओवरहेड ट्रैफिक सिग्नल शेड्स लगाए गए हैं। गर्मी के इस मौसम में भारत के कई राज्यों में 35 स्थानों पर कई चरणों में ऐसे ही पहलों की शुरुआत की गई है। इन राज्यों में शामिल हैं आन्ध्र प्रदेश, तमिल नाडु,कर्नाटक, महाराष्ट्र,गुजरात, मध्य प्रदेशए पश्चिम बंगाल, बिहार,उत्तर प्रदेश,राजस्थानए पंजाब और दिल्ली जहाँ पर गर्मियों का तापमान लगातार 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक ही रहता है।इन पहलों के साथ गर्मियों के कारण होने वाली असुविधा और त्वचा की समस्या से तुरंत राहत प्रदान करने के लिए ब्राण्ड द्वारा सड़क पर लोगों को डर्मीकूल कूलिंग प्रिक्ली हीट टैल्क के सैंपल भी दिए जा रहे हैं।पिछले साल की भीषण गर्मी के दौरान कोलकाता ;पश्चिम बंगालद्ध एवं कानपुर ;उत्तर प्रदेशद्ध के प्रमुख स्थानों पर इस प्रोजेक्ट की शुरूआत की गई थी। इस पहल को लोगों से काफी सराहना प्राप्त हुई और इसके साथ चुनौती भरे गर्मियों के मौसम में ठंडक भरी राहत प्रदान करने की ब्राण्ड की प्रतिबद्धता को भी लोगों के सामने उजागर किया है।अनुमान के अनुसार 2025 के गर्मी के मौसम मेंए पिछले साल की तुलना में और अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। इसलिए डर्मीकूल द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 35 स्थानों में समर ट्रैफिक शेड्स लगाते हुए इस पहल का विस्तार किया जाएगा। इससे समाज के कल्याण की भावना रखने वाले एक ब्राण्ड के रूप में गर्मियों की चुभती जलती गर्मी से ठंडक भरी राहत प्रदान करने की डर्मीकूल की प्रतिबद्धता को फिर एकबार सबके सामने पेश किया जाएगा।

एआई क्लाइमेट कंट्रोल से चलेंगे एयर कंडीशनर

मुंबई। हायर अप्लायंसेज़ इंडिया ने एयर कंडीशनर की बहुप्रतीक्षित ग्रेविटी सीरीज़ का अनावरण किया है। फ़ैब्रिक फर्निश वाले भारत के एकमात्र एआई क्लाइमेट कंट्रोल एयर कंडीशनर के रूप में, ये फ़ैब्रिक फ़िनिश वाले अभिनव एसी इंटेलिजेंट कूलिंग तकनीक को सहजता से एकीकृत करते हैं, जो आधुनिक घरों की जलवायु समाधानों के लिए नए मानक स्थापित करते हैं। ग्रेविटी सीरीज़ सात शानदार रंगों में उपलब्ध है- मॉर्निंग मिस्ट, मून स्टोन ग्रे, मिडनाइट ड्रीम, गैलेक्सी स्लेट, एक्वा ब्लू, कॉटन कैंडी और व्हाइट- जो समकालीन घरों के इंटीरियर में प्रीमियम टच जोड़ते हुए बेजोड़ कूलिंग करते हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए हायर अप्लायंसेज़ इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने कहा,हायर इंडिया में, हम ऐसे उत्पाद देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो नवाचार को जीवनशैली के साथ सहजता से एकीकृत करते हैं। नई सीरीज़ इस विज़न का प्रतिबिंब है कि एक ऐसा एयर कंडीशनर जो जितना स्टाइलिश है उतना ही इंटेलिजेंट भी है। भारत का एकमात्र एआई क्लाइमेट कंट्रोल वाला यह सीरीज़ ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करते हुए व्यक्तिगत आराम को नए मायने बताती है। हमारे अत्याधुनिक भारतीय विनिर्माण सुविधाओं में निर्मित, यह रेंज हमारी 'मेक इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया' प्रतिबद्धता का एक सच्चा अवतार है - जिसे विशेष रूप से भारतीय उपभोक्ताओं और जलवायु की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है।हायर ग्रेविटी सीरीज़ 5-स्टार एआई क्लाइमेट कंट्रोल एयर कंडीशनर रेंज 51,990 रुपये से शुरू होती है और इसे हायर वेबसाइट, प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म एवं भारत भर के सभी प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर और रिटेल आउटलेट के माध्यम से खरीदा जा सकता है।

स्पेडेक्स मिशन : इसरो ने उपग्रहों की डॉकिंग में दूसरी बार सफलता हासिल की

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पेडेक्स) मिशन के तहत दूसरी बार दो उपग्रहों की डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को यह जानकारी दी। अंतरिक्ष मे डॉकिंग तकनीक तब आवश्यक होती है, जब सामान्य मिशन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कई रॉकेट या अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करने की जरूरत होती है। यह तकनीक दो या उससे अधिक अंतरिक्ष यान को एक साथ जोड़कर या कक्षा मे साथ लाकर एक बड़ी संरचना बनाने तथा सामान की आपूर्ति करने के लिए इस्तेमाल की जाती है। इससे भारत को अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और चंद्रयान-4 अभियान का संचालन करने मे मदद मिलेगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इसरो स्पेडेक्स अपडेट : यह बताते हुए खुशी हो रही है कि उपग्रहो की दूसरी डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। इसरो ने पिछले साल 30 दिसंबर को स्पेडेक्स मिशन शुरू किया था और अंतरिक्ष मे डॉकिंग संबंधी प्रयोग के लिए दो उपग्रह-एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 को कक्षा मे स्थापित किया था। सिंह ने कहा, जैसा कि पहले सूचित किया गया है, पीएसएलवी-सी60स्पेडेक्स मिशन को 30 दिसंबर 2024 को सफलतापूर्वक शुरू किया गया था। इसके बाद उपग्रहो को पहली बार 16 जनवरी 2025 को सुबह छह बजकर 20 मिनट पर सफलतापूर्वक डॉक और 13 मार्च 2025 को सुबह नौ बजकर 20 मिनट पर सफलतापूर्वक अनडॉक (उपग्रहों को अलग करने की प्रक्रिया) किया गया। अगले दोसप्ताह मे आगे के प्रयोगो की योजना बनाई गई है। अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत अंतरिक्ष मे डॉकिंग संबंधी प्रयोग करने वाला चौथा देश है।

ममता हिंदुओं से नफरत करती हैंः भाजपा ने लगाया आरोप

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सोमवार को निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने मुर्शिदाबाद के हिंसा प्रभावित इलाकों का अभी तक दौरा नही किया है क्योंकि वह हिंदुओ से नफरत करती हैं। भाजपा ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की आलोचना करते हुए कहा कि वामपंथी पार्टी ने हिंसा मे मारे गए दो लोगो को अभी तक अपना कार्यकर्ता नही माना है क्योंकि वे दोनो हिंदू थे। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय मे आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, ममता बनर्जी के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद का दौरा नही किए जाने के संबंध मे पूछे गए सवाल के जवाब मे पार्टी सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, वह हिंदुओ से नफरत करती है। मुर्शिदाबाद जिले मे वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी, जिसमे तीन लोगो की मौत हो गई थी जबकि कई अन्य घायल हो गए और कई संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया था।

विश्व नेताओं ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक जताया

भाषा। वेटिकन सिटी-लंदन-मॉस्को

पोप फ्रांसिस के निधन पर सोमवार को दुनिया के विभिन्न देशों के नेताओं ने शोक व्यक्त किया और इसे विश्व के लिए, एक बड़ी क्षति बताया। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि फ्रांसिस के निधन की खबर से हमें अत्यंत दुख हुआ है और हम एक महान व्यक्ति को अलविदा कह रहे हैं। पोप फ्रांसिस का सोमवार सुबह 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया, जो प्रथम लातिन अमेरिकी पोप थे, जिन्होंने अपने करिश्माई व्यक्तित्व, विनम्र स्वभाव तथा गरीबों के प्रति चिंता के साथ पूरी दुनिया में लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। फ्रांसिस फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे। युवावस्था में उनके एक फेफड़े का हिस्सा निकाल दिया गया था। उन्हें 14 फरवरी, 2025 को सांस लेने में तकलीफ के कारण जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह वहां 38 दिन रहे थे। मेलोनी ने कहा, मुझे उनकी मित्रता, उनकी सलाह और उनकी शिक्षाएं प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। इतालवी प्रधानमंत्री ने कहा, उनकी (पोप) शिक्षा और विरासत कभी नष्ट नहीं होगी। हम उन्हें दुख भरे हृदय से विदाई देते हैं, लेकिन हम जानते हैं कि अब वह प्रभु की छाया में हैं। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय और प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने पोप को श्रद्धांजलि अर्पित की। बकिंघम पैलेस द्वारा जारी एक बयान में महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला ने कहा, परम पावन (पोप) को उनकी करुणा, चर्च की एकता के लिए उनकी चिंता और सभी आस्थावान लोगों के सामान्य उद्देश्यों के प्रति उनकी अथक प्रतिबद्धता के लिए याद किया जाएगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट द्वारा जारी स्टॉर्मर के बयान में कहा गया कि विश्व और कैथोलिक चर्च के लिए जटिल और चुनौतीपूर्ण समय में पोप ने शानदार तरीके से नेतृत्व प्रदान किया।स्टॉर्मर ने कहा,

पोप फ्रांसिस गरीबों और दबे-कुचलों के पोप थे। वह मानवीय संवेदना की वास्तविकताओं के करीब थे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने क्रेमलिन की वेबसाइट पर वेटिकन को दिए अपने शोक संदेश में कहा, मुझे कई अवसरों पर असाधारण व्यक्ति के साथ संवाद करने का अवसर मिला। मैं हमेशा उनकी सबसे उज्ज्वल स्मृति को संजोकर रखूंगा। पोप के तौर पर अपने पूरे कार्यकाल के दौरान, उन्होंने रूसी ऑर्थोडॉक्स और रोमन कैथोलिक चर्च के बीच संवाद के विकास को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया। आयरलैंड के विदेश मंत्री साइमन हैरिस ने आशा व्यक्त की कि पोप फ्रांसिस की शिक्षाएं विश्व को प्रेरित करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि न्याय, शांति और मानव गरिमा के प्रति दिवंगत पोप की प्रतिबद्धता ने विश्व भर में लाखों लोगों को प्रभावित किया। हैरिस ने एक बयान में कहा कि गरीबों के कल्याण की चिंता, अंतर-धार्मिक संबंधों में सुधार का आह्वान और पर्यावरण की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के संदेश से फ्रांसिस आशा की किरण और बेजुबानों की आवाज बनकर सामने आए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी पोप के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ब्यूनस आयर्स से लेकर रोम तक पोप फ्रांसिस चाहते थे कि चर्च सबसे गरीब लोगों के लिए खुशी और उम्मीद लेकर आए। इंसान आपस में और प्रकृति के साथ जुड़ें। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ ने पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पोप हर तरह से जनता के व्यक्ति थे। स्कोफ ने एक्स पर लिखा, वैश्विक कैथोलिक समुदाय एक ऐसे नेता को विदाई दे रहा है, जिसने हमारे समय के ज्वलंत मुद्दों को पहचाना और उन पर ध्यान आकृष्ट किया। अपनी संयमित जीवनशैली, सेवा और करुणाभरे स्नेह के साथ पोप फ्रांसिस अनेक लोगों के लिए एक आदर्श थे। इजराइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग ने पोप के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर कहा कि उन्होंने यहूदियों के साथ मजबूत संबंध बनाए और अंतर-धार्मिक संवाद को बढ़ावा दिया। फ्रांसिस ने बार-बार इजराइल के युद्ध आचरण की आलोचना की थी और कहा था कि नरसंहार के आरोपों की जांच होनी चाहिए।

इसहाक ने भारत से भू-रणनीतिक मुद्दों पर मिलकर काम करने का आग्रह किया

भाषा। यरूशलम

इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने सोमवार को विशेष रूप से भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना पर जोर देते हुए भारत से भू-रणनीतिक मुद्दों पर मिलकर काम करके द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने का आग्रह किया। हर्जोग ने इस परियोजना को दुनिया का भविष्य बताया। हर्जोग ने इजराइल में भारत के नवनियुक्त राजदूत जे. पी. सिंह से कहा, हम भारत राष्ट्र और उसके नेतृत्व का बहुत सम्मान करते हैं। इजराइल के लोग आपके देश से प्यार करते हैं। मैं आपके देश का दौरा करने और इजराइल में आपके राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की मेजबानी करने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूं। भारतीय राजदूत सिंह ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास पर एक समारोह में अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया। इजराइल के राष्ट्रपति ने भारत के नए दूत का स्वागत करते हुए कहा, मैं आपके कार्यकाल में आपको अत्यधिक सफलता मिलने की कामना करता हूं। उन्होंने भारत और इजराइल से भू-रणनीतिक मुद्दों, रणनीतिक मुद्दों, बंधकों को घर वापस लाने, ईरान को (परमाणु हथियार प्राप्त करने से) रोकने, शांति और समावेश, कनेक्टिविटी की दिशा में आगे बढ़ने और निश्चित रूप से दोनों देशों के लोगों के बीच अविश्वसनीय संबंधों को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्रों पर बात करते हुए हर्जोग ने आईएमईसी को दुनिया का भविष्य बताया, जिसमें दुनिया की पूरी भू-रणनीतिक स्थिति को बदलने की क्षमता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपकी सबसे बड़ी भूमिका आईएमईसी होगी। आईएमईसी दुनिया का भविष्य है, न कि केवल क्षेत्र का। इजराइल और भारत के बीच संपर्क यूरोप, अमेरिका, सुदूर पूर्व और ऑस्ट्रेलिया में भू-रणनीतिक स्थिति को बदल देगा। यह आप पर निर्भर है और मैं आपकी मदद करने के लिए यहां हूं। आईएमईसी परियोजना की घोषणा 2023 में नई दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत से यूरोप तक बुनियादी ढांचे को जोड़ने, पश्चिम एशिया से एशिया को यूरोप से जोड़ने वाली परियोजना के रूप में की गई थी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे इतिहास की सबसे बड़ी सहयोग परियोजना करार दिया था, जो पश्चिम एशिया, इजराइल का चेहरा बदलने वाली और पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाली होगी। फरवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका के वाशिंगटन की यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे सीधे अमेरिका से जोड़ते हुए कहा था कि वह परियोजना के दायरे को बढ़ाने के लिए भारतीय नेता से सहमत हैं।

पाक सुरक्षा बलों ने पंजाब प्रांत में 10 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सोमवार को प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 10 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक बयान के अनुसार, पंजाब पुलिस और आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) के कर्मियों ने सोमवार तड़के लाहौर से लगभग 325 किलोमीटर दूर पंजाब के मियांवाली जिले के मकरवाल में एक संयुक्त अभियान चलाया। इसमें कहा गया है कि इस अभियान में कम से कम 10 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया गया तथा कई अन्य आतंकी घायल हुए। बयान मे कहा गया है कि इस अभियान में कोई भी कर्मी मारा या घायल नही हुआ। आतंकवादियों की गोलीबारी के कारण एक नागरिक घायल हो गया। पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) डॉ. उस्मान अनवर ने टीटीपी आतंकवादियों के खिलाफ सफल अभियान के लिए मियांवाली पुलिस और सीटीडी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, पंजाब पुलिस प्रांत मे हाई अलर्ट पर है और आतंकवादियों की नापाक योजनाओं को धूल में मिला दिया जाएगा। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने भी 10 आतंकवादियों को मार गिराने के लिए पंजाब पुलिस की प्रशंसा की।

कनाडा में हिंदू मंदिर को विरूपित किया गया

टोरंटो। कनाडा के सरे स्थित एक मंदिर को असामाजिक तत्वों ने विरूपित कर दिया और इसके प्रवेश द्वार तथा स्तंभों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिख दिए। मंदिर प्रबंधन ने एक बयान में कहा कि यह घटना 19 अप्रैल को सरे स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में हुई। बयान में कहा गया, हम गहरे दुख के साथ समुदाय को 19 अप्रैल, 2025 को तड़के लगभग 3:00 बजे हुई एक परेशान करने वाली घटना की जानकारी दे रहे हैं। दो अज्ञात व्यक्तियों ने सरे में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर को विरूपित किया और प्रवेश द्वार तथा मंदिर के स्तंभों पर खालिस्तान शब्द लिख दिया। इसके अलावा, इस कृत्य के दौरान सुरक्षा कैमरा भी चुरा लिया गया।बयान में कहा गया, हम घृणा और चोरी के इस कृत्य की कड़ी निंदा करते है, जो न केवल एक अपराध है, बल्कि एक पवित्र स्थान पर सीधा हमला है। इसमें कहा गया कि सरे पुलिस के समक्ष आधिकारिक तौर पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और जांच में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है। बयान में कहा गया, हम नेताओ से आग्रह करते है कि वे इस घृणा अपराध की निंदा करने में हमारा साथ दें। कनाडा के सम्मानजनक और विविधतापूर्ण समाज मे उपासना स्थलो पर हमलो के लिए कोई जगह नही है।

गर्मी में ठंडी चीजों का ज्यादा होगी मांग

मुंबई। अमेज़न इन आपको पूरे मौसम में ठंडा और आरामदायक रहने में मदद करने के लिए मौजूद है। ताज़ा और ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों से लेकर, पालतू जानवरों की देखभाल के लिए ज़रूरी सामान और शिशु देखभाल उत्पादों तक, इस वन-स्टॉप डेस्टिनेशन में तेज़ और विश्वसनीय डिलीवरी की सुविधा के साथ गर्मियों की हर ज़रूरी चीज की विस्तृत श्रृंखला मौजूद है। ग्राहक अमेजन पे का उपयोग करके अतिरिक्त बचत और सुविधा का भी आनंद ले सकते हैं; प्राइम सदस्यों को 10 लाख से अधिक उत्पादों पर उसी दिन डिलीवरी का आनंद मिलता है। चाहे आप धूप में बाहर जाने की योजना बना रहे हों या घर के अंदर शीतलता पाने के तरीके खोज रहे हों, अमेज़न.इन यह सुनिश्चित करता है कि आपको लिक्विड आई.वी., स्लीपी आउल, ग्लूकोन-डी, हिमालय, बैम्बो नेचर, पेटविट और गूफी टेल्स जैसे शीर्ष ब्रांडों से सभी आवश्यक उत्पाद सीधे आपके घर के दरवाजे तक पहुंचाई जाएं।

अमेरिका के बड़े हवाई अड्डों के पास विमानों के लिए ड्रोन का खतरा बढ़ रहा : रिपोर्ट

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के प्रमुख हवाई अड्डों के पास उड़ान भरते या उतरते वाणिज्यिक विमानों के लिए ड्रोन एक गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। पिछले साल ड्रोन से जुड़े लगभग दो-तिहाइ करीबी टक्करें के मामलों की पुष्टि हुई, जो वर्ष 2020 के बाद सबसे अधिक हैं। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा किए गए विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है।रिपोर्ट के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नवंबर में एक यात्री विमान से मात्र 300 फुट की दूरी पर एक ड्रोन दिखाई दिया। अक्टूबर में मियामी और अगस्त में नेवार्क हवाई अड्डे के पास भी इसी तरह की घटनाएं हुईं, जिन्हें निकट हवाई टक्कर श्रेणी में रखा गया।पिछले एक दशक में करीबी टक्कर के 240 दर्ज मामलों में से 122 मामले ड्रोन से संबंधित थे। विशेषज्ञों ने बताया है कि विशेषकर हवाई अड्डों के पास इस तरह की घटनाएं विनाशकारी हो सकती हैं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने ऐसे खतरों को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। 250 ग्राम से अधिक वजन वाले ड्रोन के लिए पंजीकरण और रेडियो ट्रांसपोंडर अनिवार्य किया गया है। साथ ही, हवाई अड्डों के पास ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध है, हालांकि इसका पालन कराना चुनौतीपूर्ण है।एफएए हवाई अड्डों के पास ड्रोन को पहचानने और निष्क्रिय करने के लिए जैमिंग, माइक्रोवेव और लेजर तकनीकों का परीक्षण कर रहा है। विशेषज्ञों ने ट्रांसपोंडर को ट्रैक कर जुर्माना भेजने और जियोफेंसिंग जैसे तकनीकी उपायों को अनिवार्य करने की सिफारिश की है।हालांकि, प्रमुख ड्रोन निर्माता दाजियांग इनोवेशन (डीजेआई) ने जनवरी में अपनी जियोफेंसिंग सुविधा हटा दी। एफएए ने अभी तक इसे अनिवार्य करने पर कोई फैसला नहीं लिया है।ड्रोन से जुड़ी घटनाओं में हाल ही में दो लोगों को बोस्टन में गिरफ्तार किया गया और कैलिफोर्निया में एक ड्रोन के विमान से टकराने पर ऑपरेटर को दोषी ठहराया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी कड़ी कार्वाई से भविष्य में ड्रोन से होने वाले खतरों को कम किया जा सकता है।

अमेरिका पहुंचे राहुल ने निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया

● भाजपा ने उन्हें देशद्रोही बताया

बोस्टन-नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए भारत की चुनावी प्रक्रिया पर एक बार फिर सवाल खड़े किए और आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग की (सरकार के साथ) मिलीभगत है। उन्होंने अमेरिका के बोस्टन में यह भी दावा किया कि भारत की चुनावी प्रणाली में कुछ न कुछ गड़बड़ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी इस टिप्पणी को लेकर उन्हें देशद्रोही करार दिया और नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्वाई को लेकर निर्वाचन आयोग पर अपनी भड़ास निकालने का आरोप लगाया।राहुल गांधी शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर अमेरिका पहुंचे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने रविवार को यहां एक

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दावा किया कि सरल शब्दों में कहें तो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज्य में वयस्कों की संख्या से ज्यादा लोगों ने मतदान किया। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने हमें शाम 5:30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए और शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच 65 लाख मतदाताओं ने मतदान कर दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि इतने समय में इतने अधिक लोगों का मतदान केंद्र तक पहुंच कर वोट डालना संभव नहीं है।उनके मुताबिक, एक मतदाता को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं और अगर हिसाब लगाएं तो इसका मतलब है कि मतदाताओं की कतारें देर रात 2 बजे तक लगी रही होंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।उन्होंने कहा, जब हमने उनसे वीडियोग्राफी के लिए कहा, तो उन्होंने न केवल इनकार कर दिया, बल्कि उन्होंने कानून भी बदल दिया ताकि अब हमें वीडियोग्राफी के लिए कहने की अनुमति न मिले। गांधी ने कहा, यह हमारे लिए बिल्कुल स्पष्ट है कि निर्वाचन आयोग की (सरकार से) मिलीभगत है और यह भी स्पष्ट है कि प्रणाली में कुछ गड़बड़ है। मैं कई बार यह बात कह चुका हूं। गांधी की टिप्पणी पर निशाना साधते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने नई दिल्ली में कहा, आप प्रवर्तन निदेशालय (की नेशनल हेराल्ड मामले में कार्वाई) की वजह से निर्वाचन आयोग पर भड़ास निकाल रहे हैं। ऐसा करने से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ईडी आपको नहीं छोड़ेगी क्योंकि एजेंसियां तथ्यों के आधार पर काम करती हैं। आपको नहीं छोड़ा जाएगा।

हांगकांग मुद्दे पर अमेरिका से तनातनी: चीन लगाएगा अमेरिकी अधिकारियों और नेताओं पर प्रतिबंध

हांगकांग। चीन ने सोमवार को ऐलान किया कि वह उन अमेरिकी सांसदो, अधिकारियों और गैर सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) के प्रमुखों पर प्रतिबंध लगाएगा जिन्होंने हांगकांग से जुड़े मामलो में "खराब भूमिका" निभाई है।यह फैसला अमेरिका द्वारा मार्च मे छह चीनी और हांगकांग अधिकारियो पर प्रतिबंध लगाने के जवाब मे लिया गया है। अमेरिका ने इन अधिकारियो पर "अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दमन" और हांगकांग की स्वायत्तता को कमजोर करने के आरोप लगाए थे। इनमें न्याय मंत्री पॉल लैम, सुरक्षा निदेशक डोंग जिंगवेई और पूर्व पुलिस आयुक्त रेमंड सिउ शामिल है।बीजिंग मे चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने इन अमेरिकी कदमो को "घृणित" बताते हुए कहा कि यह हांगकांग के मामलो मे गंभीर हस्तक्षेप और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। उन्होने चेतावनी दी कि हांगकांग, चीन का आंतरिक मामला है और किसी भी बाहरी दखल का चीन सख्ती से जवाब देगा।गुओ ने बताया कि यह कार्वाई चीन के विदेश रोधी प्रतिबंध कानून के तहत की जा रही है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नही किया कि किन अमेरिकी व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे।यह ताज़ा विवाद ऐसे समय मे आया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव जारी है। साथ ही, चीन ने अन्य देशों को भी चेतावनी दी है कि वे अमेरिका से ऐसे व्यापारिक समझौते न करें जो चीन के हितों के खिलाफ हों।

घरेलू से लेकर व्यावसायिक जल शोधन तक का किया अंतरराष्ट्रीय विस्तार

नई दिल्ली। जल शोधन तकनीक में 1986 से अग्रणी कंपनी ज़ीरोबी ने अब घरेलू जल समाधान के साथ.साथ व्यावसायिक जल समाधान में भी अपने विस्तार की घोषणा की है। इस कदम से कंपनी ने आधुनिक जल प्रबंधन समाधान देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। कंपनी के बिजनेस हेड और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट योगेश बाजपेयी ने हाल ही में नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि ज़ीरोबी अब वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर अपने कारोबार का विस्तार कर रही है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने नेपाल में अपनी सेवाएं शुरू करके अंतरराष्ट्रीय विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।इस अवसर पर बाजपेयी ने बताया कि कंपनी वित्तवर्ष 2025.26 में पानी बचाने वाले स्मार्ट सिस्टम और डिजिटल सेवाओं पर फोकस करेगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि ज़ीरोबी जल्द ही भारत का पहला हाइड्रोजन वॉटर प्यूरीफायर और पॉकेट वॉटर प्यूरीफायर लॉन्च करने जा रही हैए जो विशेष रूप से सेना और आम नागरिकों के लिए उपयोगी होगा। नई दिल्ली के भीकाजी कामा प्लेस में कंपनी का नया क्षेत्रीय कार्यालय खोला गया है, जो उत्तर भारत में संचालन और सेवाओं का मुख्य केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा दिवाली तक वॉटर प्यूरीफायर की बहुत बड़ी रेंज लॉन्च कर रहे हैंए जो आम आदमी के घर में आसानी से जगह बनाएगी और इसकी कीमत भी बहुत ज्यादा नहीं रहेगी। हमारे पास प्यूरीफायर की हर तरह की रेंज उपलब्ध है कृ चाहे वह नॉर्मल वॉटर प्यूरीफायर होए आरओ होए अल्कलाइन वॉटर हो या हाइड्रोजन वॉटर प्यूरीफायर। जल्दी ही हम दुनिया के कई अन्य बड़े देशों तक अपनी पहुंच बढ़ाएंगे और अपने व्यापार का विस्तार करेंगे। योगेश बाजपेयी ने दावा किया कि हम जिस कीमत में गुणवत्ता प्रदान कर रहे हैं, वह पूरी दुनिया में कोई कंपनी नहीं दे सकती। उन्होंने कहा कि उनकी आर एंड डी टीम अत्याधुनिक तकनीक के साथ हर उत्पाद को बाजार में लाती हैए जिससे उपभोक्ताओं को पूर्ण संतुष्टि मिलती है। आयन एक्सचेंज की 1964 से चली आ रही विरासत से शुरू हुई ज़ीरोबी आज भारत में वाटर सॉफ्टनर टेक्नोलॉजी का जाना.पहचाना नाम है। कंपनी ने भारत का पहला रिवर्स ऑस्मोसिस सिस्टम तैयार किया और अब 699 से लेकर 30 लाख तक के जल समाधान उपलब्ध कराकर हर बजट और जरूरत को पूरा कर रही है।

श्रीलंका के कार्डिनल ने ईस्टर संडे जांच को लेकर डीप स्टेट को खत्म करने पर जोर दिया

कोलंबो। श्रीलंका मे स्थानीय कैथोलिक गिरजाघर के प्रमुख कार्डिनल मैल्कम रंजीत ने सोमवार को देश के अंदर डीप स्टेट को खत्म करने पर जोर दिया। कार्डिनल का आरोप है कि देश के अंदर मौजूद ए डीप स्टेट (नीति-निर्माण को नियंत्रित करने वाले प्रभावशाली, ताकतवर गैर सरकारी तत्व) ही 2019 के ईस्टर संडे हमलो मे विश्वसनीय जांच को रोकने के लिए जिम्मेदार है। आईएसआईएस से जुड़े स्थानीय इस्लामी चरमपंथी समूह नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) के नौ आत्मघाती हमलावरों ने 21 अप्रैल, 2019 को तीन गिरजाघरों और कई आलीशान होटलो में सिलसिलेवार विनाशकारी विस्फोट को अंजाम दिया था, जिसमे 11 भारतीयो सहित 258 लोग मारे गए थे। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से इस घटना के छह साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित स्मृति संबोधन में पांच सूत्री अनुरोध करते हुए रंजीत ने कहा, डीप स्टेट समूह के संचालन को समाप्त करने के लिए कानून बनाए जाने चाहिए। उनका संबोधन ऐसे समय मे आया है जब दिसानायके ने रविवार को कहा कि उनके पूर्ववर्ती मैत्रिपाला सिरिसेना द्वारा नियुक्त 2019 की राष्ट्रपति समिति की रिपोर्ट को सीआईडी (अपराध अन्वेषण विभाग) को भेजा गया था। रंजीत ने समिति की रिपोर्ट की अनदेखी करने के लिए सिरीसेना के उत्तराधिकारी गोटबाया राजपक्षे से सार्वजनिक रूप से बहस की थी। समिति की रिपोर्ट मे पूर्व खुफिया जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद लापरवाही करने के आरोप मे सिरीसेना, रक्षा और खुफिया अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्वाई की सिफारिश की गई थी। पीड़ितों को न्याय दिलाने के वास्ते उचित ध्यान नही दिए जाने से नाराज कैथोलिक अल्पसंख्यक ने पिछले साल के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान दिसानायके का समर्थन किया था। दिसानायके ने सोमवार को जिम्मेदार लोगों का पर्दाफाश करने और हमलो के मास्टरमाइंड की घोषणा करने का वादा किया था। रंजीत ने दिसानायके से राष्ट्रपति चुने जाने पर पिछले साल अक्टूबर में किए गए अपने वादे को निभाने का आग्रह किया।

वेटिकन ने आईएस से जुड़े विस्फोटों में मारे गए 167 श्रीलंकाई लोगों को धर्म साक्षी नामित किया

कोलंबो। श्रीलंका के कैथोलिक चर्च ने कहा है कि वेटिकन ने छह साल पहले आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट से जुड़े आत्मघाती बम विस्फोटों मे मारे गए अपने 167 अनुयायियों को धर्म साक्षी के रूप मे नामित किया है। हमलो मे मारे गए लोगो की याद मे सोमवार को ईसाई, बौद्ध, हिंदू और इस्लाम धर्म से जुड़े सैकड़ों लोगों ने सेंट एंथनी चर्च मे एक प्रार्थना सभा में भाग लिया। कोलंबो के आर्कबिशप कार्डिनल मैल्कम रंजीत ने उपस्थित लोगो को बताया कि वेटिकन ने कोलंबो स्थित सेंट एंथनी और नेगोम्बो स्थित सेंट सेबेस्टियन गिरजाघरो मे बम विस्फोटो मे मारे गए 167 कैथोलिक लोगों के नाम अपनी ऑर्डर बुक में धर्म साक्षी के रूप में शामिल किए है। रंजीत ने यह भी कहा कि अन्य धर्मों के सात मृतकों को भी सम्मानपूर्वक याद किया गया। अपने धर्म के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले लोगों को ईसाई धर्म में धर्म साक्षी कहा जाता है। कैथोलिक धर्म का पालन करते हुए जान गंवाने वाले लोगों के लिए चर्च से मान्यता की संबंधित नई श्रेणी को पोप फ्रांसिस ने 2023 मे औपचारिक रूप दिया था और ऐसे मामलो को सूचीबद्ध करने के लिए एक विशेष वेटिकन आयोग का गठन किया था। श्रीलंका में 21 अप्रैल, 2019 को ईस्टर संडे के दौरान तीन पर्यटक होटलों और तीन गिरजाघरों (दो कैथोलिक और एक प्रोटेस्टेंट) मे लगभग एक साथ हुए बम विस्फोटों मे 42 विदेशियो सहित 260 से अधिक लोग मारे गए थे। ब्रिटिश टेलीविजन चैनल 4 द्वारा एक व्यक्ति का साक्षात्कार लिए जाने के बाद श्रीलंका में कैथोलिक चर्च ने हमलों की आगे की जांच की मांग की है। साक्षात्कार मे संबंधित व्यक्ति ने कहा कि उसने इस्लामिक स्टेट से प्रेरित स्थानीय संगठन नेशनल तौहीद जमात और एक शीर्ष सरकारी खुफिया अधिकारी के बीच एक बैठक की व्यवस्था की थी, जिसका उद्देश्य श्रीलंका में असुरक्षा पैदा करने और पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को उसी वर्ष बाद में राष्ट्रपति चुनाव जीतने में सक्षम बनाने की साजिश रचना था।

कौन कार्डिनल अगला पोप बनने के दावेदार हैं?

वेटिकन सिटी। पोप के चयन की प्रक्रिया बहुत पवित्र और गोपनीय होती है और यह कोई लोकप्रियता की प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह चर्च द्वारा ईश्वरीय प्रेरणा से किया गया चयन होता है। फिर भी, हमेशा अग्रणी उम्मीदवार होते हैं, जिन्हें "पापाबिली" के नाम से जाना जाता है, जिनमें कुछ ऐसे गुण होते हैं जो पोप बनने के लिए आवश्यक माने जाते हैं। बहुत कुछ वैसे ही जैसे पिछले वर्ष की ऑस्कर-नामांकित फिल्म "कॉन्क्लेव" में दर्शाए गए थे। बपतिस्मा प्रक्रिया से गुजरा कोई भी कैथोलिक पुरुष पोप बनने के लिए पात्र होता है। पोप उस व्यक्ति को चुना जाता है जिसे कार्डिनल के कम से कम दो-तिहाई वोट प्राप्त होते हैं। कार्डिनल पीटर एर्दो-बुडापेस्ट के आर्कबिशप और हंगरी के प्राइमेट 72 वर्षीय एर्दो को 2005 और 2011 में दो बार काउंसिल ऑफ यूरोपीयन एपिस्कोपल कॉन्फ्रेंस का प्रमुख चुना

गया था। इससे पता चलता है कि उन्हें यूरोपीय कार्डिनल की मान्यता प्राप्त है, जिनसे मतदाताओं का सबसे बड़ा समूह बनता है। उक्त पद पर रहते हुए एर्दो का कई अफ्रीकी कार्डिनल से परिचय हुआ क्योंकि काउंसिल अफ्रीकी बिशप कान्फ्रेंस के साथ नियमित सत्र आयोजित करती है।

कार्डिनल रेनहार्ड मार्क्स- मार्क्स (71) म्यूनिख और फ्रीजिंग के आर्कबिशप हैं। उन्हें फ्रांसिस ने 2013 में एक प्रमुख सलाहकार चुना था। बाद में मार्क्स को सुधारों के दौरान वेटिकन के वित्त की देखरेख करने वाली परिषद का प्रमुख नियुक्त किया गया। कार्डिनल मार्क ओउलेट-कनाडा के 80 वर्षीय ओउलेट ने एक दशक से अधिक समय तक वेटिकन के प्रभावशाली बिशप कार्यालय का नेतृत्व किया। ओउलेट को फ्रांसिस की तुलना में अधिक रूढ़िवादी माना जाता है। लातिन अमेरिकी चर्च के साथ उनके अच्छे संपर्क हैं। उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक लातिन अमेरिका के लिए वेटिकन के पोंटिफिकल कमीशन का नेतृत्व किया है। कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन-इटली के 70 वर्षीय पारोलिन को कैथोलिक पदानुक्रम में उनकी प्रमुखता को देखते हुए पोप बनने के प्रमुख दावेदारों में से एक माना जाता है। पारोलिन लातिन अमेरिकी चर्च को अच्छी तरह से जानते हैं। हालांकि पारोलिन ने वेटिकन की नौकरशाही का प्रबंधन किया है, लेकिन उनके पास कोई वास्तविक पादरी अनुभव नहीं है। कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट- अमेरिकी पोप का विचार लंबे समय से वर्जित रहा है, क्योंकि भू-राजनीतिक शक्ति पहले से ही अमेरिका के पास है। हालांकि शिकागो में जन्मे 69 वर्षीय प्रीवोस्ट ऐसे पहले पोप हो सकते हैं। उनके पास पेरू का व्यापक अनुभव है, पहले एक मिशनरी के रूप में और बाद में एक आर्कबिशप के रूप में। फ्रांसिस की उन पर वर्षों से नजर थी और उन्होंने 2014 में उन्हें पेरू के चिकलायो डायोसिस का कार्यभार संभालने के लिए भेजा था। वह 2023 तक उस पद पर रहे, फिर फ्रांसिस ने उन्हें रोम बुला लिया। कार्डिनल रॉबर्ट सारा-गिनी के 79 वर्षीय सारा, वेटिकन के लिटर्जी कार्यालय के सेवानिवृत्त प्रमुख हैं। उन्हें लंबे समय से एक अफ्रीकी पोप के लिए सबसे अच्छी उम्मीद माना जाता था। वह रूढ़िवादियों के प्रिय हैं।

यमन में अमेरिका के हवाई हमलों में 12 लोगों की मौत: हूती विद्रोही

भाषा। दुबई

यमन की राजधानी को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी हवाई हमलों में 12 लोगों की मौत हो गई है और 30 अन्य लोग घायल हुए हैं। हूती विद्रोहियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर लगातार हमले कर रहा है। बहरहाल, अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने रविवार को हुए इन हमलों की जिम्मेदारी लेने वाला कोई बयान अभी तक जारी नहीं किया है। हूती विद्रोहियों ने बताया कि ए हमले सना के शूब जिले में फरवा बाजार पर किए गए। इस क्षेत्र को अमेरिका ने पहले भी निशाना बनाया है।रविवार को हुए इन हमलों में देश के अन्य इलाकों को भी निशाना बनाया गया।

पोप फ्रांसिस के निधन के बाद कैथोलिक चर्च के नए प्रमुख को चुनने की क्या होगी प्रक्रिया

भाषा। वेटिकन सिटी

पोप के निधन के साथ ही सदियों पुरानी रस्म शुरू हो गई है, जिसमें उनके उत्तराधिकारी को चुनने के लिए कार्डिनल शपथ लेंगे, मतपत्रों की गिनती के बाद इन्हें धागा लगी सुई से छेदा जाता है और फिर उन्हें जलाकर सफेद या काला धुआं निकाला जाता है। इस रस्म का उद्देश्य यह संकेत देना होता है कि विश्व के 1.3 अरब कैथोलिकों के लिए अब एक नया नेतृत्व आ गया है। चुनाव में पूरी गोपनीयता बरती जाती है। मतदान सिस्टिन चैपल के अंदर होता है। सेंट जॉन पॉल द्वितीय ने 1996 के एक दस्तावेज में पोप के चुनाव के नियमों को फिर से लिखा जो अभी भी काफी हद तक लागू है, हालांकि पोप बेनेडिक्ट16वें ने पद से इस्तीफा देने से पहले दो बार इसमें संशोधन किया था। अपने विनम्र स्वभाव और गरीबों के प्रति चिंता एवं करूणा का भाव रखने वाले तथा एक सहृदय पोप के

रूप में विश्व पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले कैथोलिक समुदाय के पहले लैटिन अमेरिकी पादरी, पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। जब पद पर रहने के दौरान किसी पोप का निधन हो जाता है तो क्या होता है। इस अवधि को रिक्त पद के रूप में जाना जाता है। प्रभारी कौन होते हैं? पोप का निधन हो जाने की स्थिति में कैमरलेंगो या चैम्बरलेन को मृत्यु को प्रमाणित करना होगा और पोप के अपार्टमेंट को सील करना होगा। वह नए पोप के पदभार ग्रहण करने तक वेटिकन के प्रशासनिक और वित्तीय दायित्वों का निर्वहन करते हैं। पोप का निधन हो जाने पर वेटिकन के लगभग सभी पदाधिकारी अपनी नौकरी गंवा देते हैं, लेकिन कुछ लोग पद पर बने रहते हैं, जिनमें विदेश मंत्री और धार्मिक अनुष्ठानों के संचालक शामिल हैं, जो कॉन्क्लेव (नए पोप के चयन के लिए वेटिकन की गुप्त प्रक्रिया) को आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दिवंगत पोप के अंतिम संस्कार के बाद, नौ दिनों का आधिकारिक शोक रखा जाता है। इस अवधि के दौरान, कार्डिनल रोम पहुंचते हैं। सभी को एकत्र होने का समय देने के लिए, कॉन्क्लेव को पोप का पद रिक्त घोषित होने के 15 से 20 दिन बाद शुरू किया जाना चाहिए, हालांकि कार्डिनल के सहमत होने पर इसे पहले भी शुरू किया जा सकता है। पोप के चुनाव में कौन-कौन भाग ले सकता है? केवल 80 वर्ष से कम आयु के कार्डिनल ही इसके पात्र हैं तथा वर्तमान नियमों के अनुसार निर्वाचकों की अधिकतम संख्या 120 है। हाल ही में अद्यतन किए गए वेटिकन के आंकड़ों के अनुसार, 80 वर्ष से कम आयु के 135 कार्डिनल मतदान के पात्र हैं, हालांकि यह संख्या कॉन्क्लेव शुरू होने से पहले बदल सकती है। हालांकि, 80 वर्ष से अधिक आयु के लोग मतदान नहीं कर सकते, लेकिन वे चुनाव पूर्व बैठकों में भाग ले सकते हैं, जिन्हें सामान्य सभाएं कहा जाता है, जिनमें चर्च की समस्याओं पर चर्चा की जाती है। पोप के पद के लिए संभावित उम्मीदवार कौन हैं? ईसाई के रूप में दीक्षित कोई भी रोमन कैथोलिक पुरुष पोप बनने के योग्य है, लेकिन 1378 से केवल कार्डिनल ही इस पद पर चुने गए हैं। वर्तमान में कुछ प्रमुख उम्मीदवार हैं: -इटली के कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन (70) जो फ्रांसिस के विदेश मंत्री और एक अनुभवी वेटिकन राजनयिक हैं। -कनाडा के कार्डिनल मार्क ओउलेट (80)। वह 2010 से 2023 तक वेटिकन के बिशप कार्यालय के प्रमुख रहे हैं। -ऑस्ट्रिया के कार्डिनल क्रिस्टोफ स्कोनबोर्न (80)। वह पोप बेनेडिक्ट16वें के शिष्य रहे हैं।-फिलीपीन के कार्डिनल लुइस टैगले (67)। वह फ्रांसिस द्वारा वेटिकन के विशाल मिशनरी कार्यालय का नेतृत्व करने के लिए लाए गए थे। इटली के कार्डिनल मैटेओ ज़ुप्पी (69), जिन्होंने इतालवी बिशप सम्मेलन का नेतृत्व किया था।

गुजरात के आगे ढेर हो गया केकेआर

●टाइटंस ने नाइट राइडर्स को 39 रनों हराया

भाषा। कोलकाता

गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को 39 रन से हराया। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन के अर्धशतक से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ तीन विकेट पर 198 रन बनाए।गिल ने 55 गेंद में 10 चौकों और तीन छक्कों से 90 रन की पारी खेलने के अलावा सुदर्शन (52) के साथ पहले विकेट के लिए 114 और जोस बटलर (नाबाद 41) के साथ दूसरे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी करके टाइटंस को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। सुदर्शन ने 36 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और एक छक्का मारा जबकि बटलर ने 23 गेंद का सामना करते हुए आठ चौके मारे। नाइट राइडर्स की ओर से वैभव अरोड़ा (44 रन पर एक विकेट) और हर्षित राणा (45 रन पर एक विकेट) काफी महंगे साबित हुए। इन दोनों के अलावा आंद्रे रसेल (13 रन पर एक विकेट) ने भी एक विकेट चटकाया।

राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद और गिल और सुदर्शन ने पावर प्ले में 45 रन जोड़कर टीम को सतर्क शुरुआत दिलाई।सुदर्शन ने मोईन अली पर पारी का पहला चौका जड़ा और फिर वैभव अरोड़ा पर भी दो चौके मारे जबकि गिल ने हर्षित राणा का स्वागत लगातार दो चौकों के साथ किया। गिल ने सातवें ओवर में मोईन को निशाना बनाते हुए लगातार गेंदों पर छक्का ओर दो चौके मारे। गिल ने 11वें ओवर में हर्षित की गेंद पर एक रन के साथ 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। सुदर्शन ने इसी ओवर में छक्के के साथ टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया और फिर अगली गेंद पर दो रन के साथ 33 गेंद में अर्धशतक जड़ा। रहाणे ने इसके बाद गेंद आंद्रे रसेल को थमाई जिन्होंने अपनी दूसरी ही गेंद पर सुदर्शन को विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। बटलर ने रसेल पर लगातार तीन चौकों के साथ शुरुआत की और फिर हर्षित पर दो चौकों के साथ 15 ओवर में टीम का स्कोर एक विकेट पर 139 रन तक पहुंचाया। गिल ने वरुण चक्रवर्ती पर लगातार दो चौकों के साथ 16वें ओवर में टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। टाइटंस के कप्तान गिल ने अगले ओवर में अरोड़ा की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा लेकिन अगली गेंद पर रिंकू सिंह को कैच दे बैठे। हर्षित ने अगले ओवर में राहुल तेवतिया को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। बटलर ने अरोड़ा के पारी के अंतिम ओवर में लगातार दो चौके मारे जबकि एम शाहरूख खान (नाबाद 11) ने छक्का जड़कर टीम का स्कोर 200 रन के करीब पहुंचाया।

स्कोरबोर्ड

गुजरात टाइटंस: साई का गुरबाज बो रसेल 52 ,गिल का रिंकू बो अरोड़ा 90,बटलर नाबाद 41,तेवतिया का रमनदीप बो हर्षित 00,शाहरूख खान नाबाद 11,**अतिरिक्त:** 04,कुल:20 ओवर में तीन विकेट पर: 198 रन,**विकेट पतन:** 1-114, 2-172, 3-177,**गेंदबाजी:**अरोड़ा 4-0-44-1,मोईन 3-0-27-0,हर्षित 4-0-45-1,चक्रवर्ती 4-0-33-0,नारायण 4-0-36-0,रसेल 1-0-13-1।

बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध: रोहित, विराट शीर्ष श्रेणी में बरकरार

●अय्यर और किशन की वापसी

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी के लिए आईपीएल मैच जिताने वाली शानदार पारियां खेलने के 24 घंटे से भी कम समय बाद सोमवार को मेगास्टार रोहित शर्मा और विराट कोहली को खिलाड़ियों की अपनी वार्षिक अनुबंध सूची में शीर्ष श्रेणी में बरकरार रखा। अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची से बाहर चल रहे श्रेयस अय्यर और इशान किशन की केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की 34 सदस्ईय सूची में निचले वर्ग में वापसी हुई है जिसमें सबसे अधिक राशि वाले ए प्लस वर्ग में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा भी शामिल हैं।अय्यर और विकेटकीपर बल्लेबाज किशन को पिछले साल घरेलू क्रिकेट की अनदेखी करने के कारण सूची से हटा दिया गया था। रोहित और कोहली दोनों ही ए प्लस श्रेणी में हैं लेकिन यह देखना होगा कि मुंबई के बल्लेबाज को इंग्लैंड में आगामी पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में टीम की अगुआई करने का मौका दिया जाता है या नहीं क्योंकि लाल गेंद के प्रारूप में उनका प्रदर्शन खराब रहा है।बीसीसीआई के आला अधिकारियों ने हालांकि इस मुद्दे पर चुप्पी साधी हुई है क्योंकि अंतिम निर्णय लेने में मुख्य कोच गौतम गंभीर की राय भी मायने रखेगी। बीसीसीआई चार श्रेणियों में अनुबंध प्रदान करता है जो ए प्लस, ए, बी और सी है और इनकी वार्षिक रिटेनर राशि क्रमश: सात करोड़ रुपए, पांच करोड़ रुपए, तीन करोड़ रुपए और एक करोड़ रुपए है। पता चला है कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने मुख्य कोच गंभीर और सचिव देवजीत सैकिया के साथ चर्चा के बाद कम से कम दो सप्ताह पहले अनुबंध सूची तैयार कर ली थी लेकिन घोषणा को रोक दिया। दिलचस्प बात यह है कि दोनों दिग्गजों के आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के कुछ घंटों बाद ही अनुबंधित खिलाड़ियों की घोषणा की गई है। कोहली ने रविवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ नाबाद 73 रन की पारी खेली जबकि इसी दिन खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 76 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। अय्यर को बी श्रेणी में शामिल किया गया है जबकि किशन ने सी श्रेणी में वापसी की। भीषण दुर्घटना से उबरने के कारण 2023-24 सत्र के दौरान ग्रुप बी में खिसका दिए गए ऋषभ पंत की संन्यास ले चुके रविचंद्रन अश्विन जगह ए श्रेणी में वापसी हुई है। केंद्रीय अनुबंध खिलाड़ी के पिछले साल के प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है। ए प्लस श्रेणी में ऐसे खिलाड़ियों को जगह मिलती है जिनका सभी प्रारूपों में खेलना लगभग तय है। ए श्रेणी उन खिलाड़ियों के लिए है जिनका टेस्ट मैच में खेलना तय है और समय-समय पर अन्य दो प्रारूप भी खेलते हैं। श्रेणी बी उन खिलाड़ियों के लिए है जो कम से कम दो प्रारूप नियमित रूप से खेलते हैं और सी श्रेणी नए खिलाड़ियों और एक प्रारूप के विशेषज्ञों के लिए है। कई लोग सवाल करेंगे कि रोहित, कोहली और जडेजा को ए प्लस श्रेणी में कैसे रखा गया जबकि तीनों ने पहले ही सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी है?

भारतीय मुक्केबाजों ने एशियाई मैच में जीत का सिलसिला जारी रखा

अम्मान (जॉर्डन)। भारतीय मुक्केबाजो ने एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन जीत का सिलसिला जारी रखा। भारतीय स्कूल खेल महासंघ (एसजीएफआई) के स्वर्ण पदक विजेता टीकम सिंह (52 किग्रा) ने तीसरे दौर मे रैफरी द्वारा मुकाबला रोकने (आरएससी) के बाद यूएई के अली अल्मेस्मारी के खिलाफ जीत दर्ज की। उधम सिंह (54 किग्रा) ने ईशान के मोहम्मदपरसा मोटेवालियनस्तानहसारी को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की जबकि राहुल गरिया (57 किग्रा) ने शुरुआती दौर मे आरएससी के फैसले के साथ चीनी ताइपे के ली शू-जुन को हराया।

भले ही हम क्वालिफाई न करें, अगले साल के लिए 11 खिलाड़ी तैयार करेंगे: धोनी

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि उन्हे इस पर गौर करने की जरूरत है कि क्या वह सही तरह की क्रिकेट खेल रहे है तथा उन्होने अगले साल होने वाले आईपीएल के लिए 11 खिलाड़ी तैयार करने की योजना को ध्यान मे रखते हुए अपने साथियो से थोड़ा आत्ममंथन करने का आग्रह किया। धोनी ने संकेत दिया कि खिलाड़ी अपनी रणनीति पर अमल नही कर पा रहे है लेकिन इसके साथ उन्होने यह भी कहा कि वह अगले साल के लिए कोर ग्रुप की पहचान करने के करीब है। धोनी ने रविवार शाम यहां आईपीएल मैच मे मुंबई इंडियंस के हाथो नौ विकेट से हार के बाद कहा, हमारे जितने भी मैच बचे है उनमे हमे जीत हासिल करनी होगी। हम एक समय मे केवल एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे है।

भारतीय महिला हॉकी टीम पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना

बेगलुरु। सलीमा टेटे की अगुवाई मे भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से पर्थ मे शुरू होने वाली पांच मैचो की श्रृंखला मे भाग लेने के लिए रविवार देर रात ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गई।भारतीय टीम का यह दौरा जून मे होने वाले एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए महत्वपूर्ण है। श्रृंखला 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो मैचो के साथ शुरू होगी। इसके बाद 26 सदस्ईय भारतीय टीम एक, तीन और चार मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम मे दुनिया की पांचवे नंबर की ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैच खेलेगी।

बीमारी के कारण सुदीरमन कप से हटी सात्विक-चिराग की जोड़ी: बीएआई

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सोमवार को बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल्स से हटने का फैसला किया जिससे 27 अप्रैल से चार मई तक चीन के शियामेन में होने वाली मिश्रित टीम चैंपियनशिप मे देश की संभावनाओ को बड़ा झटका लगा है। एशियाई खेलो की स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया की 1वे नंबर की भारतीय जोड़ी को चोट के बाद वापसी करनी थी लेकिन बीएआई ने घोषणा की कि सात्विक और चिराग इस टूर्नामेंट मे हिस्सा नही लेगे।

बढ़त के इरादे से उतरेगी एलएसजी की टीम

●इकाना में दिल्ली को देगी चुनौती

लखनऊ। पिछले मैच में राजस्थान को रोमांचक मैच में 2 रन से हराने वाली लखनऊ की टीम मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली को हराने के लिए पूरा जोर लगाएगी। बता दे इससे पहले 14 अप्रैल को लखनऊ को अपने घर में चेन्नई के हाथों हार का मुंह देखना पड़ा था। दिल्ली कैपिटल्स जब आईपीएल में लखनऊ सुपर जाइंट्स का सामना करेगा तो उसकी उम्मीद रहेगी कि उसके सलामी बल्लेबाज फॉर्म में लौटकर टीम को अच्छी शुरुआत देंगे। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज वर्तमान सत्र में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसने सलामी जोड़ी के रूप में अभी तक चार बल्लेबाजों के साथ तीन संयोजन आजमाए हैं लेकिन इसके इसके बावजूद उसकी टीम पिछले पांच मैचों में पहले विकेट के लिए 23, 34, 00, 09 और 00 रन की साझेदारी ही निभा पाई है। दिल्ली ने अब तक फाफ डु प्लेसी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल और करुण नायर को सलामी बल्लेबाज के रूप में आजमाया है लेकिन उसे अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। इसका संबंध डु प्लेसी की चोट से भी है और इस मैच से पहले दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी की फिटनेस पर कड़ी नजर रहेगी। दिल्ली के सलामी बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर अभी तक बहुत गौर नहीं किया गया है क्योंकि उसकी टीम ने सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की है और केएल राहुल की मौजूदगी वाले मध्य क्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन लखनऊ की टीम में दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, आवेश खान और शार्दुल ठाकुर जैसे कुशल गेंदबाज हैं जिनके सामने दिल्ली के बल्लेबाजों को संभलकर खेलना होगा। आवेश खान की डेथ ओवरों की शानदार गेंदबाजी के कारण लखनऊ ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स को दो रन से हराया था जिससे निश्चित तौर पर उसकी टीम का मनोबल बढा होगा। इससे उसकी टीम ने दिखा दिया कि वह किसी भी परिस्थिति में जीत दर्ज कर सकती है।

घर में खेलने का कोई खास फायदा नही है : विपराज

लखनऊ। दिल्ली कैपिटल्स के युवा ऑलराउंडर विपराज निगम का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग मे टीमो को घरेलू मैदान पर खेलने का ज्यादा फायदा नही मिलता। रॉयल चैलेंजर्स बेगलुरु, चेन्नई सुपरकिंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स जैसी टीमो को मौजूदा सत्र मे घरेलू मैदान पर दबदबा बनाने मे मुश्किल हो रही है। विपराज ने लखनऊसुपर जाइंट्स के खिलाफ दिल्ली के मैच की पूर्व संध्या पर कहा, आईपीएल मे घरेलू परिस्थितियां बहुत फायदेमंद नही होती, लेकिन हा, आपको अंदाजा होता है कि किन चीजो पर विचार करना है। टीम के लिए ज्यादा फायदा नही है। आप मौसम, मैदान के आकार आदि से परिचित है लेकिन सभी टीमो की तैयारी एक जैसी होती है। यूपी के इस 20 वर्षीय लेग स्पिनर को लखनऊमे खेलने के अपने पिछले अनुभव पर भरोसा है।

रोहित ने बीसीसीआई से बर्खास्त किए गए अभिषेक नायर को धन्यवाद दिया

मुंबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सोमवार को अपने पुराने दोस्त अभिषेक नायर को धन्यवाद दिया जिन्हें कुछ दिन पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा राष्ट्रीय टीम के सहायक कोच पद से हटा दिया गया था। रोहित ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए नाबाद 76 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना अर्धशतक पूरा करने का जश्न मनाते हुए अपनी एक तस्वीर साझा की और कैप्शन में नायर को टैग किया। सैंतीस वर्षीय रोहित ने सोमवार को लिखा, धन्यवाद भाई अभिषेक नायर। रोहित और नायर का बहुत पुराना रिश्ता है। दोनों घरेलू सर्किट में मुंबई के लिए साथ साथ खेले हैं। जब भी भारतीय कप्तान शहर में होते तो नायर उनके लिए निजी सत्र आयोजित करते। नायर की कोचिंग विशेषज्ञता का सभी खिलाड़ी सम्मान करते हैं। श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों को भी उनके मार्गदर्शन से फायदा हुआ है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए मैच विजई पारी खेलने के बाद राहुल ने नायर के मार्गदर्शन से मिले फायदे को स्वीकार करते हुए कहा था, अभिषेक नायर को बधाई।

खुद की क्षमता पर संदेह करना आसान है, लेकिन मैं ऐसा नहीं करता

मुंबई। स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि लंबे समय तक खराब दौर से गुजरने के बावजूद उन्होने अपनी क्षमता पर कभी संदेह नही किया तथा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मे चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लगाए गए अपने अर्धशतक को खुद के कौशल पर भरोसा दिखाने का परिणाम बताया। मुंबई इंडियंस ने उनकी इस शानदार पारी की मदद से यह मैच नौ विकेट से जीता। रोहित का आईपीएल के वर्तमान सत्र का यह पहला अर्धशतक है।

नीरज क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता पंचकुला में नही बेंगलुरु में होगी

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को पंचकुला के बजाय बेंगलुरू के कांतिरावा स्टेडियम में कराया जाएगा जिसमें कई स्टार एथलीट हिस्सा लेंगे क्योंकि एंडरसन पीटर्स और थॉमस रोहलर ने भागीदारी की पुष्टि कर दी है। ग्रेनेडा के पीटर्स दो बार के विश्व चैंपियन हैं और रोहलर 2016 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता हैं। चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तानी ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी आमंत्रित किया है जिन्होंने अभी तक भागीदारी की पुष्टि नहीं की है। चोपड़ा ने वर्चुअल मीडिया बातचीत में पत्रकारों से कहा, मैंने अरशद को निमंत्रण भेजा है और उन्होंने कहा है कि वह अपने कोच से चर्चा करने के बाद मुझसे संपर्क करेंगे। अभी तक उन्होंने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है। विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है जिसने भी अपने कैलेंडर में इस टूर्नामेंट के स्थल का नाम बदल दिया है। चोपड़ा ने कहा, मैं चाहता था कि यह प्रतियोगिता पंचकुला में आयोजित हो, लेकिन वहां स्टेडियम में रोशनी की व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दे हैं। विश्व एथलेटिक्स अंतरराष्ट्रीय प्रसारण के लिए 600 लक्स (प्रकाश की तीव्रता का माप) की रोशनी चाहती थी लेकिन पंचकुला में इतनी रोशनी उपलब्ध नहीं थी और इसे तैयार करने में समय लगेगा।

आरिफ अली ने जीता क्लाउड स्पिटल शतरंज ओपन, जूनियर में आर्यमन व आक़िब चैंपियन

लखनऊ। वरिष्ठ कोच और शहर के अनुभवी खिलाड़ी आरिफ अली ने प्रथम क्लाउडस्पिटल शतरंज ओपन टूर्नामेंट टाईब्रेक स्कोर में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर जीत लिया। चेस क्लब ब्लैक एंड व्हाइट-सीसीबीडब्ल्यू लखनऊ द्वारा शहर के एक निजी होटल में आयोजित टूर्नामेंट में उन्होंने लखनऊ चेस सेंटर के एक अन्य अनुभवी खिलाड़ी सईद अहमद के साथ 6-6 अंक अंक साझा किए। इसके बाद टाईब्रेक स्कोर के चलते सईद अहमद दूसरे स्थान पर रहे। वही, इस वर्ग में कोचों का दिन रहा जिसमें पवन बाथम ने पांच अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। दूसरी ओर शहर के उभरते हुए खिलाड़ी लक्ष्य निगम ने आरिफ को हराकर एक महत्वपूर्ण जीत हासिल की। लक्ष्य ने भी 5 अंक हासिल किए लेकिन टाईब्रेक के चलते चौथे स्थान पर रहे। वरिष्ठ नागरिक श्रेणी में कपिल कुमार खरे और सकीलुद्दीन 4.4 अंक के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहे। आरपी गुप्ताए मोहम्मद इरफ़ान और केके केशरवानी की तिकड़ी को 3-3 अंकों के साथ संयुक्त दूसरा स्थान मिला। जूनियर अंडर-16 श्रेणी में आर्यमन सिंह और आक़िब जलील ने 5.5.5.5 अंक हासिल करते हुए संयुक्त पहला स्थान प्राप्त किया। बेस्ट अनरेटेड श्रेणी में आरव गर्गए निखर सक्सेना और नरेंद्र किशोर विजेता रहे। पुरस्कार वितरण लखनऊ नगर निगमएलएमसी की कार्यकारी समिति के सदस्य पार्षद अनुराग मिश्रा ने किया।

हैंडबॉल में पहली बार चीयरलीडर्स, उत्तर प्रदेश ने दिखाया जीत का दम

● यूपी लगातार दो जीत के साथ नाकआउट की दहलीज पर, ●47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालक हैंडबॉल चैंपियनशिप

लखनऊ। आईपीएल की तर्ज पर पहली बार हैंडबॉल चैंपियनशिप में चीयरलीडर्स की चमक और भव्य उद्घाटन समारोह के साथ अम्बेडकरनगर में शुरू हुई 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालक हैंडबॉल चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए लगातार दो जीत के साथ नॉकआउट दौर में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली।चैंपियनशिप के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश ने अपने दूसरे लीग मुकाबले में मध्य प्रदेश को एकतरफा अंदाज़ में 33-17 से शिकस्त दी। मुकाबले में मनीष ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 10 गोल दागे। शुभम और शुभम चौहान ने भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए 9.9 गोल किएए जबकि डेविड और मनीष यादव ने 4-4 बार गेंद को नेट में पहुंचाया। मध्यांतर तक उत्तर प्रदेश की टीम 14.5 की मज़बूत बढ़त बना चुकी थी। इससे पूर्व अपने पहले लीग मैच में उत्तर प्रदेश ने कर्नाटक को 30-15 से हराया था। उस मुकाबले में भी यूपी की टीम ने आक्रामक शुरुआत की और हॉफ टाइम तक 20.6 की निर्णायक बढ़त ले ली थी। मनीष यादव और डेविड ने इस मैच में 7-7 गोल किए, जबकि शुभम ने 6 सोनू चौहान ने 3 और मयंक व रजनीश ने 2-2 गोल दागे। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन और खेल को आकर्षक बनाने के उद्देश्य से पहली बार चैंपियनशिप में चीयरलीडर्स का प्रयोग किया गया हैए जिसने आयोजन को अलग ही ऊर्जा दी है। उत्तर प्रदेश की जीत पर उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के आयोजन सचिव अमित पाण्डेय ने भी हर्ष जताया और बताया कि उत्तर प्रदेश अब अपने तीसरे व अंतिम लीग मैच में मंगलवार को उत्तराखंड के खिलाफ खेलेगा।

क्विक न्यूज

चोटिल सैमसन आरसीबी के खिलाफ मैच से बाहर, जयपुर में करेंगे रिहैबिलिटेशन

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को पुष्टि की कि कप्तान संजू सैमसन रॉयल चैलेंजर्स बेगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान हुए मांसपेशियो मे खिंचाव से उबर रहे है। सैमसन पहले ही लखनऊसुपर जायंट्स के खिलाफ रॉयल्स के घरेलू मैच से बाहर हो चुके है और बृहस्पतिवार को टीम का आरसीबी के खिलाफ मैच होना है। रॉयल्स के मेडिकल स्टाफ ने सैमसन की वापसी की तारीख तय नही की है। रॉयल्स ने एक बयान जारी कर कहा, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन फिलहाल उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहे है और वह राजस्थान रॉयल्स मेडिकल स्टाफ के साथ टीम के होम बेस पर ही रहेंगे। रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया के अंतर्गत वह आरसीबी के खिलाफ आगामी मैच के लिए बेगलुरु नही जाएंगे। बयान मे आगे कहा गया, टीम प्रबंधन उनकी प्रगति पर बारीकी से नजर रख रहा है और उनकी वापसी के लिए मैच दर मैच का दृष्टिकोण अपनाएगा। सैमसन की अनुपस्थिति मे रियान पराग टीम की अगुआई करना जारी रखेंगे। रियान ने सत्र के पहले तीन मैच मे भी रॉयल्स की अगुआई की थी क्योकि सैमसन को केवल बल्लेबाजी करने की अनुमति थी और उन्हे विकेटकीपिंग करने की अनुमति नही मिली थी।

अब हम अगले साल के लिए टीम तैयार करने पर ध्यान देंगे: फ्लेमिंग

मुंबई। इंडियन सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि उनकी टीम इस साल के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मे अपनी स्थिति को लेकर यथार्थवादी है, लेकिन इसके साथ ही उन्होने जोड़ा कि पांच बार की चैंपियन अगले साल के लिए खिलाड़ियो को खोजने मे कोई कसर नही छोड़ेगी। खराब फॉर्म से जूझ रही चेन्नई की टीम को आठ मैचो मे छठी हार का सामना करना पड़ा, जब मुंबई इंडियंस ने रविवार को यहां उसे नौ विकेट से करारी शिकस्त दी, जिससे महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम अंक तालिका मे सबसे निचले स्थान पर बनी हुई है। चेन्नई की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 176 रन ही बना सकी। मुंबई ने रोहित शर्मा (नाबाद 76) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 68) के अर्धशतको की मदद से आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। फ्लेमिंग ने मैच के बाद पत्रकारो से कहा, जब आप अपने स्तर से नीचे खेल रहे हो तो प्रतियोगिता मे बने रहने के लिए उत्साहित होना मुश्किल होता है लेकिन हमे अपना हौसला बनाए रखना चाहिए। फ्लेमिंग ने कहा कि चेन्नई का थिंक-टैंक अपनी किस्मत बदलने के लिए अतीत के ऐसे अनुभवो से सीख लेगा। फ्लेमिंग के मन मे 2023 मे उनकी टीम द्वारा किए गए बदलाव होगे जब उन्होने 2022 मे नौवे स्थान पर रहने के बाद खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट के दौरान कुछ भी बर्बाद नही जाएगा। हम उन टूर्नामेटो पर नजर डालेगे जिनके परिणाम हमारे अनुकूल नही रहे लेकिन हमने उनको टूर्नामेंट के आखिर मे जो काम किए उस पर फिर से अमल करने से वह हमे अगले साल जीत के लिए तैयार करेगा। न्यूजीलैड के पूर्व कप्तान ने कहा, अभी हम जिस स्थिति मे है उसको लेकर यथार्थवादी है, लेकिन अगले साल के लिए खिलाड़ियो, अगले साल के लिए संयोजन की तलाश मे कोई कसर नही छोड़ी जाएगी और हम इसे एक अवसर के रूप मे देखेंगे।

आईपीएल गिल के लिए दबाव में प्रदर्शन करने और साहसिक फैसले करने का सबसे अच्छा मौका है: राशिद

नई दिल्ली। अफ़ग़ानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान का कहना है कि आईपीएल मे प्रदर्शन का दबाव विश्व कप से अधिक है और गुजरात टाइटंस के कप्तान के रूप मे शुभमन गिल के पास एक बेहतरीन कप्तान के रूप मे अपनी साख साबित करने के लिए साहसिक निर्णय लेने का शानदार मौका है। गुजरात टाइटन्स मे गिल की अगुआई मे खेलने वाले राशिद ने अपने कप्तान की तारीफ करते हुए कहा कि उनमे एक महान कप्तान बनने के सभी गुण है। राशिद ने जियो हॉटस्टार की विशेष श्रृंखला जेन गोल्ड मे कहा, एक नेतृत्वकर्ता के रूप मे शुभमन का भविष्य बहुत उज्जवल है। केवल एक बल्लेबाज के रूप मे ही नही बल्कि जिस तरह से वह सोचता है और खेल को समझता है उसमे भी। उन्होने कहा, वह एक योजना के साथ आता है। वह बहुत शांत है और जब आप उसे मैदान पर देखते है-जिस तरह से वह टीम, गेंदबाजो और समग्र माहौल का प्रबंधन करता है तो उसमे एक महान नेतृत्वकर्ता बनने के सभी गुण है। वह इतनी बड़ी लीग मे कप्तानी कर रहा है और यहां दबाव विश्व कप से भी अधिक है। इस 26 वर्षीय लेग स्पिनर ने कहा, एक कप्तान के तौर पर यह उसके लिए दबाव मे प्रदर्शन करने और साहसिक फैसले लेने का सबसे अच्छा मौका है। हार्दिक पंड्या के अस्वस्थ होने पर संक्षिप्त समय के लिए टाइटंस की कप्तानी करने के बारे मे राशिद ने कहा कि 2022 सत्र के दौरान मिले अवसर ने उन्हे एक नेतृत्वकर्ता के तौर पर विकसित होने मे मदद की जिससे उन्हे राष्ट्रीय टीम के लिए और बेहतर प्रदर्शन करने मे मदद मिली। उन्होने कहा, यह एक सपना सच होने जैसा था। उस अनुभव ने मुझे आगे बढ़ने मे मदद की, ना केवल लीग मे बल्कि तब भी जब मै अफ़ग़ानिस्तान का नेतृत्व करने के लिए वापस लौटा। मैने अलग तरह से सोचना शुरू किया। राशिद ने कहा, चार-पांच साल पहले की तुलना मे मेरी मानसिकता मे बदलाव आया है। कप्तानी के उस दौर ने मेरी मदद की और 2024 (टी20 विश्व कप) मे अफ़ग़ानिस्तान के सेमीफाइनल तक पहुंचने मे भूमिका निभाई।

मुंबई इंडियंस ने रोहित को आक्रामक बल्लेबाजी करने के लिए प्रोत्साहित किया: जयवर्धने

मुंबई। रोहित शर्मा की आक्रामक अंदाज मे बल्लेबाजी करने के कारण अपना विकेट गंवाने के लिए भले ही आलोचना होती रही हो लेकिन मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि उनकी टीम ने इस पूर्व कप्तान को अपना इस तरह का रवैया बरकरार रखने के लिए प्रोत्साहित किया। रोहित ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 76 रन की मैच विजेता पारी खेलकर फॉर्म मे वापसी की। जयवर्धने ने मैच के बाद पत्रकारो से कहा, जब वह इस तरह से आक्रामक अंदाज मे बल्लेबाजी करते है तो हम सभी जानते है कि वह पल भर मे मैच का पासा पलट सकते है। इससे लय बन जाती है जिसका असर बाद के बल्लेबाजो पर भी पड़ता है। इसलिए मै उनके इस तरह के रवैए से बहुत खुश हूं। उन्होने कहा, रोहित ने कभी अपना रवैया नही बदला। पहले मैच से ही उनके इरादे स्पष्ट थे भले ही वह असफल हो रहे थे। इसलिए यह हमारे लिए अच्छा है कि वह टीम की जरूरत के अनुसार खेलने की कोशिश कर रहे थे और वह ऐसा करना चाहते थे। हमने ऐसा करने के लिए केवल उन्हे प्रोत्साहित किया।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।